फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 69 प्रभात जयपुर, गुरूवार 9 अक्टूबर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Wages of Graft — He was not worried about the structural stability of the bridge, since he knew these things were designed with a very high safety factor

Short Tempered Stuttering Donald

The Story of Tilak Kamod — Simplicity became a smiling Raga, inviting attention

'अगर हमें पंद्रह सीटों से भी कम सीटें दीं तो हम चुनाव नहीं लड़ेंगे?'

पूर्व मु.मंत्री जीतन राम मांझी ने एनडीए को साथ में यह भी विश्वास दिलाया कि वे फिर भी एनडीए का हिस्सा बने रहेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए के अंदर परेशानी के संकेत दिख रहे हैं। एनडीए के सहयोगी जीतन राम मांझी ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को कम से कम 15 सीटें नहीं दी गईं तो पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी।

तथापि, पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी एनडीए गठबंधन में ही बनी रहेगी। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मांझी से बात कर उन्हें शांत करने की कोशिश की है।

मांझी ने कहा, "हम एनडीए नेताओं से प्रार्थना कर रहे हैं, क्योंकि हम अपमानित महसूस कर रहे हैं। हमें इतनी सीटें तो चाहिए कि हमारी पार्टी को पहचान मिल सके। अगर हमें प्रस्तावित सीटें नहीं दी गईं, तो हम चुनाव नहीं लड़ेंगे। हम एनडीए का समर्थन करेंगे, लेकिन चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है, बस हमारी पार्टी को मान्यता मिलनी चाहिए।"

अगले महीने होने वाले बिहार चुनाव के लिए एनडीए के सहयोगियों ने अभी तक सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले की घोषणा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार, जेडीयू और भाजपा 243 सीटों में से लगभग 100-100 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं। चिराग पासवान की एलजेपी (राम विलास) को लगभग 24 सीटें, मांझी की पार्टी को 10 और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी को करीब छह सीटें दी जा सकती हैं। मांझी के अलावा, चिराग पासवान भी इस सीट-संख्या से खुश नहीं हैं और कम से कम 40 सीटों की मांग कर रहे हैं।

- मांझी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने यह निर्णय इसलिए लिया है कि इतनी कम सीटें मिलती हैं तो वो और पार्टी अपमानित महसूस करते हैं।
- मांझी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के काव्य ग्रंथ रश्मिरथी की निम्न पंक्तियाँ प्रस्तुत कीं, अपनी व्यथा उजागर करने के लिए। भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत का युद्ध टालने की दृष्टि से अंतिम प्रयास में कौरवों से कहा था-

"हो न्याय अगर तो आधा दो
यदि उसमें भी कोई बाधा हो
तो दे दो केवल पंद्रह ग्राम
रखो अपनी धरती तमाम
हम वहीं खुशी से खाएंगे
परिजन पर असि न उठायेंगे"

दिनकर ने पांडवों के लिए पाँच ग्राम मांगे थे, मांझी ने परिवर्तन करके पंद्रह ग्राम की बात कही है।

इससे पहले, बिहार चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारे पर अपनी मांग का संकेत देते हुए, मांझी ने कवि रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध कविता रश्मिरथी की पंक्तियों में बदलाव करते हुए कहा कि उन्हें "15 गाँव" यानी 15 सीटें चाहिए।

आज सुबह एक्स पर एक पोस्ट में मांझी ने दिनकर की कविता की पंक्तियाँ कुछ इस तरह लिखीं-"हो न्याय अगर तो आधा दो, यदि उसमें भी कोई बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रक्खो अपनी धरती तमाम, हम वही खुशी से खायेंगे, परिजन पे असि न उठायेंगे।" इन पंक्तियों का अर्थ है- "हमें सिर्फ 15 गाँव दे दो, बाकी सब रख लो। हम खुश रहेंगे और अपने ही लोगों के खिलाफ हथियार नहीं उठाएंगे।"

मूल कविता में दिनकर ने पाँच पाण्डवों के लिये "5 ग्राम," यानी पाँच गाँव लिखे थे। मांझी ने इसे बदलकर '15' कर दिया।

कांग्रेस ने प्रमोद जैन भाया को अंता से प्रत्याशी बनाया

जयपुर, 08 अक्टूबर। राजस्थान में आगामी 11 नवंबर को होने वाले बारां जिले में अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार की बुधवार को घोषणा कर दी और पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को चुनाव मैदान में उतारा है।

कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने उम्मीदवार की घोषणा का पत्र जारी करते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी के रुप में भाया के नाम को मंजूरी दी है।

- कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने विधानसभा उपचुनाव के लिए उनके नाम की घोषणा की।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाया को उपचुनाव में उम्मीदवार बनाये जाने पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि जनसेवा के प्रति उनके समर्पण एवं आमजन के मुद्दों को ताकत देने के लिए जनता उन्हें भरपूर आशीर्वाद देगी और कांग्रेस को विजयी बनायेगी।

उल्लेखनीय है कि अंता से पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार के रुप में विधायक चुने गये कंवरलाल मीणा को एक मामले में न्यायालय द्वारा दोषी ठहराने के बाद उन्हें विधायक पद से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसे-जैसे चुनाव की तिथियाँ नज़दीक आ रही हैं बंगाल में चुनावी हिंसा भी बढ़ रही है

नवीनतम उदाहरण हैं, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू, जो उत्तरी बंगाल के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा कर रहे थे, उनके साथ भारी मारपीट हुई, प्रतिद्वंदी टीएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जैसे-जैसे चुनावी मौसम करीब आ रहा है, पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का स्तर भी बढ़ता जा रहा है।

नवीनतम घटना के अन्तर्गत, सत्तारूढ़ दल के गुंडों ने उत्तर बंगाल के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर रहे वरिष्ठ भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हथियारबंद लोगों ने उनके छोटे से काफिले पर धावा बोला और उनकी कार तोड़ डाली।

टीएमसी के लोगों ने मुर्मू को पहचान लिया और उन पर हमला कर दिया, जिससे वे लहूलुहान हो गए। उनके चेहरे पर चोटें आईं और बाएं गाल पर कई ज़ख़्म हुए। बताया गया कि उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उन्हें दूसरी गाड़ी से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ शरारती तत्वों ने मुर्मू के काफिले पर हमला किया, क्योंकि उन्हें लगा कि वे बाढ़ राहत कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।

- ममता बनर्जी ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों ने मुर्मू के साथ मारपीट इसलिए की, क्योंकि उनके दौरे के कारण राहत सामग्री के वितरण में बाधा पहुँची थी।
- पर, जानकार सूत्रों का कहना है कि चुनावी सरगर्मी बढ़ने से राजनीतिक प्रतिद्वंदिता चरम पर पहुँच गई है और राजनीतिक दल एक दूसरे के क्षेत्र में गंभीरता से घुसपैठ करने लगे हैं, जो कालांतर में और तीव्र होगी।

बाद में मीडिया से बात करते हुए खगेन मुर्मू ने कहा कि यह हमला पहले से सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था, ताकि उन्हें बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करने से रोका जा सके। वे इन क्षेत्रों की हालत देखने और राहत सामग्री का प्रबंध करने के लिए गए थे।

तथापि, टीएमसी नेताओं का कहना है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में बहुत सारे नेताओं के आने से बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री समय पर नहीं पहुंच पा रही। उनका कहना है कि ये नेता बड़े-बड़े काफिलों के साथ जा रहे हैं, जिससे राहत कार्य बाधित हो रहे हैं।

तथापि, जानकार लोगों का मानना है कि राज्य विधानसभा चुनावों की जंग अब वास्तव में शुरू हो चुकी है। दोनों मुख्य दल विभिन्न इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिशों में जुटे हैं। राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि टीएमसी, भाजपा नेताओं पर अपना गुस्सा निकाल रही है, क्योंकि भाजपा ने त्रिपुरा में टीएमसी के दफ्तर पर हमला कर उसे लगभग नष्ट कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कितागावा, रॉबसन व याघी को रसायन का नोबेल पुरस्कार घोषित

"मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क" के विकास क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए उनका चयन हुआ है

स्टॉकहोम, 08 अक्टूबर। रसायन विज्ञान का वर्ष 2025 का नोबेल पुरस्कार जापान के सुसुमू कितागावा, आस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और अमेरिका के उमर एम याघी को दिया जायेगा।

नोबेल पुरस्कार समिति ने बुधवार को यहां यह घोषणा की। समिति ने बताया कि इस साल का यह प्रतिष्ठित सम्मान क्योटो यूनीवर्सिटी जापान के वैज्ञानिक सुसुमू कितागावा, मेलबर्न विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और बर्कले कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के उमर एम याघी को दिया जाएगा।

यह पुरस्कार "मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क" के विकास क्षेत्र में उल्लेखनीय काम के लिए दिया जाएगा। नोबेल पुरस्कार समिति के अनुसार, इन वैज्ञानिकों ने बड़े अंतराल वाले आणविक ढ ांचे बनाने में सफलता हासिल की। इनमें गैसें और अन्य रसायन प्रवाहित हो सकते हैं।

- इन धातु-कार्बनिक ढांचों का उपयोग रेगिस्तान में हवा से पानी इकट्ठा करने, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने, विषाक्त गैसों को संग्रहित करने या रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है।

इन धातु-कार्बनिक ढ ांचों का उपयोग रेगिस्तान में हवा से पानी इकट्ठा करने, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने, विषाक्त गैसों को संग्रहित करने तथा रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि धातु-कार्बनिक ढ ाँचों के विकास के माध्यम से, पुरस्कार विजेताओं ने वैज्ञानिकों को हमारे सामने आने वाली कुछ चुनौतियों का समाधान करने के नए अवसर प्रदान किए हैं।

पिछले कुछ दशकों में धातु-कार्बनिक ढ ाँचों के क्षेत्र का तेज़ी से विस्तार हुआ है। इनके बारे में जानकारी पहले से थी, लेकिन ऐसी संरचनाओं को पूर्वानुमानित रूप से डिज़ाइन और संश्लेषित करने की क्षमता के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

यह विस्तार काफी हद तक सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी के मौलिक कार्यों शोध के कारण हुआ।

इन्होंने इस विकास को बढ़ ावा देने वाले कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। इन योगदानों में न केवल विभिन्न संरचनाओं और अनुप्रयोगों के कई प्रभावशाली उदाहरण शामिल हैं, बल्कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बार-बार अपील करने पर सरकार पर जुर्माना लगा

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मचारी को पे-स्केल देने का विवाद तय हो जाने के बाद, राज्य सरकार की ओर से वापस अपील दायर करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने उच्च शिक्षा विभाग पर दस हजार रुपए का हर्जाना लगाते हुए अपील को खारिज कर दिया है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस बीएस संधू ने ये आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामले में साल 2013 में ही आदेश जारी हो चुके हैं और उसकी अपील भी अदालत खारिज कर चुकी है। ऐसे में विभाग की ओर से बार-बार अपील क्यों लगाई जा रही है।

- हाई कोर्ट ने कहा कि सन् 2023 में आदेश जारी हो चुके हैं, पर विभाग की ओर से बार-बार अपील क्यों लगाई जा रही है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता तरुण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार चुनाव में सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करेंगे केजरीवाल

केजरीवाल का यह निर्णय प्रशांत किशोर की पार्टी की सफलता से पैदा हुई असुरक्षा की भावना है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रशांत किशोर, यानी 'पीके फैक्टर' ने आम आदमी पार्टी (आप) को बिहार विधानसभा चुनाव में उतरने के लिए प्रेरित किया है।

पहले भी आम आदमी पार्टी ने अपने प्रभाव क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों में अपना विस्तार करने की कोशिश की है तथा गोवा, गुजरात और हरियाणा में चुनाव लड़ने के फैसले कर चुकी है। लेकिन दिल्ली में झटका लगने के बाद, पार्टी ने अपनी नीति बदल ली और दिल्ली व पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया।

बिहार के मामले में, आप के संस्थापक अरविंद केजरीवाल ने अपवादस्वरुप राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और पहले चरण में 11 उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी है। हालांकि बिहार में आप की मौजूदगी से इस पूर्वी राज्य के चुनावी समीकरण पर कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है, लेकिन चुनाव लड़ने का फैसला इस असुरक्षा की भावना से उपजा प्रतीत होता है कि पार्टी के विकास मॉडल को प्रशांत किशोर की 'जन सुराज पार्टी' निगल सकती है।

- दिल्ली में हारने के बाद केजरीवाल ने नीतिगत निर्णय लिया था कि कई राज्यों में पैर पसारने की बजाय वे दिल्ली व पंजाब पर ही फोकस रखेंगे। बिहार में यह निर्णय इस नीति का अपवाद है।
- केजरीवाल व प्रशांत किशोर की राजनीतिक गतिविधियों में काफी समानता नज़र आती है। दोनों ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत भ्रष्टाचार खत्म करने के नारे से की थी।
- शिक्षा, जल, स्वास्थ्य आदि पर सोच, दोनों की करीब-करीब एक सी है।
- केजरीवाल को डर लगा कि प्रशांत किशोर यह मंच उनसे छीन लेंगे। चाहे वर्तमान चुनावों में उनकी पार्टी को कोई खास लाभ नहीं मिलेगा, किन्तु अपनी पहचान जीवित रखने के लिए बिहार में सब जगह उम्मीदवार खड़े किये हैं।

बीते कुछ महीनों में यह अनिश्चितता बनी हुई थी कि आप बिहार चुनाव लड़ेगी या नहीं, जिसके चलते पिछले महीनों में पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए थे। इसलिए आप का यह फैसला आने वाले समय के लिए अपनी राजनीतिक संभावनाएँ जीवित रखने का प्रयास है, न कि इस चुनाव में कोई बड़ा असर डालने की कोशिश।

ऊपरी तौर पर, आप और जन सुराज पार्टी (जेएसपीयूआरए) में कुछ समानताएँ दिखती हैं। दोनों ही पार्टियाँ शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश कर रही हैं, जो शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार और भ्रष्टाचार खत्म करने पर केन्द्रित है। दोनों ही पार्टियों की सोशल मीडिया पर भी मजबूत मौजूदगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई पेपर लीक की सुनवाई 24 नवम्बर को

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 859 पदों की एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में दायर अपीलों पर बुधवार को 24 नवंबर तक सुनवाई टाल दी है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से एजी राजेन्द्र प्रसाद ने खंडपीठ को सुप्रीम कोर्ट की ओर से रोक लगाने के आदेश की जानकारी दी। जिस पर खंडपीठ ने पक्षकारों से मामले को लेकर अपनी लिखित बहस पेश करने के आदेश देते हुए सुनवाई 24 नवंबर को तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश विक्रम सिंह पंवार व अन्य की अपीलों पर दिया।

- ए.जी. राजेन्द्र प्रसाद ने हाई कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के रोक लगाने के आदेश की जानकारी दी।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्थानीय मान्यताएँ व इकोलॉजी को ध्यान में न रखने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है कैलाश पर्वत पर

गत वर्ष कैलाश पर्वत की अछूती ऊँचाइयों को पर्यटन स्थल में परिवर्तित करने की कोशिश से लगभग पाँच सौ चीनी पर्यटकों का जीवन भारी हिमपात के कारण संकट में पड़ा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। चीनी अधिकारी बेहद असंवेदनशील तरीके से व्यवहार कर रहे हैं और हिमालय के पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुँचा रहे हैं, साथ ही लोगों को भयंकर ठंड में मौत के खतरे में डाल रहे हैं।

एक चीनी सरकारी मुखपत्र ने गर्व से बताया कि पिछले साल मैदानों से पाँच लाख से अधिक लोग ऊँचे हिमालयी क्षेत्रों में गए। इससे हिमालय पर भारी मानव गतिविधि का स्थायी असर पड़ेगा।

ऐतिहासिक रूप से, तिब्बती लोग ऊँचे पहाड़ों में लोगों को जाने की अनुमति देने में बहुत सावधान रहते थे। वे मानते थे कि हिमालय देवताओं और देवियों का निवास है और इसलिए हिमालय की उच्चतम चोटियों पर जाने से मना करते थे।

लेकिन जब से चीन ने तिब्बत और ऊँचे हिमालयी इलाक़ों पर कब्जा किया, सब कुछ बदल गया है। चीन ने अपने असंवेदनशील विकास मॉडल को थोपते हुए, तिब्बती पठार को हान चीनी आबादी से भर देने की कोशिश की है, ताकि सदियों पुरानी तिब्बती संस्कृति व इतिहास और हिमालय के प्रति उनकी श्रद्धा को मिटाया जा सके।

अब तिब्बत के हिमाचल क्षेत्र में चीन के इस असंवेदनशील पर्यटन प्रयास के परिणाम सामने आ रहे हैं।

माउंट एवरेस्ट की पूर्वी ढलानों पर लगभग 300 लोग बर्फ़ीले तूफ़ान में फँस गए हैं और बचाव अभियान जारी है। कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान गिरना) से पीड़ित हैं।

- चीन के पर्यटन विभाग ने बड़े गर्व से ऐलान किया था कि चीन के मैदानी इलाकों से पाँच लाख पर्यटक भ्रमण करने गये थे। मूल तिब्बती कैलाश पर्वत को देवी-देवताओं का आवास मानते आये हैं, कोई घूमने की जगह नहीं। मॉउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ना तिब्बतियों के अुनसार, लगभग निषेध था।
- तिब्बत की सरकार बारिश शुरु होने के बाद आम लोगों को वहाँ जाने के परमिट बंद कर देती है। ऐसा ही नेपाल भी करता आया है। चीन की सरकार ने तिब्बत की संवेदनशील सभ्यता को खत्म करने की नज़र से हान चीनियों को भारी संख्या में वहाँ भेजा।
- कैलाश पर्वत को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करना भी इसी दिशा में एक कदम था। बारिश के बाद कैलाश पर्वत पर मौसम अचानक कई बार बदलता है। तापमान माइनस तीस डिग्री तक जाता है और बर्फ से सबकुछ ढक जाता है। स्थानीय मौसम पर ध्यान न देने से सैंकड़ों चीनी पर्यटक बर्फ में दब गये और मुश्किल से निकाले गये।

पर्यटकों के साथ यह हादसा पिछले शनिवार को उस समय शुरू हुआ, जब बर्फ़बारी शुरू हुई। टैंट के भीतर से लिए गए कुछ वीडियोज़ में स्पष्ट नज़र आ रहा था कि कैसे टैंट के बाहर बर्फ़ धीरे-धीरे बढ़ रही थी।

सोमवार को भी 16,000 फीट से ऊपर लगभग 200 और लोग फँसे हुए थे। ऊँची ढलानों पर पर्वतारोहण उपकरण और हाई-टेक गैजेट्स भी अत्यधिक ठंड और तूफ़ानों में काम नहीं आए।

कई पर्यटकों ने कहा कि तापमान इतना गिर गया था और तूफ़ान इतना तेज था कि टैंट के अंदर भी एक पल भी सो नहीं पा रहे थे। वो लोग भीग गए और ठंड से काँपने लगे। कई पर्यटकों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने विवि रजिस्ट्रार को चेतावनी दी

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को शपथ पत्र पेश कर यह बताने को कहा है कि विवि की ओर से आवंटित आवास को तय अवधि के बाद कितने लोगों ने खाली नहीं किया है। वहीं, ऐसे लोगों से जुर्माना वसूल करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं या नहीं। यदि इन्हें नोटिस जारी नहीं किए गए तो उन पर क्या कार्रवाई की गई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि ऐसे मामले में कार्रवाई नहीं की गई है तो जुर्माना राशि के बराबर राशि रजिस्ट्रार के वेतन से वसूल की जाएगी। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुभाष राठी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत ने पूछा कि जिन लोगों ने आवास खाली नहीं किया, उन पर क्या कार्यवाही की गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कर्म वह आईना है जो हमारा स्वरुप हमें दिखा देता है। इसलिए हमें कर्म का एहसानमंद होना चाहिए। –विनोबा

एसएमएस अस्पताल हादसे से लोगों में गुस्सा: आपराधिक लापरवाही के असली जिम्मेदार कौन ?

देश के बड़े अस्पतालों में शुमार राजधानी जयपुर के सरकारी अस्पताल सवाई मान सिंह (SMS) के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में रविवार रात करीब सवा ग्यारह बजे भीषण आग लग गई, जिससे 6 गंभीर मरीजों की मौत हो गई। अब तक 8 जनों की मौत होने का समाचार है जबकि कई मरीजों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद वार्ड में फैले धुएं और जहरीली गैसों की भयावहता के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो ने से प्रदेश के लोग भयाक्रांत है। लोगों का कहना है राज के नाक के नीचे के अस्पताल की दुर्व्यवस्था देखकर प्रदेश के जिलों में अस्पतालों की व्यवस्था का सहज ही अंदाज लगाया जा सकता है। भीषण दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा देर रात अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और डॉक्टरों से बात की। सरकार ने आग के कारणों, अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन प्रतिक्रिया की जांच के लिए 6 सदस्यीय कमिटी गठित की है। इस कमिटी की अध्यक्षता मेडिकल एजुकेशन के कमिश्नर इकबाल खान करेंगे और यह जल्द ही रिपोर्ट सौंपेगी। हादसे के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए सरकार को कडी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि कहीं आग लग रही है, तो कहीं छत गिर रही है, यह क्या हो रहा है सरकारी इमारतों में? अदालत ने 9 अक्टूबर तक सभी जर्जर भवनों की मरम्मत का रोडमैप पेश करने का निर्देश दिया है।

राज्य सरकार ने अग्नि दुखांतिका में प्रत्येक मृतक के परिजन को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की हैं। इसी बीच राज्य सरकार ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड को पद से हटा दिया है एवं एसएमएस में पदस्थापित अधिशाषी अभियंता श्री मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही, फायर सेफ्टी के लिए नियोजित एजेंसी एसके इलेक्ट्रिक कम्पनी की निविदा निरस्त करते हुए उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार सवेरे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के नेता घटना स्थल पर पहुंचे। इसी के साथ सियासत भी शरू हो गई। विपक्षी नेताओं सहित लोग पूछ रहे है आखिर आग कैसे लगी और इन मौतों का जिम्मेदार कौन है।

अस्पताल सूत्रों ने बताया समय समय पर विभिन्न व्यवथाओं में सुधार के लिए उच्चाधिकारियों को मौखिक और लिखित में जानकारी दी गई थी मगर जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हादसे से दो दिन पहले ही ट्रोमा सेंटर इंचार्ज ने अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर चेताया था कि छत पर चल रहे ऑपरेशन थियेटर के निर्माण के काम से बिजली के पैनल क्षतिग्रस्त होने का खतरा है। इसका मतलब आईने की तरह साफ़ है कि ट्रोमा सेंटर का ओटी कॉम्पलेक्स जिसमें आईसीयू है वह एक महीने से हादसे के इंतजार में था। ओटी कॉम्लेक्स में करंट दौड़ रहा था। पानी टपक रहा था। दीवारे गीली हो रही थी। बिजली पैनल में पानी जाने से करंट आने लगा। कहा जा रहा है कि यह पानी बिजली के बोर्ड में गया होगा जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ।

यह भी कहा जा रहा है ट्रॉमा सेंटर की बिल्डिंग ज्यादा पुरानी नहीं है, इसके बावजूद इतनी बड़ी और भयावह दुर्घटना से कई सवाल उठना लाजिमी है। पारदर्शी, जनप्रिय और संवेदनशील होने का दावा करने वाली सरकार से लोग पूछ रहे है कि व्यवस्था बदहाल थी तो जिम्मेदारों ने समय पर ध्यान क्यों नहीं दिया। बारिश में पानी भरने, पलस्तर उखड़ने, वायरिंग जलने आदि की आम शिकायतें तो मीडिया की सुर्खियां आये दिन बनती रहती है। ट्रॉमा सेंटर में आग पर काबू पाने के पर्याप्त संसाधन ही नहीं थे। अगर फायर फायटिंग सिस्टम आईसीयू के पास पर्याप्त संख्या में होते तो आग पर तुरंत काबू पाया जा सकता था। यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि फायर सेफ्टी की समय समय पर जाँच क्यों नहीं की गई। फायर सेफ्टी का ट्रायल कब हुआ था? किसे ट्रेनिंग दी गई थी। कागजी कार्यवाही कर कहीं खानापूर्ति तो नहीं की गई। हालाँकि ये सब अब जाँच रिपोर्ट से ही खुलासा होगा।

इस हादसे से सबक लेकर प्रदेशभर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जाँच शुरू हो गई है। एसएमएस हादसे के बाद सभी सम्बध सरकारी विभागों में खलबली मची है और उन्होंने सतर्क होकर अपने-अपने जिम्मे विभिन्न कार्यों की जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। सरकार ने भी देरी से ही सही विधुत निरीक्षकों से तत्सम्बन्धी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही व्यवस्था प्रभारी और अधीनस्थ अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कोई अपेक्षित कार्यवाही नहीं करने की जांच भी की जा रही है। लोगों का कहना है यदि निष्पक्ष जाँच होती है तो कई जिम्मेदार नपेंगे और सिस्टम की खराबियों का खुलासा होगा।

पुलिस के उच्च सूत्रों के मुताबिक, ''प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट ही आग का कारण लगता है, लेकिन फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की जांच के बाद ही आग के सटीक कारण का पता चलेगा। आग स्टोर रूम से शुरू हुई, जहां कागज, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैंपल ट्यूब्स रखे थे, जो जल्दी भड़क उठे। अस्पताल प्रशासन ने प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया है, साथ ही अधिकारियों का कहना है कि अंतिम कारण की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। मिली जानकारी के अनुसार ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल पर दो ICU हैं – ट्रॉमा ICU में 11 और सेमी ICU में 13 मरीज भर्ती थे। ट्रॉमा में शॉर्ट सर्किट से आग लगी, जो तेजी से फैली और जहरीली गैसें निकलने लगीं। शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में 2 महिलाओं सहित 8 जनों की मौत हो गई। बताया जाता है अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों के तीमारदारों ने मरीजों को बाहर निकाला। सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। वहीं प्रत्यक्षदर्शी परिजनों का कहना है, ICU शॉर्ट सर्किट में आग निकलने से पहले धुंवा निकलने लगा था, इसकी जानकारी वहां उपस्थित अस्पताल स्टाफ को दी गई मगर उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की। बाद में आग फैलते ही मौजूदा स्टाफ रफूचक्कर हो गया। परिजन अपने–अपने मरीजों को निकालने में जुट गए, उनमें कुछ को सफलता मिली और कुछ जहरीले धुंवे के शिकार हो गए। भयावह अफरा तफरी में लोग सड़कों पर मरीजों को लेकर आये जिनमें कुछ की तबियत उपचार नहीं मिलने से खराब हो गई।''

मृतकों के परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक परिजन पूरन सिंह ने बताया, ''स्पार्क लगते ही सिलेंडर के पास आग लग गई। धुआं पूरे ICU में फैल गया, सब भागने लगे। कुछ लोग अपने मरीजों को बचा ले गए, लेकिन मेरा मरीज अकेला रह गया। डॉक्टर, कंपाउंडर और अन्य स्टाफ के लोग भाग गए, किसी ने कोई मदद नहीं की। अन्य परिजनों ने भी इससे मिलती–जुलती जानकारी दी। परिजनों का आरोप है, फायर अलार्म नहीं बजा और सेफ्टी उपाय पूरी तरह नाकाफी थे।''

इस हादसे से सबक लेकर प्रदेशभर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जाँच शुरू हो गई है। कई अस्पतालों में मॉक ड्रिल की गई है। सभी व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरस्त किया जा रहा है। ध्यान देने की बात यह भी है कि अस्पतालों सहित प्रदेशभर की सरकारी इमारतों में समय–समय पर विधुत रखरखाव की निगरानी, पर्यवेक्षण की कोई सुचारु व्यवस्था नहीं है। एसएमएस हादेसे के बाद सभी सम्बध सरकारी विभागों में खलबली मची है और उन्होंने सतर्क होकर अपने–अपने जिम्मे विभिन्न कार्यों की जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। सरकार ने भी देरी से ही सही विधुत निरीक्षकों से तत्सम्बन्धी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही व्यवस्था प्रभारी और अधीनस्थ अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कोई अपेक्षित कार्यवाही नहीं करने की जांच भी की जा रही है। लोगों का कहना है यदि निष्पक्ष जाँच होती है तो कई जिम्मेदार नपेंगे और सिस्टम की खराबियों का खुलासा होगा।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

विश्व भक्ति एवं ज्ञान पर्व अंतर्राष्ट्रीय भक्तामर दिवस

भाग चन्द जैन मित्रपुरा

अंतरराष्ट्रीय भक्तामर प्रभावना संघ की पहल पर विश्व शांति एवं भक्ति में निहित शक्ति के उद्देश्य से 09 अक्टूबर को प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय भक्तामर दिवस मनाया जाता है। यह महाकाव्य किसी पंथ, संप्रदाय एवं धर्म विशेष का प्रोत्साहन नहीं करता है। हालांकि प्रथम श्लोक में 'युगादौ' एवं द्वितीय श्लोक में 'प्रथमं जिनेन्द्रम्' शब्दों के उल्लेख से यह माना जाता है कि इस युग के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की स्तुति इस महाकाव्य में की गई है। कदाचित इसी कारण से इसे आदिनाथ स्तोत्र भी कहा जाता है।

इस महाकाव्य की रचना के पीछे एक रोचक कथा है। तत्कालीन मालवा प्रांत की धारा नगरी में राजा भोज का राज था। वे साहित्य, कला, विद्या के साथ संस्कृत में विशेष रुचि रखते थे। उनके दरबार में अनेक विद्वानों के साथ कवि कालिदास भी थे। दरबार में कालिदास ने दिगम्बर मुनि मानतुंग के प्रति अपमान जनक शब्द कहे जो धनंजय कवि को सहन नहीं हुए एवं उन्होंने कालिदास को शास्त्रार्थ करने की चुनौती दी। शास्त्रार्थ में धनंजय के उत्तर – प्रत्युत्तर से कालिदास निरुत्तर हो गए एवं इस लज्जा से बचने के लिए गुरु मानतुंग से शास्त्रार्थ करने हेतु राजा से निवेदन किया। राज भोज को इस तरह के शास्त्रार्थ में विशेष रुचि थी अत: मानतुंगाचार्य को दरबार में बुलाने हेतु अपना दूत भेजा। दूत द्वारा निवेदन करने पर मुनिराज ने कहा कि हम मुनियों का राज दरबार से कोई संबंध नहीं है, यह कह कर दूत को राज दरबार में जाने से मना कर दिया। राजा ने मुनिराज के पास कई बार सेवक भेजे, लेकिन मुनिराज नहीं आए। इस पर कुपित होकर राजा ने मुनिराज को बलात दरबार में बुलाया। मुनिराज ने उपसर्ग जानकर मौन धारण कर लिया एवं राजा के अनुरोध पर भी नहीं बोले। इस पर राजा ने क्रोधित होकर मुनिराज के हाथ पैरो में बेड़ियां डलवाकर उन्हें 48 कोठरियों के भीतर बंदीगृह में कैद कर ताले लगवा दिए।

आचार्य ने इस बंधन को समतापूर्वक स्वीकार कर लिया और भगवान की भक्ति में डूब गए तथा बंदीगृह में ही उन्होंने भक्तामर स्तोत्र महाकाव्य की रचना की। इस अनुपम भक्तिकाव्य की महिमा से एक – एक काव्य की रचना के साथ एक एक ताले स्वत: ही टूटते गए और सभी 48 दरवाजे खुल गए तथा मुनिराज बाहर आ गए। मुनिराज के तप एवं भक्ति के इस प्रभाव को देखकर राजा चमत्कृत हो गए। इस पर कालिदास ने मुनिराज पर उपसर्ग के प्रयोजन से कालिका देवी प्रकट की। मुनिश्री के तप के प्रभाव से प्रकट चक्रेश्वरी देवी को देखकर कालिका मुनिराजन से क्षमा मांगकर अदृश्य हो गई।अंतत: मुनिश्री के प्रभाव को देखकर राजा भोज एवं कालिदास ने नतमस्तक होकर उनसे क्षमा मांगी और उनकी स्तुति की साथ ही राजा ने मुनिवर से श्रावक के व्रत अंगीकार किए और राज्य में जैन धर्म की अद्वितीय प्रभावना हुई।

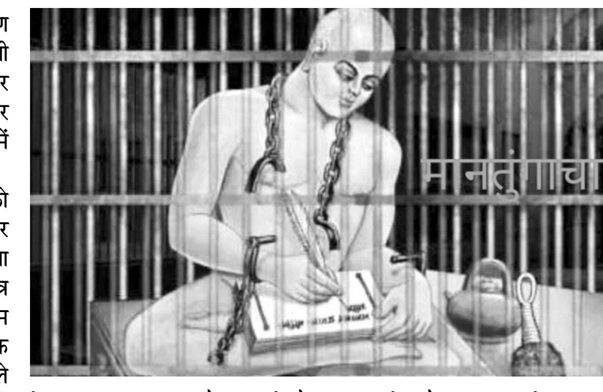

इस काव्य की रचना में उपमाओं एवं अलंकारों की बाहुल्यता एवं प्रत्येक पंक्ति में 14 पूर्णाक्षर होना इसकी विशेषता है। यह संस्कृत भाषा में वसंततिलका छंद में है। आराध्यदेव के गुणगान में मुनिवर निष्काम भावना ही निहित थी। मुनिवर ने बंदीगृह से मुक्ति या अन्य किसी भी तरह की याचना नहीं की थी। हम जानते है कि भगवान प्रत्यक्षत: कुछ नहीं देते, लेकिन भक्ति से अर्जित पुण्य से स्वहितार्थ सुख की प्राप्ति होती है एवं वह भय से मुक्त रहता है। भक्तामर स्तोत्र का एक एक श्लोक जीवन में व्याप्त सभी तरह की कठिनाइयों में हीलिंग का कार्य करता है। श्रद्धालुजन भक्तामर स्तोत्र को असाध्य रोगों में हीलिंग थेरेपी के रूप में अपना रहे है, इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इसकी रिसर्च जारी है।

संकलन : भाग चन्द जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर

राजस्थान गैरकानूनी धर्मांतरण विधेयक : संविधान सभा की अभीप्सा साकार हो रही है

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 की प्रस्तावना, मिथ्या निरूपण, भ्रामक सूचना, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, ऑनलाइन याचना, या किसी भी कपटपूर्ण तरीके से, या विवाह या विवाह के बहाने, एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाने और उससे संबंधित सभी मामलों के लिए प्रावधान करती है। सभ्य समाज इस विधेयक 2025 का स्वागत करता है क्योंकि यह एक धर्म से दूसरे धर्म में धर्म परिवर्तन को दंडित करता है, जहाँ धर्म परिवर्तन स्वतंत्र सहमति से नहीं किया गया हो।

विश्व में विवाह को सभ्य समाज का एक महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है जहाँ आपसी विश्वास और पवित्रता रिश्ते की नींव होती है। यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि विशेष विवाह अधिनियम, मुस्लिम विवाह अधिनियम, ईसाई विवाह अधिनियम, हिंदू विवाह अधिनियम आदि विवाह में धोखाधड़ी के तत्व को तलाक के वैध और कानूनी आधारों में से एक मानते हैं। कैविएट एम्प्टर के सिद्धांत का उपयोग विवाह के लिए नहीं किया जा सकता है। भारत में विवाह एक व्यक्तिगत कार्य नहीं है बल्कि इसमें परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल होते हैं। इसलिए, विधेयक को पढ़ने से कानून का डर उनको पैदा होता है जो धोखाधड़ी और इसी तरह के कारकों के प्रभाव में विवाह के अनुष्ठान और धर्म परिवर्तन को लेकर बेईमानी से काम करते हैं। यदि विवाह केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया जाता है, या इसके विपरीत धर्मांतरण विवाह के उद्धेश्य के लिए किया जाता है, विधेयक 2025 की योजना के अनुसार सक्षम न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित किया जाएगा।

विधेयक 2025 का एक संक्षिप्त अवलोकन यह स्पष्ट करता है कि कुछ कृत्यों द्वारा अवैध धर्मांतरण की पहचान की गई है। ऐसी प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत की शर्तों को पूरा करती है। पंथनिरपेक्षता को बरकरार रखा गया है जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। हितधारकों को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय देते हुए, कानूनी प्रक्रिया का पालन करके मनमानी के तत्वों पर उचित नियंत्रण किया गया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय की पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने, भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची छ्छ के अंतर्गत आने वाली सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने की राज्य की विधायी शक्ति को बरकरार रखा है। इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि प्रचार के अधिकार में किसी भी प्रकार से धर्मांतरण का अधिकार शामिल नहीं हो सकता।

विधेयक 2025 के बारे में गलत जानकारी फैलाना एक प्रयास है कि अवैध धर्मांतरण गैर–जमानती और संज्ञेय है, जो कठोर है। भारत का संविधान संघीय शासन व्यवस्था का प्रावधान करता है। राजस्थान राज्य अपनी बुद्धिमत्ता और विधायी शक्तियों के विभाजन के अनुसार इस विधेयक को पारित करने के लिए सक्षम है, जो एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध धर्मांतरण को रोकने का प्रयास करता है, इस आधार पर कि कानून और व्यवस्था स्थापित करना और बनाए रखना राज्य का संप्रभु कार्य है, सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए। इसलिए, यह विधेयक भारत की राष्ट्रीय नीति के साथ संघर्ष में नहीं है विधेयक 2025 पर लगाया गया यह आरोप कि दंड अत्यधिक कठोर और अनुपातहीन है, तर्कसंगत नहीं है। आपराधिक न्यायशास्त्र श्रेणीबद्ध दंड का प्रावधान करता है , जहाँ तक सुबोध विभेदों पर आधारित उचित वर्गीकरण और प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्य के बीच संबंध स्थापित किया जाना आवश्यक है। यह विधेयक समाज के कमजोर वर्गों जैसे नाबालिग, महिला, विकलांग व्यक्ति, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के सदस्यों से जुड़े अपराधों के लिए अधिक श्रेणीबद्ध और कठोर दंड का प्रावधान करता है, और न्यूनतम दंड जुर्माने के साथ प्रदान करता है। साथ ही, यह उन लोगों को रोकने के लिए भी है जो समाज विरोधी, राष्ट्र विरोधी हैं और भारत की इस प्राचीन भूमि की एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करते हैं। यह विधेयक न तो निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है और न ही व्यक्तिगत स्वतंत्रता का।

यह स्थापित कानून है कि न्यायिक समीक्षा व्यक्तिगत अधिकारों, स्वतंत्रता और लोकहित, जिसमें लोक व्यवस्था भी शामिल है, के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करती है। विधेयक 2025 की योजना में मनमानी के तत्व को विधिवत संबोधित किया गया है। निजता का अधिकार एक पूर्ण अधिकार नहीं है। इसकी सीमाएँ हैं और निजी स्थान में समलैंगिक संबंध के रूप में इसे अनुमति दी गई है। लेकिन अगर धोखाधड़ी का तत्व है, तो समलैंगिक संबंध भी कानून के तहत दंडनीय है। विवाह, जन्म, मृत्यु आदि का पंजीकरण कल्याणकारी समाज में योजनाओं, परियोजनाओं आदि की योजना बनाने के लिए एक मानदंड है। निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के उल्लंघन की आड़ में इस विधेयक को विफल करने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत एक पंथनिरपेक्ष देश है, इसलिए ऐसे धर्मांतरण विरोधी कानून मूलत: पंथनिरपेक्षता की भावना के विरुद्ध नहीं हैं। पंथनिरपेक्षता को समझने के लिए हमें लगातार होने वाली संविधानसभा की बहसों का संदर्भ लेना होगा। यहाँ यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि 27 दिसंबर 1948 को संविधान सभा की बहस ने पंथनिरपेक्षता के वास्तविक स्वरूप को उजागर किया था। डॉ. अंबेडकर, 7 दिसंबर, 1948 को एक वाद–विवाद में अम्बेडकर ने उन धर्मों के वास्तविक चरित्र को रेखांकित किया जो भारतीय मूल के नहीं हैं। इन धर्मों के भाईचारे के दावे केवल उस विशेष धर्म के अनुयायियों तक ही सीमित हैं। बाहरी लोगों को नीची नज़र से देखा जाता है और उन्हें ईश्वरीय प्रसन्नता के योग्य नहीं माना जाता। इसलिए, पंथनिरपेक्षता की चयनात्मक, निहित और भेदभावपूर्ण व्याख्या के तहत धर्मांतरण के अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता।

विधेयक 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संधियों के विपरीत नहीं है। कोई भी अंतर्राष्ट्रीय कानून अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा नहीं देता है, जो समाज के सांप्रदायिक सद्भाव और कानून–व्यवस्था के विरुद्ध है।

वह संपत्ति जहाँ किसी व्यक्ति का एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन का अपराध हुआ है, ज़ब्त कर ली जाएगी। यह ज़िला मजिस्ट्रेट या राज्य सरकार द्वारा नियुक्त राजपत्रित अधिकारी द्वारा जाँच के बाद होता है। अवैध धर्म परिवर्तन में शामिल पाई गई संपत्ति को राज्य विधान सभा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कानून द्वारा ज़ब्त करने की अनुमति दी गई है। उक्त संपत्ति को विधेयक 2025 में विस्तार से उल्लिखित समय–सीमा और प्रक्रिया के अनुसार ध्वस्त किया जा सकता है।

आपराधिक न्यायशास्त्र में निर्दोषता साबित करने के लिए अभियुक्त पर सबूत और अपराध का भार डालना कोई नई बात नहीं है। पीसीपीएनडीटी, एनडीपीएस, पॉक्सो, निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट, दहेज मृत्यु, बीमा कानून, भ्रष्टाचार विरोधी कानून जैसे मौजूदा कानून ऐसे कुछ उदाहरण हैं जहाँ सबूत का भार अभियुक्त पर होता है। जब विशेष मुद्दों के समाधान के लिए कोई विशेष कानून होता है , तो कानून को दोषी साबित होने तक निर्दोषता के सामान्य सिद्धांत का पालन करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए विधेयक 2025 आपराधिक न्यायशास्त्र के साथ विरोधाभासी नहीं है।

अग्रिम सूचना देना भारत के संविधान के अनुच्छेद, 20(3) का उल्लंघन नहीं है। जो कोई भी अपना धर्म परिवर्तन करना चाहता है, उसे निर्धारित प्रारूप में पदनाम प्राधिकारी को कम से कम 90 दिन पहले घोषणा प्रस्तुत करनी होगी। इसी तरह, धर्म परिवर्तक और धार्मिक पुजारी जो धर्म परिवर्तन समारोह करते हैं, उन्हें निर्धारित प्रारूप में पदनामित प्राधिकारी को दो महीने की अग्रिम सूचना देनी होगी। जिला मजिस्ट्रेट उपर्युक्त सूचना प्राप्त करने के बाद आपत्तियां मांगने के लिए सार्वजनिक सूचना में ऐसी सूचना प्रकाशित/प्रदर्शित करवाएंगे। आपत्ति के 60 दिनों के बाद, यदि आवश्यक हो, तो आपत्ति के 10 दिनों के भीतर जांच की जाएगी। इस प्रावधान का उल्लंघन एक अवैध कृत्य माना जाता है। धर्म परिवर्तन के बाद, धर्म परिवर्तन के दिन से 72 घंटे के भीतर, धर्मांतरित व्यक्ति को उस जिले के जिला मजिस्ट्रेट को घोषणा प्रस्तुत करना आवश्यक है, जिसमें परिवर्तित व्यक्ति सामान्य रूप से रहता है।व्यक्ति की गोपनीयता की रक्षा के लिए, परिवर्तित होने के बाद, घोषणा, पुष्टिकरण और रजिस्टर से उद्धरण की प्रमाणित प्रतियां केवल उन पक्षों को प्रदान की जाएंगी जिन्होंने घोषणा की थी, इसलिए, यह प्रावधान गोपनीयता के अधिकार को रखता है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा है।

विधेयक 2025 सभी व्यक्तियों को अपने मूल धर्म, यानी पूर्वज /पैतृक धर्म में धर्मांतरण का समान अवसर प्रदान करता है। यह किसी भी दृष्टि से भेदभावपूर्ण नहीं है, क्योंकि यह सभी व्यक्तियों पर लागू होता है। चूंकि इसमें धर्म, जाति, लिंग, निवास स्थान आदि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है, इसलिए यह समानता, तर्कसंगतता और निष्पक्षता की संवैधानिक कसौटी पर खरा उतरता है। इसलिए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सुनवाई का अवसर, सार्वजनिक जांच, जांच में उचित समय, गोपनीयता की सुरक्षा, घोषणा और पुष्टि को ध्यान में रखते हुए विधेयक 2025, भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों में निहित अनुच्छेद 14, 20, 21 और 25 की भावना और अक्षर को कायम रखते हुए, तर्कसंगतता, पारदर्शिता, समानता की संवैधानिक योजना को पारित करता है।

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय

भामाशाह ने बेड़च नदी के पुल की मरम्मत करवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। सरकारी तंत्र और अधिकारियों की निष्क्रियता के बीच समाज के लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर इच्छाशक्ति हो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। बरूंदनी–बड़लियास मार्ग पर बहने वाली बेड़च नदी पर बने पुराने पुल की हालत जर्जर हो चुकी थी। आए दिन इस पुल पर वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनायें सामने आ रही थी। स्थानीय लोगों ने कई बार प्रशासन को पुल की मरम्मत के लिए अवगत करवाया, लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। ऐसे में सिंगोली बरून्दनी क्षेत्र के समाजसेवी और भामाशाह घनश्याम राठी आगे आए और उन्होंने इस समस्या को खुद सुलझाने की ठानी। राठी ने अपने खर्चे से पुल पर बने खड्डों की मरम्मत करवाने का निर्णय लिया। मंगलवार की सुबह वे स्वयं मजदूरों और राजमिस्त्री के साथ मौके पर पहुंचे और मरम्मत कार्य की शुरुआत की। सुबह नौ बजे से दोपहर बारह बजे तक चले इस अभियान में पुल पर बने गहरे खड्डों को सीमेंट–कंक्रीट से भरा गया। राठी खुद मरम्मत कार्य की निगरानी करते रहे और मजदूरों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते रहे।

मरम्मत कार्य को देखकर आसपास के ग्रामीण भी प्रेरित हुए और कई लोगों ने श्रमदान में भाग लिया। इस अवसर पर कोटड़ी के पूर्व प्रधान विजयसिंह के मार्गदर्शन में बड़लियास के पूर्व सरपंच सत्यनारायण काबरा, मयूर मिस्त्री, कालू लाल जायसवाल भी मौके पर पहुंचे और श्रमदान किया। इन्हें देखकर नानूराम गंवारिया, कालू लाल पालीवाल, ओमप्रकाश शर्मा, राजेश जायसवाल, और शंकर खटीक भी आए और पुल की मरम्मत में हाथ बंटाया। तीन घंटे की मेहनत में पुल के सभी प्रमुख खड्डे भर दिए गए और पुल फिर से वाहनों की आवाजाही के लिए सुरक्षित बन गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 9 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र रात्रि 8:03 तक, वज्र योग रात्रि 9:32 तक, वणिज करण दिन 12:39 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:23 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मेष, मंगल–तुला, बुध–तुला, गुरू–मिथुन, शुक्र–सिंह, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–कुम्भ राशि में।

आज यमघट योग रात्रि 8:03 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 12:39 से रात्रि 10:55 तक रहेगी। आज शुक्र कन्या में दिन 10:49 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 2:14 तक, लाभ–अमृत 2:14 से 3:08 तक, शुभ 4:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:02

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

मीन
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

एल.पी.जी. गैस सिलेंडर ब्लास्ट में टैंकर चालक जिंदा जला, कई लोग घायल

जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात ट्रक और टैंकर में भिड़ंत के बाद हुआ था भयावह हादसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले मौजमाबाद थाना इलाके जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात हुए ट्रक और टैंकर में भिडंत से हुए एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट हादसे के बाद बुधवार सुबह तक हालात सामान्य नहीं हो पाए थे। बुधवार सुबह 9 बजे की स्थिति यह थी कि गिदानी से सावरदा तक हाईवे पर करीब दो किलोमीटर तक का लंबा ट्रैफिक जाम रहा है। अजमेर से जयपुर की ओर दूदू से 5 किलोमीटर तक जाम लगा हुआ है। वहीं पुलिस क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर ट्रैफिक सुचारू करने की कोशिश में लगी रही। वहीं फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम भी मौके पर पहुंची और हादसे के साक्ष्य जुटाए। इधर बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने कहा कि भगवान का आशीर्वाद रहा कि यहां कोई बड़ी घटना नहीं हुई। 1-2 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने स्थिति पर काबू पा लिया।

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि हादसे में टैंकर का ड्राइवर रामराज मीणा (35) जिंदा जल गया। जबकि कुछ लोग घायल हैं। झुलसी हुई हालत में चार लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था। वहीं एक घायल सद्दाम को दूदू से भांकरोटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एलपीजी ट्रक के पास खड़ी 5 गाड़ियां भी जल गईं। वहीं मौके पर पहुंचीं दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि टैंकर में भरे केमिकल ने आग नहीं पकडी थी। बुधवार सुबह जब इसे हटाया जा रहा था तभी इसमें से रिसाव शुरू हो गया।

बुधवार सुबह 20 कि.मी. लंबा ट्रैफिक जाम था

यह जाम बुधवार सुबह 7 बजे महला से सावरदा तक करीब 20 किलोमीटर तक लगा हुआ था। इस हादसे के बाद प्रशासन ने रात भर कड़ी मशक्कत की और अधिकांश ट्रैफिक को नासनोदा से मौजमाबाद होते हुए डायवर्ट कर दिया। इसी वजह से 20 किलोमीटर का लंबा जाम अब सिमटकर महज 2 से 5 किलोमीटर का रह गया है। लेकिन यह 2 किलोमीटर का हिस्सा ही इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती भरा रहा।

छह घंटे बाद बहाल हुआ यातायात

जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र सोनी के निर्देश पर सुबह 4:30 बजे हाईवे दोनों ओर से यातायात के लिए खोल दिया गया। हादसा मंगलवार रात करीब 10 बजे के बाद हुआ था, जिसके बाद 6 घंटे तक मार्ग बंद रहा। हादसे के तुरंत बाद एसएमएस अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया। प्लास्टिक सर्जन सहित पूरा स्टाफ इमरजेंसी में तैनात रहा और आईसीयू बेड टेकओवर किए गए। हादसे में जले व्यक्ति का शव देर रात दो बजे प्लास्टिक बैग में मोर्चरी लाया गया।

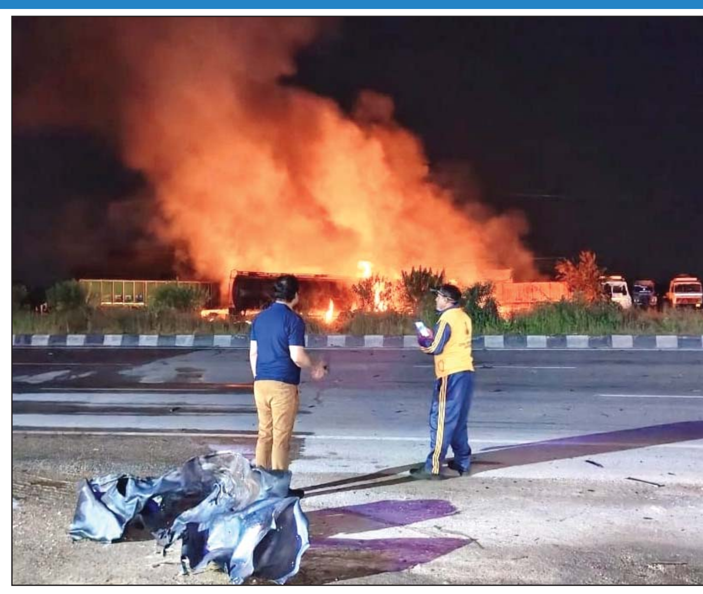

जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात एलपीजी गैस सिलैण्डरों से भरे ट्रक और टैंकर की भिडंत के बाद भयावह हादसा हो गया।

- 12 दकमलों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू
- बुधवार सुबह तक जारी रहा बेंजीन टैंकर कूलिंग ऑपरेशन

सुबह तक चला बेंजीन टैंकर कूलिंग ऑपरेशन

हादसे के करीब 7 घंटे बाद तक केमिकल टैंकर का तापमान कम नहीं हुआ था। इसके चलते सुबह तक उस पर पानी का छिड़काव जारी रहा। आग पर काबू पाने के बाद जले हुए सिलेंडरों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया। मौजमाबाद तहसीलदार सुरेंद्र विश्नोई ने बताया कि टैंकर में बेंजीन केमिकल भरा था,पेट्रो केमिकल के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। टैंकर गुजरात जा रहा था। यह एक रसायन है, जो रंगहीन, ज्वलनशील तरल है और कच्चे तेल और गैसोलीन का प्राकृतिक घटक है। इसका उपयोग विलायक के रूप में, विभिन्न रसायनों, जैसे दवाएं, प्लास्टिक और डिटर्जेंट के उत्पादन में एक प्रारंभिक पदार्थ के रूप में किया जाता है।

टैंकर व ट्रक में टक्कर से हुआ हादसा

यहां पर केमिकल टैंकर और एलपीजी सिलेंडरों से भरा ट्रक टक्कर के बाद जलकर खाक हो गए थे। जहां एक तेज रफ्तार टैंकर ने हाईवे किनारे खड़े एलपीजी ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक में आग लग गई और एलपीजी सिलेंडरों में लगातार धमाके होने लगे। ये धमाके इतने ज़ोरदार थे कि दो सौ मीटर दूर तक सिलेंडर उछलकर गिरे।

तीन दर्जन दमकलें पहुंची आग बुझाने

आग पर काबू पाने के लिए किशनगढ़ (अजमेर), सांभर (जयपुर), फुलेरा (जयपुर), जयपुर शहर और मुहाना (जयपुर) से तीन दर्जन से भी अधिक दमकल की गाड़ियां पहुंची थीं। अग्निशमन अधिकारी, एसडीआरएफ और आरएसी का जाब्ता भी मौके पर तैनात किया गया। साथ ही मेडिकल टीम भी मौके पर मौजूद रही। अब वहां हालात सामान्य हैं। केमिकल से भरे टैंकर को सुरक्षित तरीके से हटाया गया।

एस.एम.एस. अस्पताल छावनी में तब्दील

हादसे में घायलों के इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं । हादसे की सूचना मिलते ही सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से एक्टिव हो गया। एसएमएस थाना पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने मोर्चा संभाला। अस्पताल को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

इमरजेंसी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए गए

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के उप अधीक्षक डॉक्टर जगदीश मोदी ने बताया कि गैस सिलेंडर से भरे ट्रक और ट्रेलर की भिड़ंत के बाद भीषण आग लगने से जयपुर अजमेर हाईवे पर बड़ा हादसा होने की सूचना मिली थी। घायल मरीजों के इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहे। मरीजों की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए एसएमएस अस्पताल अधीक्षक ने इमरजेंसी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए हैं। इसके साथ ही अतिरिक्त नर्सिंग स्टाफ भी लगाया गया है। वहीं एसएमएस अस्पताल की रात्रिकालीन प्रभारी डॉक्टर अरविंद पालावत, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. प्रदीप शर्मा, हेमंत तिवाडी समेत सभी डॉक्टर अस्पताल में मौजूद हैं।

इसके साथ ही प्लास्टिक सर्जिंग यूनिट हेड को भी निर्देशित किया गया है कि वह अपने प्लास्टिक सर्जन वार्ड के बेड खाली करके मरीजों के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करें। ताकि आने वाले मरीजों का इलाज तुरंत प्रभाव से हो सके। इसके अतिरिक्त संबंधित दवाइयों की भी व्यवस्थाएं की गई हैं। मरीजों के लिए आईसीयू में भी अतिरिक्त व्यवस्था की गई है।

इस हादसे में दोनों वाहन ऐसे पिघल गये जैसे, लोहा नहीं प्लास्टिक हो।

पुलिस और एफ.एस.एल. टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने एलपीजी गैस से भरे कुछ सिलैण्डरों को घटना स्थल से दूर रखकर उनकी आग बुझाई।

दिसंबर-2024 में भी ऐसे ही हादसे में 20 से ज्यादा जानें गईं थीं

गौरतलब है कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास दिसंबर 2024 में एलपीजी गैस से भरे टैंकर में ब्लास्ट होने के बाद लगी भीषण आग से 20 लोगों की मौत हो गई थी। यू टर्न लेते समय एक ट्रक ने टैंकर को टक्कर मार दी थी। नोजल टूटने से गैस लीक होने के कारण उस समय तेज धमाके के साथ आग लग गई थी।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की देखभाल व शिक्षा के लिए एम.ओ.यू.

निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए बुधवार को गैर सरकारी संस्थाओं के साथ तीन एमओयू किए गए।

जयपुर । निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए बुधवार को गैर सरकारी संस्थाओं के साथ तीन एमओयू किए गए।

आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित भामाशाह योजना के तहत विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन व मानिटरिंग हेतु 3 गैर सरकारी संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इन एमओयू के तहत आईसीडीएस द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल वं शिक्षा(ईसीसीई) कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ करने की कार्य योजना है।

आईसीडीएस निदेशक ने तीनों एमओयू के तहत होने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि रॉकेट लर्निंग संस्था द्वारा 3 से 6 वर्ष के बच्चों के अभिभावको व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का डिजिटल मीडिया समूह के माध्यम से डिजिटल ईसीसीई गतिविधियां भिजवाने के साथ-साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को खेल आधारित शिक्षण, शिक्षण प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बारां जिले में सैसमे वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का क्षमता वर्धन एवं वाश कार्यक्रम के अंतर्गत सहयोग प्रदान करेंगे व बारां जिले की चिन्हित 500 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को शाला पूर्व किट भी उपलब्ध कराएंगे। बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रन) द्वारा राजसमंद, पाली और जोधपुर जिले की चिन्हित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित करने, नियमित ईसीसीई गतिविधियों के संचालन तथा पंजीकृत बच्चों की माताओ के समूह बनाकर स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में कार्य किया जाएगा।

लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण पर वैश्विक संवाद

जयपुर । बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के 68वें वार्षिक सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ।

इस वैश्विक आयोजन में लोकतंत्र, संवाद और साझा मूल्यों के माध्यम से समावेशी एवं सतत विकास को लेकर व्यापक चर्चा की जा रही है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विश्वभर के अनेक देशों एवं राज्यों के संसदीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। भारत से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित कई राज्यों के विधानसभाओं के अध्यक्षों ने सक्रिय भागीदारी की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सम्मेलन को 'प्रेरणादायक अनुभव' बताया। उन्होंने कहा कि, "68वें कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन में भागीदारी करना एक गर्व का विषय है। इस मंच पर लोकतांत्रिक मूल्यों के आदान-प्रदान से एक अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी वैश्विक समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक पहल होगी।" देवनानी ने यह भी कहा कि भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, उसकी मजबूत संसदीय परंपरा और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता इस मंच पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की सक्रिय उपस्थिति, भारत की वैश्विक भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करती है। इस वर्ष सम्मेलन का केंद्रीय विषय 'कॉमनवेल्थः एक वैश्विक साझेदार' रखा गया है, जिसमें संसदीय संवाद, सहयोग, और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन पर विशेष बल दिया गया। सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु संयुक्त प्रयासों की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।

डॉ. रूमादेवी ने किया सुमंगल-दीपावली मेले का भ्रमण

जयपुर । सुमंगल-दीपावली मेला-2025 में बुधवार को प्रसिद्ध लोककला विशेषज्ञ डॉ. रूमादेवी ने मेले का भ्रमण किया और राजीविका की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा प्रदर्शित कलाकृतियों की सराहना की।

उन्होंने महिला कलाकारों के कौशल, नवाचार और पारंपरिक कला को एक साथ प्रस्तुत करने के प्रयास को अत्यंत सराहनीय बताया और कहा कि इस प्रकार के मंच ग्रामीण महिला कलाकारों को पहचान और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करते हैं। मेले में विदेशी आगंतुकों ने भी भ्रमण किया और राजीविका की महिला सदस्यों द्वारा प्रदर्शित हस्तशिल्प उत्पादों एवं स्थानीय व्यंजनों में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के कौशल, उत्पादों की गुणवत्ता एवं पारंपरिक कला की विविधता की प्रशंसा की और भारतीय संस्कृति को नज़दीक से समझने में गहरी रुचि व्यक्त की।

ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा आयोजित सुमंगल-दीपावली मेला-2025 में आज पारंपरिक लोक कला और चित्रकला को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसने आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मेले में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों द्वारा निर्मित चित्रकला का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसमें जयपुर की मंडला आर्ट, प्रतापगढ़ की मंडना कला, अजमेर की बनी ठनी एवं पिचवाई पेंटिंग, तथा जयपुर की हैंड पेंटिंग प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गईं।

इन चित्रकलाओं में ग्रामीण परंपरा, कलात्मकता और सूक्ष्मता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। राजीविका की महिला कलाकारों द्वारा की गई बारीक नक्काशी और कलात्मक शिल्प को मेले में आए विशिष्ट अतिथियों और आगंतुकों ने सराहा। आगंतुकों ने इन चित्रों में निहित पारंपरिक सौंदर्य, रंगों का संयोजन तथा रचनात्मकता की खुले शब्दों में प्रशंसा की।यह प्रदर्शनी न केवल ग्रामीण कला को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है, बल्कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सृजनशीलता एवं आत्मनिर्भरता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

भीलवाड़ा में पूर्व सी.एम. शिवचरण माथुर और सुशीला देवी की मूर्ति का अनावरण

स्व. शिवचरण माथुर का राजनीतिक जीवन पूरी तरह जनसेवा को समर्पित रहा : सचिन पायलट

भीलवाड़ा,(निसं)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं असम के राज्यपाल रहे स्व. शिवचरण माथुर और उनकी धर्मपत्नी स्व. सुशीला देवी माथुर की मूर्तियों अनावरण का बुधवार को महिला आश्रम, पथिक नगर कैंपस में किया गया। कार्यक्रम में ए.आई.सी.सी. महासचिव सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री एमएम पल्लम राजू, एआईसीसी मीडिया डिपार्टमेंट चेयरमैन पवन खेड़ा, पूर्व मंत्री बी.डी.कल्ला, पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, शिवचरण माथुरजी की पुत्री वंदना माथुर, पीसीसी सचिव विभा माथुर और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सचिन पायलट ने कहा कि मैं सबसे पहले जन्मशताब्दी पर माथुर साहब को श्रद्धांजलि देता हूं। आज इस संस्था की शुरुआत करने के लिए आप सब यहां मौजूद हैं। माथुर साहब की आपने जीवनी देखी मैं इतना कहना चाहूंगा जो लोग आज राजनीति में हैं, शासन करते हैं, वो देखे जब माथुर साहब का कार्यकाल रहा, उन्होंने यह बात स्थापित करी संस्कार के साथ पढ़ाई-लिखाई के साथ सोच विचार के साथ जनता की भलाई के लिए योजनाएं और परियोजना लाते हैं। उससे बहुत लंबे समय तक जनता को लाभ मिलता है। उस प्रकार के संस्कार उस प्रकार की सोच और पढ़ने-लिखने वाले लोग जब शासन को संभालेंगे तभी देश और प्रदेश का भाग्य बदलेगा। सचिन पायलट ने उन्हें नारी शिक्षा और सशक्तिकरण की अग्रदूत बताते हुए कहा कि उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और स्वावलंबन की दिशा में जो पहल की, वह आज भी समाज के विकास में मार्गदर्शक बनी हुई है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं असम के राज्यपाल रहे स्व. शिवचरण माथुर और उनकी धर्मपत्नी स्व. सुशीला देवी माथुर की मूर्तियों का अनावरण किया। उन्होंने स्व. माथुर की जीवनी पर तैयार पुस्तिका का भी विमोचन किया।

- सचिन पायलट ने कहा "स्व.शिवचरण माथुर नारी शिक्षा और सशक्तिकरण की अग्रदूत थे। उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणादायक हैं।"

पायलट ने कहा कि शिवचरण माथुर का राजनीतिक जीवन पूरी तरह जनसेवा को समर्पित रहा। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बताया कि प्रदेश एवं भीलवाड़ा जिले के विकास में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। भीलवाड़ा डेयरी की स्थापना, वस्त्र नगरी का विकास, मांडलगढ़ में बांधों का तंत्र, रेलवे योजनाएँ और अनेक लोककल्याणकारी कार्य उनके दूरदर्शी नेतृत्व के उदाहरण हैं। जनता आज भी उन्हें उनके सरल स्वभाव और ज़मीनी जुड़ाव के लिए याद करती है। भीलवाड़ा के बाद मांडलगढ़ में शिवचरण माथुर विकास एवं सेवा संस्थान, मांडलगढ़ कार्यालय के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।

राजस्थान शिक्षा विभाग के नवाचारों को मिली राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

जयपुर । केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित वित्त वर्ष 2025-26 की द्वितीय समीक्षा बैठक में राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा किए गए नवाचारों और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की सराहना की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता सचिव संजय कुमार ने की। राजस्थान की ओर से बैठक में शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल तथा राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने भाग लिया। कुणाल ने राज्य की शिक्षा योजनाओं, कार्यक्रमों और नवाचारों की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।

राजस्थान के प्रतिनिधित्व के दौरान समग्र शिक्षा, स्टार्स परियोजना, पीएम श्री स्कूल, विकसित भारत बिल्डाथॉन, पीएम पोषण, डिजिटल एजुकेशन, परख, निपुण भारत, उल्लास, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, एसएमसी तथा 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' जैसे अभियानों की प्रगति, उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी गई। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा जमीनी स्तर पर की जा रही इन पहलों के क्रियान्वयन, विद्यार्थियों तक उनके प्रभाव और सतत प्रयासों को लेकर केंद्रीय मंत्रालय ने विशेष प्रशंसा व्यक्त की।

बैठक में देशभर के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा सचिवों और राज्य परियोजना निदेशकों ने भाग लिया और अपने-अपने राज्यों की शिक्षा योजनाओं व अनुभवों को साझा किया। राजस्थान शिक्षा विभाग की ओर से प्रस्तुत किए गए नवाचार अब अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बन रहे हैं। बैठक के दौरान विभिन्न प्रतिनिधियों ने इन पहलों में रुचि दिखाई और कई योजनाओं को अपने राज्यों में लागू करने की इच्छा भी जताई।

गहलोत और डोटासरा ने पेपर लीक और भर्ती घोटाले से राजस्थान को गर्त में पहुंचाया था : मदन राठौड़

- कांग्रेस की राजनीति सस्ती बयानबाज़ी और खोखले नारों तक सिमटी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष
- मदन राठौड़ ने कटाक्ष करते हुए कहा कि "कांग्रेस में जिलाध्यक्ष चयन से अभिनव प्रयोग नहीं, बल्कि पार्टी की अंदरुनी खींचतान उजागर हो रही है"

जयपुर (कासं) । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए अनर्गल बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

कांग्रेस की राजनीति सस्ती बयानबाज़ी और खोखले नारों तक सिमट कर रह गई है। राठौड़ ने कहा कि गोविंद डोटासरा द्वारा जयपुर-अजमेर हाईवे हादसे और एसएमएस अस्पताल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर दिया गया बयान पूरी तरह राजनीतिक स्वार्थ और झूठे दावों से प्रेरित है। कांग्रेस खुद उस शासन का हिस्सा रही है जिसने पेपर लीक, भर्ती घोटाले और प्रशासनिक लापरवाही से प्रदेश को गर्त में पहुंचाया था। कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब न मुआवज़ा दिया, न दोषियों पर कोई कार्रवाई की। आज भाजपा सरकार त्वरित कार्रवाई कर रही है, उच्चस्तरीय जांच करवा रही है और पीड़ितों को न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राठौडड़ े कहा कि कांग्रेस का यह कहना कि सबूत मिटा दो, खानापूर्ति कर दो, आरोप नहीं, प्रोपेगेंडा है। अगर डोटासरा के पास कोई ठोस सबूत हैं, तो वे सार्वजनिक करें।

राजनीति की जगह समाधान सुझाएं,अगर वास्तव में संवेदनशील हैं तो ? राठौड़ ने बिहार चुनाव और राहुल गांधी की यात्रा को लेकर अशोक गहलोत के बयानों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं की यह आत्ममुग्धता और भ्रम से भरी बयानबाज़ी अब अप्रासंगिक हो चुकी है। अगर राहुल गांधी की यात्राओं का इतना असर होता, तो कांग्रेस एक के बाद एक राज्य क्यों हारती जा रही है? बिहार में भाजपा और एनडीए की पकड़ मजबूत है और कांग्रेस को वहां भी जनता पूरी तरह नकार चुकी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर बेबुनियादी आरोप लगाना सिर्फ नकारात्मकता फैलाने के हथकंडे हैं, जिनका लोकतंत्र से कोई लेना-देना नहीं। गहलोत जिलाध्यक्ष चयन को अभिनव प्रयोग बता रहे है, जबकि इनकी पार्टी में जमकर अंदरुनी खींचतान चल रही है।

कांग्रेस में लोकतंत्र नहीं, गुटबाजी का संतुलन साधने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस की यह कवायद अवसरवादी नियुक्तियों और गांधी परिवार को खुश करने तक सीमित है। न पारदर्शिता है, न कोई जवाबदेही तय है।

गहलोत का यह दावा कि देश को जोड़ने की ताकत केवल कांग्रेस में है, पूरी तरह तथ्यों से परे और विडंबनापूर्ण है। सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने दशकों तक जातिवाद, तुष्टिकरण और क्षेत्रवाद के ज़रिए देश को बांटने का काम किया। भाजपा की "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की नीति ने जम्मू-कश्मीर से लेकर नॉर्थ ईस्ट तक एकता और विकास का नया रास्ता खोला है।

राज्य सरकार ने ओपीजेएस यूनिवर्सिटी चूरू में नये प्रवेशों पर प्रतिबंध लगाया

फर्जी डिग्रियों और शैक्षणिक फर्जीवाड़े पर सख्त कार्रवाई की शुरुआत

- **यूजीसी ने पहले ही ओपीजेएस सहित झुंझुनूं की जेजेटी यूनिवर्सिटी, अलवर की सनराइज यूनिवर्सिटी व अन्य को पीएचडी प्रवेश पर प्रतिबंधित किया था**
- **प्रतिबंधों के कारण हजारों छात्र असमंजस में हैं, कई विद्यार्थियों ने पहले से प्रवेश लिया हुआ है, और अब उनकी डिग्रियों की वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं**

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में चल रहे कथित फर्जीवाड़े और अनियमितताओं पर सरकार ने अब बड़ा कदम उठाया है। राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने तीन अक्टूबर को जारी आदेश में झुंझुनूं-चूरू बॉर्डर पर स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी अर्थात ओमप्रकाश जोगेंद्रसिंह विश्वविद्यालय चूरु में नए प्रवेशों पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश में विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्रियों, शोध पंजीकरण और अध्यापन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं की जांच के भी निर्देश दिए गए हैं।

फर्जी डिग्रियों और शैक्षणिक अनियमितताओं का जाल :- पिछले कुछ वर्षों में राज्य के कई निजी विश्वविद्यालयों पर कागजों पर पढ़ाई, बिना पढ़ाई/बैक डेट डिग्री वितरण और फर्जी शोध प्रमाणपत्रों के आरोप लगते रहे हैं। कई मामलों में ऐसे भी प्रकरण सामने आए हैं, जहां बिना कक्षाओं के संचालन, बिना शोध पर्यवेक्षण और बिना विवेचना समिति की अनुमति के पीएचडी डिग्रियां जारी की गई। उच्च शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के खिलाफ प्राप्त शिकायतों में बिना मान्यता वाले कोर्सों में प्रवेश और फर्जी डिग्रियां जारी करना, बाहरी परीक्षाओं के माध्यम से शोध डिग्री जारी करना और छात्रों से फर्जीवाड़े के माध्यम से वसूली जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

यूजीसी पहले ही दिखा चुका है सख्ती :-इससे पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 2025 में ओपीजेएस सहित राजस्थान की चार निजी विश्वविद्यालयों श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला यूनिवर्सिटी चुड़ैला झुंझुनूं, सनराइज यूनिवर्सिटी अलवर, सिंघानिया यूनिवर्सिटी झुंझुनूं पर पांच वर्षों (2025-2030) तक पीएचडी प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूजीसी की जांच समिति ने इन विश्वविद्यालयों के शोध कार्यक्रमों में गंभीर शैक्षणिक उल्लंघन, नकली पर्यवेक्षण, और नियम विहीन प्रवेश प्रक्रिया को चिह्नित किया था।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति केवल संस्थागत विफलता नहीं बल्कि उच्च शिक्षा की आत्मा पर गहरा प्रहार है। राजस्थान में बीते वर्षों में कई ऐसे विश्वविद्यालयों के नाम सामने आए, जिनका ध्यान डिग्री बेचने की दिशा में अधिक रहा, न कि शोध और ज्ञान निर्माण की ओर। शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. सागर कछावा का कहना है कि फर्जी डिग्रियां और अनियमित शोध न केवल शिक्षा की गरिमा को नष्ट करते हैं बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी कमजोर करते हैं। अब समय आ गया है कि राज्य सरकार शिक्षा को व्यवसायिक दृष्टिकोण से बाहर निकालकर उसे सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में पुनर्स्थापित करे।

छात्रों के भविष्य पर प्रभाव :- इन प्रतिबंधों के कारण हजारों छात्र असमंजस में हैं। कई विद्यार्थियों ने पहले से प्रवेश लिया हुआ है, और अब उनकी डिग्रियों की वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यूजीसी और उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने ऐसे छात्रों को सलाह दी है कि वे प्रवेश से पहले विश्वविद्यालयों की मान्यता और मानक की स्थिति की आधिकारिक जांच अवश्य करें, ताकि भविष्य में रोजगार या उच्च शिक्षा में कठिनाई न हो।

राजस्थान सरकार का यह कदम शिक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता बहाल करने की दिशा में एक निर्णायक शुरुआत माना जा रहा है। सरकार अब ऐसे सभी विश्वविद्यालयों की आंतरिक समीक्षा, वित्तीय लेखा-परीक्षा और शोध मानक मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी के अनुसार हमारा उद्देश्य किसी संस्था को बंद करना नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा के असली मापदंडों की ओर वापस लाना है। ताकि शिक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल हो सके।

आगे का रास्ता :-अब नजर इस बात पर है कि प्रतिबंधित विश्वविद्यालय अपनी साख बहाल करने के लिए कौन से सुधारात्मक कदम उठाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन संस्थानों में यूजीसी मानकों के अनुरूप शोध प्रणाली, प्रवेश में पारदर्शिता, स्थाई तथा योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और नियमित अकादमिक ऑडिट लागू किए जाते हैं, तो यह शिक्षा जगत के लिए एक नई शुरुआत साबित हो सकती है। राजस्थान सरकार की यह सख्ती केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णायक कदम है। फर्जी डिग्रियों, नकली शोध और शिक्षा के व्यवसायीकरण की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाकर सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि शिक्षा अब कमाई का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और नैतिकता का माध्यम होगी।

लेपर्ड की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत

करौली, (निसं.) करौली-कैला देवी मार्ग पर स्थित मामचारी गांव और उसके आसपास के क्षेत्र में एक लेपर्ड और उसके शावकों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रात में अकेले बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस को दी है, जिसके बाद वन विभाग ने क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मामचारी क्षेत्र में लेपर्ड और उसके शावकों को देखा जा रहा है। उनकी उपस्थिति से क्षेत्र के निवासी गहरे भय में हैं। खासकर शाम ढलने के बाद और रात के समय ग्रामीण घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह लेपर्ड और उसके बच्चे लगातार खेतों और आबादी वाले इलाकों के करीब नजर आ रहे हैं, जिससे उनके जान-माल का खतरा बढ़ गया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस को पूरे मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय हो गए हैं। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के खतरे से बचने के लिए सतर्क रहें और अकेले घर से बाहर न निकलें। इसके साथ ही लेपर्ड के मूवमेंट को ट्रैक करने और उसकी सही स्थिति का पता लगाने के लिए वन कर्मियों ने मामचारी गांव के आसपास के कई संभावित स्थानों पर ट्रैप कैमरे भी लगाए हैं। इन कैमरों की मदद से लेपर्ड के व्यवहार और क्षेत्र की जानकारी जुटाकर उसे आबादी से दूर भेजने या नियंत्रित करने की आगामी रणनीति बनाई जाएगी।

बागोड़ा पुलिस थाना के एएसआई पचास हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

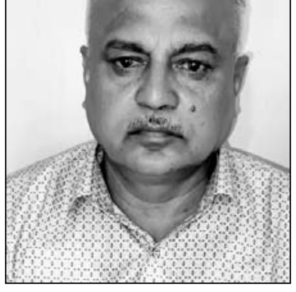
आरोपी एएसआई।

- **एएसआई द्वारा 35 हजार रूपये पूर्व में प्राप्त कर 65 हजार रूपये और मांग कर परेशान किया जा रहा था**
- **एएसआई ने परिवादी के रिश्तेदार के विरूद्ध प्रकरण में आरोपी द्वारा दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने एवं प्रकरण में मदद करने की एवज में रिश्वत मांगी**

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. जालोर इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुये बागोड़ा पुलिस थाना के सहायक पुलिस निरीक्षक कल्याण सिंह को पचास हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए. सी.बी. जालोर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी से आरोपी कल्याण सिंह सहायक उप निरीक्षक पुलिस थाना बागोड़ा जिला जालोर द्वारा परिवादी के रिश्तेदार के विरूद्ध प्रकरण में आरोपी द्वारा दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने एवं प्रकरण में मदद करने की एवज में 35 हजार रूपये पूर्व में प्राप्त कर 65 हजार रूपये रिश्वत राशि की और मांग कर परेशान किया जा रहा है, जिस पर जोधपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने बुधवार को मय टीम के ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी एएसआई पुलिस थाना बागोड़ा कल्याण सिंह द्वारा दौराने ट्रेप कार्रवाई परिवादी से पचास हजार रूपये रिश्वत राशि मांग कर प्राप्त करते हुये रूबरू स्वतंत्र गवाह के रंगे हाथों गिरफतार कर रिश्वत राशि पचास हजार रूपये बरामद किये गये। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एसीबी टीम ने आरोपी एएसआई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही थाने में संबंधित प्रकरणों की फाइलें, दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड जब्त कर लिए गए हैं। टीम यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने इसी तरह अन्य मामलों में भी अवैध वसूली की है।

हाइवे पर ट्रक में कार घुसी, तीन श्रद्धालुओं की मौत

- **पांचों युवक टैक्सी से श्रीगंगानगर में चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार तीन श्रद्धालुओं ने मौके पर दम तोड़ दिया। दो गंभीर रूप से घायल हैं। शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गए थे। टैक्सी काटकर तीनों बॉडी को बाहर निकाला गया।

हादसा श्रीगंगानगर जिले के जैतसर में सूरतगढ़-अनूपगढ़ स्टेट हाइवे-94 पर गांव 5 जीबी पुलिया के पास हुआ। घायलों को एम्बुलेंस से श्रीगंगानगर के जिला हॉस्पिटल भेजा गया। बताया जा रहा है कि ट्रक अनूपगढ़ से सूरतगढ़ की तरफ जा रहा था। कार में पांच युवक सवार थे। पांचों युवक टैक्सी से श्रीगंगानगर में चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे। सूचना के बाद जैतसर पुलिस ने मौके से दोनों गाड़ियों को सड़क से साइड में करवाकर हाइवे पर यातायात शुरू करवाया। मृतकों की पहचान सुरेंद्र (20) पुत्र पप्पूराम, नरेश कुमार (20) पुत्र बुधराम, कालूराम (18) के रूप में हुई है। तीनों अनूपगढ़ के रहने वाले थे। सुखदेव (19) पुत्र श्रवण राम और जगदीश कुमार (28) पुत्र मुन्नीराम गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जगदीश गाड़ी चला रहा था। सुखदेव प्लम्बर का काम करता है। कालूराम और नरेश चचेरे भाई थे सभी अविवाहित थे।

कार-बाइक की टक्कर में एक की मौत

बरौनी थानान्तर्गत बरौनी-शिवाड़ सड़क मार्ग पर हुआ हादसा

निवाई, (निसं)। बरौनी थानान्तर्गत बरौनी-शिवाड़ सड़क मार्ग पर एक कार ने आगे चल रही मोटरसाइकिल के पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर मृतक के पास एक मोबाइल मिला है। थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे मोबाइल से सूचना मिली कि बरौनी शिवाड़ रोड पर गांव नाहरवाडी मोड़ के पास एक कार ने मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी जिससे बाइक चालक घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बाइक चालक को एंबुलेंस की सहायता से उप जिला अस्पताल निवाई में उपचार के लिए भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के पास से मिले मोबाइल की सिम मनराज मीणा पुत्र मोरपाल मीणा निवासी जैतपुरा थाना मित्रपुरा के नाम है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने बस पर हमला कर यात्रियों से डकैती का प्रयास किया

बस में सवार यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद बदमाश भाग निकले

- **बस रुकते ही बदमाश लाठियां और तलवारें लेकर कार से बाहर निकले और यात्रियों को डराया**
- **बदमाशों की कार और कुछ संदिग्धों का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है**

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में बदमाशों के हौसले एक बार फिर हौंसले बुलंद नजर आए। दोवड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में एक ट्रेवल्स बस को रोककर यात्रियों से डकैती का प्रयास किया। घटना के दौरान बस में सवार यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद बदमाश मौके से भाग निकले। पूरी वारदात का एक वीडियो भी सामने आया है।

घटनाक्रम के अनुसार बस चालक देवकुमार मीणा रोजाना डूंगरपुर से इंदौर के बीच ट्रेवल्स बस चलाते हैं। मंगलवार शाम बस डूंगरपुर से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। रात के समय जब बस डूंगरपुर-आसपुर मार्ग पर पुनाली घाटा पहुंची, तब एक इको कार में सवार 7-8 हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में बस को ओवरटेक कर आगे रोक लिया। बस रुकते ही बदमाश लाठियां और तलवारें लेकर कार से बाहर निकले और यात्रियों को डराने लगे।

इस दौरान चालक ने तत्काल केबिन की लाइट जला दी। यात्रियों के चिल्लाने और हंगामा करने पर बदमाश घबरा गए और अपनी गाड़ी में बैठकर भाग निकले। ड्राइवर देवकुमार मीणा ने बताया कि बदमाश लूटपाट और तोड़फोड़ की नीयत से आए थे, लेकिन बस में स्थानीय यात्री सवार होने और उनके विरोध करने से वारदात टल गई। घटना की जानकारी तुरंत बस मालिक और दोवडा थाना पुलिस को दी गई। बस चालक ने बताया कि उसने बदमाशों की कार और कुछ संदिग्धों का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है, जिसे पुलिस को सौंप दिया गया है। फिलहाल दोवड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में सर्च अभियान चला रही है।

फर्जी आरटीओ बनकर अवैध वसूली करते एक को पकड़ा, पांच जने फरार

परिवहन विभाग के उप परिवहन निरीक्षक रोबिन सिंह ने फर्जी परिवहन विभाग अधिकारी बनकर अवैध वसूली करने के मामले में एक को पकड़कर पूछताछ की।

- **आरोपी रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर वाहनों चालकों से प्रति वाहन 300 रूपये की अवैध वसूली कर रहे थे**

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गांव लसेड़ी के पास फर्जी परिवहन विभाग अधिकारी बनकर अवैध वसूली करने के मामले में परिवहन विभाग के उप परिवहन निरीक्षक रोबिन सिंह ने फर्जी मामले का पर्दाफाश करते हुए बुधवार को कपिल सवालिया नामक एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है, जबकि पांच अन्य आरोपी फरार होने में सफल हो गए।

जानकारी के अनुसार आरोपी रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर वाहनों चालकों से प्रति वाहन 300 रूपये की अवैध वसूली कर रहे थे तथा नकली रसीदें काटकर गत एक सप्ताह में 1000 से ज्यादा वाहनों चालकों से ठगी की है। परिवहन उप निरीक्षक रोबिन सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर परिवहन विभाग के नाम से अवैध वसूली और फर्जी रसीद काटने का मामला गत 7-8 दिनों से चल रहा था। उन्होंने बताया जांच के दौरान फर्जी रसीद भी बरामद की गई है। परिवहन उपनिरीक्षक रोबिन सिंह ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा परिवहन विभाग के अधिकारी बनकर चालकों से रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर 300 की वसूली की जा रही थी। सूचना मिलने पर बाईपास पर जांच के लिए एक वाहन चालक को रोककर पूछताछ की तो चालक ने बताया कि कुछ देर पहले ही कुछ लोगों ने खुद को परिवहन विभाग का कर्मचारी बताते हुए 300 की रसीद काटी और उसे एक रिफ्लेक्टर टेप दिया। जब टीम ने वह रसीद और रिफ्लेक्टर टेप देखा, तो यह स्पष्ट हो गया कि यह पूरी तरह से फर्जी है और कोई निजी गिरोह चालकों से जबरन वसूली कर रहा है।

उन्होंने बताया कि लसेडी टोल के पास छानबीन की, जहां छह लोगों का एक समूह सक्रिय पाया गया। वाहन चालकों को रोककर उनसे जबरदस्ती पैसे वसूल रहे थे और बदले में घटिया गुणवत्ता की रिफ्लेक्टर टेप देकर रवाना कर रहे थे। पूछताछ के दौरान आरोपी कपिल सवालिया नामक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस को सौंपा है तथा आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पिछले 7-8 दिनों से इस काम में शामिल है तथा घटिया रिफ्लेक्टर टेप को काम में लिया जा रहा था। चालकों को लगे कि यह सरकारी जांच है। उन्होंने बताया की परिवहन विभाग ने पूरे मामले को गंभीर आर्थिक अपराध व सरकारी नाम के दुरुपयोग के तहत लेते हुए संबंधित गिरोह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश जारी किए हैं।

सुजान गंगा नहर में एक व्यक्ति का शव मिला

भरतपुर, (निसं)। सुजान गंगा नहर में एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ टीम के सहयोग से सबको बाहर निकलवाया और आरबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त करने पर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

राम सिंह ने बताया कि मेरा भाई गंगाराम (52) निवासी पथेना गांव थाना भुसावर 4 दिन पहले घर निकला था। वह भरतपुर में एक बैंड वाले के यहां काम करता था। वह घर से कहकर निकला था कि वह बैंड वाले से पैसे लेने जा रहा है। तब से वह घर नहीं लौटा। गंगाराम के जबडे में कैंसर था। उसका 15 दिन पहले ही ऑपरेशन हुआ था। गंगाराम को डॉक्टर ने फिर से ट्रीटमेंट के लिए बुलाया था, लेकिन वह डॉक्टर को दिखाने के लिए नहीं गया। गंगाराम की शादी भी नहीं हुई थी। गंगाराम जब घर नहीं लौटा तो, परिजनों ने स्थानीय थाने में उसके गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस को दी थी। बुधवार को उसका शव सुजान गंगा नहर में मिला तो गंगाराम के परिजनों से संपर्क किया और शव की शिनाख्त की गई।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय में फर्नीचर आपूर्ति मय स्थापना हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2526GLOB00043 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/11685 — वित्त नियंत्रक

RAJASTHAN SAMWAD
Department of Information and Public Relations, Government Secretariat, Jaipur-302005
(Telephone & Fax No. 0141- 2227325, E-mail id :- rajasthansamwad2002@gmail.com)

NOTICE INVITING BIDS
NIB No. 80 Date : 08/10/2025

Bids for Supply of **Desktop Computer, All in One Computer, Multi Functional Printer, Printer, Scanner & Tablet etc for Head Office & Subordinate District Offices** are from interested bidders up to 06:00 PM Dated 29/10/2025. The approximate value of the Procurement is Rs. 1.50 Crore. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://sppp.raj.nic.in**) of the state; and **https://dipr.rajasthan.gov.in/**.

UBN : IPR2526GLRC00021 — Managing Director, Rajasthan Samwad, Jaipur
Raj.Samwad/C/25/11734

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 1033 — दिनांक :- 07/10/2025

निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान आवासन मण्डल की ए.आई.एस. रेजीडेंसी (फेज-द्वितीय), सेक्टर-17, प्रताप नगर, जयपुर आवासीय योजना के अन्तर्गत सी.सी.टी.वी. उपलब्ध करवाने एवं लगवाने के कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 08.10.2025 से 24.10. 2025 को सायं 6.00 बजे तक राजस्थान सरकार के पोर्टल (http://epoc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) व मण्डल की वेबसाईट http://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

यू.बी.एन. न.:- RHB2526WSOB00228

राज.संवाद/सी/25/11731 — आवासीय अभियंता, खण्ड-पंचम, जयपुर

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः– 18165186 — दिनांकः– 07.10.2025

–:: निविदा सूचना ::–

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं: नप0बू0/निर्माण/2025–26/7020 दिनांक 26/09/2025 की निविदा दिनांक 07/10/2025 से दिनांक 16/10/2025 18.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 17/10/2025 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 17/10/2025 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB20723 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/11627 — आयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

राजस्थान सरकार
कार्यालय चिकित्सा अधीक्षक, प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.)
सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

क्रमांक-ए.जी.एच./लेखा (क्रय)/2025/31292 — दिनांक-27.09.2025

अल्पकालीन ई-बोली आमंत्रण सूचना (Stt. E-NIB NO. 17/2025-26)

प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.) सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर के रक्तकोष विभाग में काम आने वाले टेस्ट किट्स रिजेन्ट्स, एन्टीसेरा व कन्ज्यूमेबल के क्रय हेतु आमंत्रित निविदा (दोहरी बिड पद्धति) में इच्छुक बोलीदाता दिनांक 04.10.2025 से 13.10.2025 सायं 05.00 बजे तक निविदा डाउनलोड/अपलोड कर सकते है। बोली आमंत्रण सूचना की महत्वपूर्ण शर्ते व पूर्ण विवरण "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "http://sppp.rajasthan.gov.in" पर देखी जा सकती है। ई-बोली की अनुमानित लागत 300 लाख है।

UBN NO. MCB2526GLRC00167

DIPR/C/14617/2025 — चिकित्सा अधीक्षक, प्रिंस बिजय सिंह मोमोरियल (पी.बी.एम.), सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/राजकाज 18129514 — दिनांक :- 04/10/2025

अल्पकालीन ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 19/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरण :– WAQ2526WLOB00239 — अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम, भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
राज.संवाद/सी/25/11662

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा
Email : nnksouth@gmail.com, Website : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको(द.)/उद्यान/2025/9548 - 57 — दिनांक :- 08/10/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री क्रय किये जाने हेतु खेल सामग्री के मूल/विक्रेता/निर्माताओं एवं आपूर्तिकर्ता से ई–निविदा पद्धति द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का प्रकार कार्य की अनुमानित राशि 1,38,00,000/– (अक्षरे एक करोड़ अडतीस लाख रूपये) है। निविदा आमंत्रित की दिनांक 09.10.2025 से 15.10.2025 तक प्राप्त करने एवं अन्य शर्ते नगर निगम कोटा की वेबसाईट www.kotamc.org, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. – DLB2526WSRC21010 — उपायुक्त प्रथम, नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/11713

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :– 0151–2226906, फोन :– 0151–2226902, 0151–2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025–26/16829 — दिनांक 03.10.2025

ई– निविदा–सूचना सं0 125/2025–26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 36.17 लाख
UBN Number DLB2526WSOB20524

राज.संवाद/सी/25/11693 — आयुक्त, नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मोहनगढ़
नई अनाज मण्डी, सुथार वाला रोड़, ग्राम मोहनगढ़ जिला जैसलमेर
E-Mail id : kums.mohangarh@rajasthan.gov.in Website - http://www.rsamb.rajasthan.gov.in/

Notice Inviting Bid (NIB 02/2025-26)

E-Bids are invited from manufacturers/ directimporters/ Authorized Dealer upto 06.00P.M. of 16.10.2025 for procurement of IT EQUIPMENTS on Tender on behalf of office of the Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh or State Public Procurement Portal website **sppp.raj.nic.in** or **https://eproc.rajasthan.gov.in** or website **https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam**. The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/-(1000+18% GST) through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh, payable at Mohangarh Details of bid are following: -

Sr. No.	Bid Title	NIB No.	UBN No.	Est. Cost
1	IT EQUIPMENTS	DAM2526A0486	DAM2526GLOB00877	11.00 Lac

Raj.Samwad/C/25/11696 — Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti Mohangarh

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील–लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान)
फोन नं. 0145–2429971, 2429920

क्रमांक :–MEW/2025-26/1290 — दिनांकः– 06.10.2025

:: ई–निविदा सूचना संख्या 37/2025–26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 56.89 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 07.10.25 से 16.10.25 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 17.10.25 को 10.30 AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

Nib Code :-ANN2526A0124
UBN NO. ANN2526WSOB00164, ANN2526WSOB00165

राज.संवाद/सी/25/11697 — अधिशाषी अभियन्ता, नगर निगम अजमेर

10 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले 9 बदमाश गिरफ्तार

राजस्थान सहित 6 राज्यों में काफी वारदातों को अंजाम दे चुका है यह शातिर गिरोह

जयपुर । साइबर सेल जयपुर दक्षिण,पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए राजस्थान सहित छह राज्यों में दस करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले नौ ठगों को गिरफ्तार किया है। जो पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना इलाके में स्थित दो होटलों में छिपे बैठे थे।

पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ऑनलाइन गेम्स, सट्टा व शेयर मार्केट में इन्वेस्ट पर प्रॉफिट का लालच देकर किराए के बैंक अकाउंट्स से साइबर धोखाधडी करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में बैंक चैक बुक, एटीएम कार्ड, पासबुक और मोबाइल सिमकार्ड बरामद किए है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि इबर सेल जयपुर दक्षिण,पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए राजस्थान सहित 6 राज्यों में 10 करोड़ रुपए की साइबर धोखाधडी करने वाले ठग रामस्वरूप उपाध्याय (30) निवासी पॉचू जिला बीकानेर व कार्तिक जोशी उर्फ बिट्टू (21) निवासी डूगरगढ जिला बीकानेर और मास्टर माइंड एसएम घोष लाजम (37) निवासी टूट्टोन आंध प्रदेश, शेख मोलाली (30) निवासी टूटोन वैयतसर आंध प्रदेश, रायपुरी कुमार (26) निवासी बेयतसर आंध प्रदेश, कुडडुमला पवन कुमार रेड्डी (26) निवासी बेयतसर आंध प्रदेश, करण सिंह (19) निवासी शाहपुरा भीलवाड़ा हाल हस्थिनापुर कॉलोनी वैशाली नगर, अमन कुमार (32) निवासी गोल्सावास मानसरोवर व संदीप कुमार उर्फ सीनू नारनोलिया (21) निवासी गुढागौडजी झुंझुनूं हाल साकेत कॉलोनी किरण पथ जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। गैंग के बदमाश ऑनलाइन गेम्स, सट्टा व शेयर मार्केट में इन्वेस्ट पर प्रॉफिट का लालच देकर किराए के बैंक अकाउंट्स से साइबर ठगी करते है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 56 डेबिट कार्ड, एक लेपटॉप, 32 मोबाइल मय सिमकार्ड व 8 सिमकार्ड, 8 चैक बुक, 11 पासबुक और एक फेक कंपनी की सील मोहर और 2 हिसाब-किताब के रजिस्टर बरामद किए है। गैंग के बैंक अकाउंट्स के खिलाफ विभिन्न राज्यों राजस्थान, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि राज्यों के साइबर पोर्टल पर 30 से अधिक शिकायतें दर्ज है। एक साल में करीब 10 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है।

गौतलब है कि पुलिस ने पत्रकार कॉलोनी स्थित होटल से रामस्वरूप और कार्तिक को पकड़ा। दूसरी कार्रवाई श्याम नगर इलाके में स्थित होटल में कर छिपे बैठे मास्टर माइंड सहित सात ठगों को पकड़ा गया।

साइबर सेल जयपुर दक्षिण, पत्रकार कॉलोनी और श्याम नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 9 शातिर ठगों को गिरफ्तार किया।

- आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में बैंक चैक बुक, एटीएम कार्ड, पासबुक और मोबाइल सिमकार्ड बरामद
- ऑनलाइन गेम्स, सट्टा व शेयर मार्केट में इन्वेस्ट पर प्रॉफिट का लालच देकर किराए के बैंक अकाउंट्स से करते थे धोखाधड़ी

बर्फ फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक होने से मची अफरा-तफरी

जयपुर । बनीपार्क इलाके में बुधवार सुबह एक बर्फ फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक होने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने मुख्य वाल्व बंद कर हालात पर काबू पाया। समय रहते गैस रिसाव पर काबू पाने से हादसा टल गया। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

एएसआई तेजराम ने बताया कि शास्त्री नगर के पानी पेच इलाके में शुभ आइस फैक्ट्री में यह हादसा हुआ था। जहां अमोनिया गैस के स्टोरेज सिस्टम का एक पाइप लीक हो गया। इससे गैस रिसाव हो गया। इसके बाद हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस और फायर स्टेशन पर सूचना दी। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अमला तुरंत हरकत में आ गया। मौके पर दमकल की आधा दर्जन गाडियां पहुंची हैं। दमकलकर्मियों ने गैस सप्लाई से जुड़ा मुख्य वॉल्व बंद कर हालात पर काबू पाया। फिलहाल इस घटना में जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है। गैस लीक की खबर मिलते ही फैक्ट्री में मौजूद सभी मजदूरों को तुरंत बाहर निकाला गया। फैक्ट्री को तत्काल प्रभाव से खाली करा लिया गया है। गैस की बदबू आस-पास के घरों तक फैल गई। लोगों में इस हादसे की सूचना से हड़कंप मच गया।

मंत्री दक ने सहकार सदस्यता अभियान की प्रगति रिपोर्ट ली

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर 'सहकार सदस्यता अभियान' की प्रगति जानी।

जयपुर । सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य में 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा 'सहकार सदस्यता अभियान' प्रदेश में सहकारिता का नेटवर्क अधिक मजबूत करने की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों से पूरी क्षमता और ऊर्जा से प्रयास कर इस अभियान को सफल बनाने का आव्हान करते हुए कहा कि अभियान की सफलता से राज्य का सहकारी आन्दोलन सशक्त होगा और बड़े स्तर पर लोग सहकारिता से जुड़ी योजनाओं से लाभान्वित हो पाएंगे।दक बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से 'सहकार सदस्यता अभियान' की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में सहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की मंशा है कि सहकारी आन्दोलन की गांव-ढ़ाणी तक पहुंच हो और अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हों। राज्य सरकार भी इस कार्य में पूरा सहयोग कर रही है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा नियमित रूप से इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अत: हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हुए इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाएं। दक ने बैठक में अभियान के पांचों बिंदुओं पर खंडवार एवं जिलेवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अभियान के अंतर्गत अब तक की प्रगति आशानुरूप नहीं होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को अभियान की शेष अवधि में अधिक प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने सदस्यता के बिन्दु पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक क्षेत्र एवं हर गांव तक सहकारी समितियों से नए सदस्य जोड़ना इस अभियान का उद्देश्य है। इसके लिए पैक्स स्तर तक लक्ष्य आवंटित किए जाएं। साथ ही, आंकड़ों का विश्लेषण कर तथा कम प्रगति वाले ब्लॉक्स को चिह्नित कर उन पर अधिक फोकस किया जाए। उन्होंने सभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं समस्त जिला उप रजिस्ट्रार को प्रतिदिन पैक्स स्तर तक चर्चा करने के निर्देश दिए। सहकारिता मंत्री ने सभी जिला प्रभारियों को प्रतिदिन पैक्स व्यवस्थापकों से लोकेशन सहित फोटो मंगवाने के निर्देश दिए, जिससे पैक्स में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

रिटायर कर्मचारी को 22 साल पहले दिए चयनित वेतनमान को कम करने का आदेश रद्द

जयपुर । राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने भू-जल विभाग के कर्मचारी का 22 साल पहले चयनित वेतनमान को कम करने वाले आदेश को रद्द कर दिया है। वहीं विभाग को निर्देश दिए है कि यदि प्रार्थी कर्मचारी से कोई वसूली की गई है तो उसे 6 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाया जाए। अधिकरण ने यह आदेश चौथीराम की अपील पर दिए।

मामले से जुडे अधिवक्ता सीपी शर्मा ने बताया कि प्रार्थी को सेवा में 18 साल पूरा होने पर 29 जून 1998 को चयनित वेतनमान के तौर पर 3200-4900 की पे स्केल दी गई, लेकिन उसके रिटायरमेंट से 15 दिन पहले ही 14 अगस्त 2020 को चयनित वेतनमान के तौर पर पहले दिए गए वेतन श्रृंखला के लाभ को विभाग ने वापस ले लिया। इसके अलावा उसकी न्यूनतम वेतन श्रृंखला 2750-4400 रुपए करते हुए उसके खिलाफ ज्यादा दिए गए वेतन की रिकवरी का आदेश निकाल दिया। इसे अधिकरण में चुनौती देते हुए चयनित वेतनमान को वापस लेने वाले आदेश को रद्द करने का आग्रह किया। अपील में कहा गया कि अपीलार्थी को दो दशक से भी अधिक समय के पहले दिए गए लाभ को अब वापस नहीं लिया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने प्रार्थी को राहत देते हुए कहा कि विभाग इतने साल बाद किसी कर्मचारी को दिए गए चयनित वेतनमान के तौर पर दी गई वेतन श्रृंखला को कम नहीं कर सकता। ऐसे में प्रार्थी के वेतन को कम कर उसे फिक्स करने वाले आदेश को निरस्त करना सही होगा। इसके साथ ही यदि उससे कोई रिकवरी की है तो उसे 6 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाया जाए।

अवैध निर्माण और सफाई पर ड्रोन से निगरानी रखेगा हैरिटेज निगम

निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने देखा ड्रोन मॉनिटरिंग का लाइव डेमो, जल्द शुरू की जाएगी यह निगरानी

जयपुर । यूनेस्को की हैरिटेज सूची में दर्ज जयपुर परकोटे में दिनोंदिन हो रही अवैध निर्माणों और सफाई व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए हैरिटेज नगर निगम प्रशासन अब ड्रोन कैमरों से मॉनिटरिंग करेगा। हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने बुधवार को लाइव डेमो देखा।

निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने करीब एक घंटे तक शहर में ड्रोन से अवैध निर्माण और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान लाइव डेमो के दौरान निगम आयुक्त ने मौके पर चल रहे अवैध निर्माण को चिह्नित भी किया और संबंधित शाखा को कार्रवाई के निर्देश दिए।

- कमिश्नर ने तीन किलोमीटर के दायरे में लाइव मॉनिटरिंग करते हुए अवैध निर्माण, अवैध पशु डेयरी को चिन्हित किया, कार्रवाई के निर्देश भी दिए

हालांकि निगम आयुक्त ने प्रोजेक्ट में कुछ आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए, ऐसे में जल्द ही हेरिटेज निगम क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी योजना शुरू की जाएगी। डेमो राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की छत से किया गया। इस दौरान हेरिटेज निगम के एनालिस्ट कम प्रोग्रामर उप निदेशक दीपचंद शर्मा, पुलिस निरीक्षक श्रीमोहन मीणा, आई टी एक्सपर्ट आदित्य तिवारी सहित अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

हैरिटेज निगम कमिश्नर डॉ. निधि पटेल ने बुधवार को ड्रोन मॉनिटरिंग का डेमो देखा।

आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बताया कि हेरिटेज निगम क्षेत्र में व्यवस्थाओं में सुधार के लिए ड्रोन मॉनिटरिंग योजना पर काम किया जा रहा है। बुधवार को जोरावर सिंह गेट राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान परिसर से ड्रोन उडाया गया। इस योजना का उद्देश्य परकोटे में अवैध निर्माण पर रोक, निराश्रित पशुओं पर निगरानी और सफाई व्यवस्था को सुदृढ बनाना है। डेमो के दौरान ब्रह्मपुरी क्षेत्र में अवैध निर्माण को चिह्नित किया गया। इस दौरान लाइव फोटो और वीडियो संबंधित जोन शाखा को भिजवाई और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। वहीं, कंवर नगर में ओपन कचरा डिपो को भी चिन्हित कर सफाई कर डिपो खत्म किया गया। उन्होंने बताया कि लाइव डेमो के दौरान ड्रोन में कुछ आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए है, ड्रोन में नाइट विजन, साउंड सिस्टम भी सम्मिलित किया जाएगा। योजना को जल्द भी धरातल पर उतारा जाएगा। इससे लाइव मॉनिटरिंग भी की जाएगी। जिसमें परकोटे में सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण, अवैध निर्माण, रूट क्लीनिंग, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था, जाम की समस्या जैसी समस्याओं पर निगरानी की जा सकेगी।

बरसात से कटाई के बाद रखी फसल खराब होने पर भी मिल सकेगा बीमा क्लेम, 72 घण्टे में देनी होगी सूचना

- राज्य में वर्तमान में हो रही बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि, चक्रवाती वर्षा एवं चक्रवात से कटाई के बाद 14 दिन तक की अवधि के लिए खेत में सुखाने के लिए रखी फसल खराब होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी।

जयपुर । राज्य में वर्तमान में हो रही बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि, चक्रवाती वर्षा एवं चक्रवात से कटाई के बाद 14 दिन तक की अवधि के लिए खेत में सुखाने के लिए रखी फसल खराब होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी।

जिसके लिए प्रभावित बीमित फसल के काश्तकार को 72 घण्टे के भीतर खराबे की सूचना कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नम्बर 14447 पर अथवा क्रोप इन्श्योरेंस ऐप, नजदीकी बैंक या कृषि कार्यालय में लिखित में देनी होगी। कृषि विभाग नें बीमा कम्पनियों को प्राप्त सभी इन्टीमेशन का तत्काल सर्वे कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत असामयिक वर्षा के कारण फसल कटाई उपरान्त खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन की अवधि में नुकसान होने पर व्यक्तिगत आधार पर बीमा आवरण उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि असामयिक वर्षा से प्रभावित काश्तकारों के लिए बीमित फसल के नुकसान की सूचना 72 घण्टे के भीतर जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी, नजदीकी बैंक या कृषि कार्यालय में देना जरूरी है, ताकि नुकसान का आंकलन कर बीमा क्लेम देने की कार्यवाही की जा सके। फसल में हुए नुकसान की सूचना टॉल फ्री नम्बर पर दी जा सकती है। इसके अलावा प्रभावित किसान जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी, नज़दीकी कृषि कार्यालय अथवा सम्बन्धित बैंक को भी हानि प्रपत्र भरकर सूचना दे सकते है।

विभागीय अधिकारियों एवं बीमा कम्पनियों को तत्काल फील्ड में पहुंचकर फसल खराबे का सर्वे प्रारंभ करने के निर्देश दिए है, ताकि प्रभावित किसानों को बीमित फसलों के नुकसान का क्लेम दिलवाकर राहत प्रदान की जा सके। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने बताया कि तकनिकी कारणों से टॉल फ्री नम्बर पर बीमित कृषको द्वारा पोस्ट-हार्वेस्ट लॉसेज के हानि के इन्टीमेशन दर्ज नहीं हो पाने की स्थिति में निकटतम कृषि कार्यालय या जिस गांव में हानि हुई है वहां पर कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा नियत अवधि में कैंप लगाकर पात्र बीमित कृषकों से इन्टीमेशन प्राप्त कर संबंधित बीमा कंपनी को उसी दिन सुपुर्द करने के निर्देश जारी किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि अधिसूचित इकाइ क्षेत्र में फसल के कुल बीमित क्षेत्र के 25 प्रतिशत से अधिक के लॉस की सूचना प्राप्त होती है तो अधिसूचित इकाई के बीमित कृषक तथा जिनके द्वारा बीमा कम्पनी को निर्धारित समय में पॉस्ट-हार्वेस्ट हानि का इन्टीमेशन किया गया है, को सेम्पल सर्वे के आधार पर क्षितपूर्ती देय होगी।

मंत्रियों और किसानों का प्रतिनिधिमंडल डेनमार्क रवाना

जयपुर। राजस्थान की कृषि को आधुनिक तकनीकों और नवाचारों से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को डेनमार्क के छह दिवसीय दौरे पर रवाना हुआ। प्रतिनिधिमंडल में राज्य के मंत्रीगण, विभागीय अधिकारी और चुने हुए प्रगतिशील किसान शामिल हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे से रवाना हुए इस प्रतिनिधिमंडल में डेयरी एवं पशुपालन गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, जोराराम कुमावत, ओटाराम देवासी, और सी.आर. चौधरी जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। दल के सदस्य कोपेनहेगन (डेनमार्क) में आधुनिक कृषि पद्धितयों, डेयरी प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा आधारित कृषि मॉडल और एग्रो-प्रोसेसिंग यूनिट्स का अध्ययन करेंगे। जवाहर सिंह बेढ़म ने दौरे से पहले कहा, "डेनमार्क टिकाऊ कृषि और डेयरी नवाचारों में अग्रणी है।

इस दौरे से राजस्थान के किसान वैश्विक तकनीक और आधुनिक कृषि मॉडल से रूबरू होंगे, जिससे प्रदेश की खेती को नई दिशा मिलेगी।" दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल कई अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थानों और तकनीकी कंपनियों से मुलाकात करेगा। साथ ही, राजस्थान और डेनमार्क के बीच कृषि सहयोग एवं ज्ञान साझेदारी को लेकर संभावित समझौतों की भी उम्मीद जताई जा रही है।

डिजिटल अरेस्ट करके 23.56 लाख रु. ठगने वाला गिरफ्तार

- जयपुर के 75 वर्षीय बुजुर्ग को फर्जी पुलिस-सीबीआई अधिकारी बनकर ठगा था

जयपुर । साइबर थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक 75 वर्षीय बुजुर्ग से 23.56 लाख रुपये की बड़ी ठगी करने वाले संगठित गिरोह के एक और सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जयपुर में फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर की गई ठगी के मामले में की गई है।

डीआईजी साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि 27 मई को जयपुर निवासी परिवादी ने साइबर थाना राजस्थान में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जालसाजों ने उन्हें मोबाइल फोन पर फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी और उनसे 23 लाख 56 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और पूर्व में सुरेश कुमार, प्रहलाद कुमावत, ओमप्रकाश, भूपेश, वशुल सन्नी कुमार और रेहान मकन्दर को गिरफ्तार किया था।

अनुसंधान के दौरान पुलिस ने ठगी की गई राशि के लाभार्थियों पर ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान प्रथम लाभान्वित खाताधारक सुरेश उर्फ सुरेंद्र के खाते में प्राप्त कुल 23 लाख 56 हजार रुपये की राशि की जांच की गई। जांच में एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया, जिसके खाते में इस ठगी की 89 लाख 335 की राशि प्राप्त हुई थी। इस बाल अपचारी के खाते में अन्य पीड़ितों की ठगी के 9 लाख 58 हजार 350 भी आना पाया गया। बाल अपचारी से पूछताछ में सामने आया कि उसने अपना बैंक खाता, एटीएम और मोबाइल सिम साइबर ठगी के गिरोह के सदस्य कमलेश कुमार सेरावत पुत्र नारायण लाल (22) निवासी मुन्या वाली ढाणी, भोपावास, सामोद, जयपुर को 4 हजार के कमीशन पर दिया था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस ने गिरोह के सदस्य कमलेश कुमार सेरावत को गिरफ्तार कर लिया। डीआईजी शर्मा और एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार के सुपरविजन में मुल्जिम कमलेश कुमार सेरावत से पूछताछ जारी है। आरोपी कमलेश कुमार सेरावत के स्वयं के बैंक खाते में तीन अन्य राज्यों से ठगी की शिकायतें आई हैं, जिससे यह गिरोह के अंतर्राज्यीय लिंक की ओर इशारा करता है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है। साइबर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि फर्जी पुलिस,सीबीआई अधिकारियों के फोन आने पर घबराएं नहीं और किसी भी स्थिति में अपनी बैंक जानकारी या ओटीपी किसी को साझा न करें। ऐसे किसी भी कॉल की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सार-समाचार

राजीविका व रुमा देवी फाउंडेशन में करार

जयपुर । ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं के कौशल विकास, उद्यिमता संवर्धन एवं सतत आजीविका सृजन को सुदृढ करने के उद्देश्य से आज राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) ने अपनी नई पहल उन्नित इन्क्यूबेशन हब के तहत रुमा देवी फाउंडेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन राजीविका राज्य मुख्यालय, जयपुर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रुमा देवी फाउंडेशन की ओर से डॉ. रुमा देवी, विक्रम सिंह (डायरेक्टर) एवं उनकी टीम उपस्थित रहे। राजीविका की ओर से अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा, मिशन निदेशक, राजीविका नेहा गिरी, परियोजना निदेशक प्रीति सिंह, राज्य परियोजना प्रबंधक डॉ. पूजा शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस समझौते के तहत दोनों संस्थाएँ संयुक्त रूप से महिलाओं के कौशल उन्नयन, उद्यिमता प्रोत्साहन तथा बाज़ार तक पहुँच सुदृढ करने के लिए कार्य करेंगी, जिससे ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकें और उनके उत्पादों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों तक पहुँचाने में सहयोग प्राप्त हो सके। राजीविका की व्यापक संस्थागत पहुँच एवं रुमा देवी फाउंडेशन की जमीनी उपस्थिति तथा क्षेत्रीय विशेषज्ञता के माध्यम से यह साझेदारी ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान एवं समावेशी विकास के लिए एक नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को मिला अवार्ड

जयपुर । पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित समारोह में जयपुर के आरटीओ इंस्पेक्टर दिनेश सिंह फौजदार को उनकी समाज सेवाओं व उनकी सर्विस के दौरान बेहतर कार्य करने के लिए अवार्ड देकर नवाजा गया। समारोह में देशभर में किए जा रहे ऐसे ही उत्कृष्ट कार्यों के लिए 16 अन्य हस्तियों को नवाजा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर के जाने-माने उद्यमी डॉ. नवीन शर्मा ने की। इसके अलावा उत्तर प्रदेश से आए न्यूज़ के चीफ एडिटर तहसीन सिद्दीकी, छत्तीसगढ़ से आई, स्वच्छ भारत अभियान रायपुर की ब्रांड एंबेसडर डॉक्टर शुभांगी आप्टे सहित अनेक हस्तियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया । इस कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रहे फिल्म एक्टर व प्लेबैक सिंगर सिकंदर राजा हसन जिन्होंने अपनी मधुर आवाज से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

राजस्थान डिजीफेस्ट 4 से 6 जनवरी तक

नई दिल्ली। राजस्थान डिजीफेस्ट के लिए बुधवार को नई दिल्ली में कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह फेस्ट टी.आई.ई. ग्लोबल समिट के सहयोग से राजस्थान सरकार द्वारा 4-6 जनवरी 2026 को जयपुर के जयपुर एक्सिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम राजस्थान सरकार के उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा मामले और खेल मंत्री, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, भारत सरकार में डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया, टी.आई.ई. दिल्ली के विशेष अध्यक्ष, डॉ. सौरभ श्रीवास्तव और राजस्थान सरकार के सचिव और कमिश्नर डॉ. रवि कुमार सुरपुर उपस्थित रहे। कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़ ने कहा कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में यह समिट टेक्नोलॉजी, विकास और स्थिरता के स्तंभों पर आधारित है। यह पहली बार किसी नॉन-मेट्रो शहर में आयोजित की जा रही है, जो यह दर्शाता है कि राजस्थान अब टेक्नोलॉजी, नवाचार और स्टार्टअप्स का उभरता हुआ केंद्र बन रहा है।

करवाचौथ स्पेशल प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर । रूनझुन पायल डांस ग्रुप द्वारा करवा चौथ स्पेशल कार्यक्रम का आयोजन होटल ग्रैंड सफारी मे हुआ। इस अवसर पर चीफ़ गेस्ट मैनेजिंग डायरेक्टर - एजिस जॉब्स प्रा. लि., स्टेट प्रेसिडेंट अल्का बत्रा मौजूद रहीं । उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाते हैं और महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ मंच प्रदान करते है। कार्यक्रम में करवा चौथ महारानी, करवा चौथ रानी, बेस्ट करवा थाली, बेस्ट ड्रेस, बेस्ट हेयरस्टाइल, बेस्ट लुकिंग, बेस्ट रैम्पवॉक, बेस्ट डांस और बेस्ट सिंगिंग जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश और पारंपरिक परिधान में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को विशेष ट्रॉफी एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए। विजेताओं को सम्मानित करते हुए अल्का बत्रा ने कहा कि यह पुरस्कार केवल सौंदर्य या परिधान का नहीं, बल्कि प्रतिभा, आत्मविश्वास और परंपरा के सम्मान का प्रतीक हैं। विशेष आकर्षण के रूप में लकी ड्रॉ भी आयोजित किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम संयोजक रजनी कोठारी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक मंच देना और करवा चौथ जैसे पारंपरिक पर्व को मनोरंजन एवं उत्सव के रूप में मनाना था।

सेवन स्टार ब्रांड का 200 लीटर तेल सीज

जयपुर । दीपावली पर्व पर चलाए जा रहे विशेष खाद्य सुरक्षा अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने बांसखोह और बस्सी कस्बे में कार्यवाही करते हुए सेवन स्टार ब्रांड का 200 लीटर सरसों तेल सीज किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ मनीष मित्तल ने बताया कि इस दौरान फर्म सत्यनारायण जैन किराना स्टोर से घी नमूना और ओजट स्वीट्स पर निरीक्षण करके मावा और बेसन लड्डू का नमूना लिया गया। इसके पश्चात बस्सी स्थित हरियाणा ट्रेडिंग कंपनी पर निरीक्षण कर सेवन स्टार ब्रांड का 200 लीटर सरसों तेल का नमूना लेकर शेष स्टॉक को सीज किया गया। खाद्य पदार्थ जांच लैब से रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चंद यादव, अवधेश गुप्ता और नंदकिशोर कुमावत शामिल रहे।

अवधिपार 1976 पैकेट नमकीन नष्ट कराई

जयपुर । राज्य सरकार के शुद्ध आहार - मिलावट पर वार अभियान को और प्रभावी बनाते हुए आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम की ओर से शाहपुरा (जयपुर) क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान शिव ट्रेडिंग कंपनी, शाहपुरा पर कार्यवाही करते हुए घी (आरएनए डेयरी मिल्क) का नमूना लिया गया। मौके पर रखे 675 लीटर घी को सीज किया गया। लक्ष्मी वंदन स्टोर, शाहपुरा मंडी पर पैक्ड मिठाई का नमूना लिया गया तथा 1976 पैकेट नमकीन की अवधि समाप्त पाई गई, जिन्हें जनहित में नष्ट करवाया गया। अग्रवाल ट्रेडिंग कंपनी, शाहपुरा मंडी से मसालों के नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं, जिनकी रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

Focusing Global Attention on Eye Health

Observed every year on the second Thursday of October, World Sight Day raises awareness about the importance of eye care and the prevention of avoidable blindness. Coordinated by the International Agency for the Prevention of Blindness, the day emphasizes regular eye check-ups, early detection of vision problems, and access to affordable treatment for everyone. With millions worldwide affected by conditions like cataracts, glaucoma, and uncorrected refractive errors, World Sight Day urges communities to prioritize eye health through education, screenings, and healthy lifestyle habits. It serves as a reminder that good vision is essential for learning, productivity, and overall well-being.

#FOLK TRADITIONS

The Story of Tilak Kamod

Simplicity became a smiling Raga, inviting attention

Wajid Ali Shah describes it as Radha playing with Krishna.

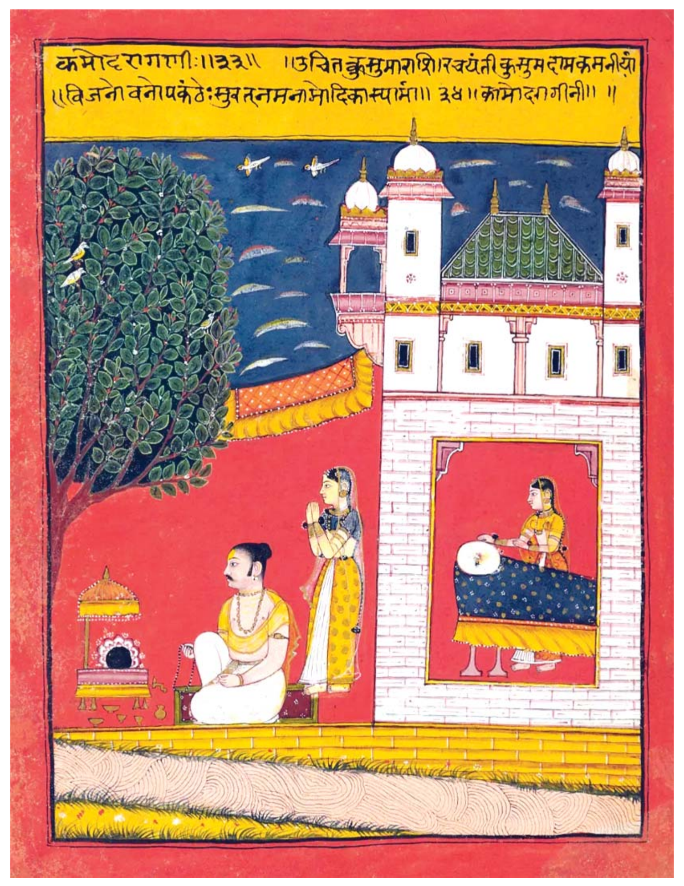

In the vast constellation of Hindustani ragas, where complexity and depth often rule, Tilak Kamod quietly radiates a different kind of brilliance, one born not from intricate meanderings, but from simplicity so pure that it sings straight to the soul.

A Raga that Smiles

Tilak Kamod is a raga that doesn't demand attention, it invites it. Like a well-worn path through a sunlit forest, it's gentle, melodic, and immensely approachable. Yet, behind that simplicity lies a carefully balanced structure that allows both bhakti (devotion) and shringar (romance) to coexist. It's a raga that smiles. One that feels like a lullaby, a hymn, a lover's quiet whisper, all at once.

The Origins: A Folk Heart, a Classical Soul

Tilak Kamod traces its roots to folk traditions and semi-classical forms like thumri and dadra, but over time, it found a permanent home in the Hindustani classical tradition. Its lineage hints at a blend of Kafi and Khamaj, yet, it charts its own territory with playful phrases and sweet turns. The ascent (Aroha) and descent (Avaroha) are gentle, often skipping over ga and ni, while phrases like ni (komal) - Pa - ni (shuddha) - Sa add a delicate charm that feels less like performance, more like poetry.

Tilak Kamod in Performance: Less is More

In a world where many ragas demand showmanship, Tilak Kamod calls for restraint. Its beauty lies in delicate touches, in letting the raga breathe between the notes.

Great maestros, from Pandit Bhimsen Joshi to Kishori Amonkar, have rendered it with soulful simplicity, allowing the raga's emotive quality to take center stage. In light classical and devotional spaces, it has thrived, bhajans, ghazals, even film music have embraced its charm.

- "Charan Kamal Bandho Re"
- "Shyam Teri Bansi"
- "Payoji Maine Ram Ratan Dhan Payo"

These are not just songs; they are emotional landscapes painted with Tilak Kamod's palette.

What the Rag says

It asks:
Can you hold space with fewer notes?
Can you evoke emotion without acrobatics?
Can you surrender to the raga rather than control it?
Tilak Kamod answers: Yes.

The Wages of Graft

Six months ago, he had landed a big contract for an overbridge at a railway crossing. The departmental project engineer, Om Prakash, was an old pal of his and revealed the contents of the competing quotations to Chadha. This enabled Chadha to underquote all the competitors and bag the contract.

N.N. Sachitanand
Senior Journalist

Ranjit Chadha had gone mad.

Now, you will wonder why an affluent, hard-bitten, healthy contractor should lose his sanity. For that, we will have to recapitulate the course of his life.

When Ranjit Chadha entered his profession, he was young, naïve and honest. He had a diploma in Civil Engineering and some money left him by his father.

For the first year, he knocked about without securing a single contract. This so disheartened him that he nearly decided to take up regular employment. But his uncle, a shrewd and seasoned veteran in the field, advised him against it and also revealed to him some of the facts of life.

Chadha then locked up his conscience, changed his attitude, learnt the art of graft and prospered. He came to judge everyone by mercenary standards and cynically

> For the first year, he knocked about without securing a single contract. This so disheartened him that he nearly decided to take up regular employment. But his uncle, a shrewd and seasoned veteran in the field, advised him against it and also revealed to him some of the facts of life. Chadha then locked up his conscience, changed his attitude, learnt the art of graft and prospered. He came to judge everyone by mercenary standards and cynically believed that everyone had a price.

believed that everyone had a price.

That dictum had not yet let him down. He acquired the accoutrements of affluence, a posh bungalow, a large car, a flourishing grape farm just outside the city and a rich man's daughter as wife.

But a son came after many years and the doctor told him that his wife could never bear any more children.

So, on his son, Chadha lavished all the love and affection he was capable of. The slightest wish of the boy was granted and if he was even the least bit indisposed, Chadha left all his work to personally minister to the sick child.

#STORY

The boy joined a local convent school and soon caused Chadha to swell with pride when he began winning top honours in studies and games. Chadha dreamt fondly about his son growing up to be an exalted name in the country. Meanwhile, the contract work and graft continued and his store of black money

> A fortnight ago, the bridge was completed and formally inaugurated by the PWD Minister who said a lot of things in praise of the contractor, Ranjit Chadha. The words of praise were duly published by the local Press. The minister, of course, had been suitably rewarded by Chadha when the contract was bagged. After the inauguration, traffic hummed smoothly over the bridge. Some days later, while Chadha was having his afternoon tea, the phone rang. It was Om Prakash, stuttering hysterically.

grew. Many were the roads he built which were reduced to a series of potholes in a single season; many were the buildings he erected which needed extensive repairs after their first exposure to the rains. He made sure, through appropriate bribing, that the repair contracts also landed in his lap.

Six months ago, he had landed a big contract for an overbridge at a railway crossing. The departmental project engineer, Om Prakash, was an old pal of his and revealed the contents of the competing quotations to Chadha. This enabled Chadha to underquote all the competitors and bag the contract.

There was plenty of scope for making money on this project. The depth of foundations could be reduced, the steel and cement in the reinforced concrete could be pared and so on. He expected to make at least Rs. 10 lakhs on the Rs. 40 lakhs he had quoted, allowing for Rs. 2 lakhs cut to the departmental engineers, overseers etc.

He was not worried about the structural stability of the bridge, since he knew these things were designed with a very high safety factor.

A fortnight ago, the bridge was completed and formally inaugurated by the PWD Minister who said a lot of things in praise of the contractor, Ranjit Chadha. The words of praise were duly published by the local Press. The minister, of course, had been suitably rewarded by Chadha when the contract was bagged. After the inauguration, traffic hummed smoothly over the bridge.

Some days later, while Chadha was having his afternoon tea, the phone rang. It was Om Prakash, stuttering hysterically.

"Chadha, the bridge has just collapsed about five minutes ago! Several vehicles were on it at that time. It is a terrible mess. There are a lot of fatalities. Come immediately!"

Chadha rushed to the bridge site and came upon a ghastly scene. Two of the pillars had come down and the main span had collapsed. About a dozen vehicles were strewn on the railway tracks below, with screaming and moaning passengers trapped in them.

But what made his heart stop cold was the sight of the overturned school bus. With dread in his mind, he ran towards the vehicle from which dazed boys were being helped out. It was the bus of his son's school.

His eyes searched desperately. And then, he saw Prakash. He was huddled near a window. His head was twisted at an odd angle. He was not moving. His eyes were closed. Just then, a fireman approached the boy's body and lifted it out of the bus. Chadha hastened to him and asked, "How is he?"

The fireman shook his head sadly. For a moment, Chadha gazed despairingly at the lifeless form. The moans, shrieks and shouts buffeted his ears and rose to a crescendo in his mind. Then suddenly, everything went blank and he began laughing.

When Om Prakash found him sometime later, Chadha had a fixed smile on his face, a hollow look in his eyes and no answers to any questions.

Ranjit Chadha had gone mad.

rajeshsharma1049@gmail.com

#DONALD DUCK

Short Tempered Stuttering Donald

Did WWII Create Donald Duck's Voice? The Strange Legend of 'Duck Voice Syndrome'

Most people know Donald Duck as one of Disney's most iconic characters, short-tempered, stuttering, and endlessly lovable. But behind the cartoon feathers lies a curious legend that links Donald's distinct voice not just to a talented voice actor, but to the real-life horrors of war. Could it be that Donald Duck's famous quack was inspired by soldiers returning from gas mask drills during World War II?

Donald Duck and WWII: A Patriot in Feathers

Donald Duck was already a rising star in the 1930s, but his role shifted dramatically with the outbreak of WWII. Disney transformed Donald from comic relief into a symbol of American resistance and military spirit.

Between 1942 and 1945, he starred in a series of wartime cartoons, 'Der Fuehrer's Face,' 'The New Spirit,' and others, that promoted patriotism, taxes, and anti-Nazi sentiment. Donald, in full military gear, became a cultural weapon of war.

He even won an Academy Award in 1943 for Der Fuehrer's Face, which satirized Hitler and fascism with biting humor.

But while the character became a hero, an eerie wartime rumor suggests that his iconic rasping voice may have been born from something much darker.

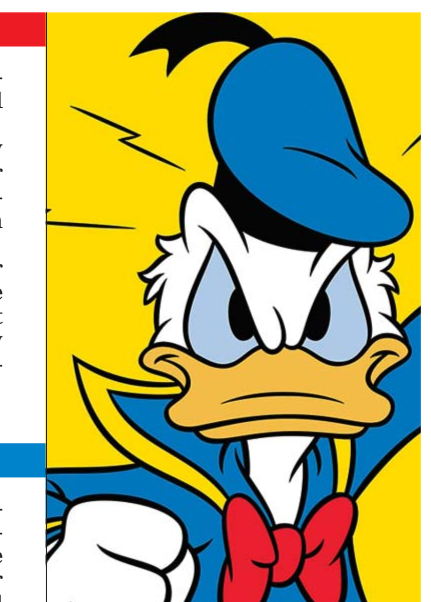

The Legend: 'Duck Voice Syndrome'

According to long-standing military folklore, American soldiers returning from gas mask drills during WWII often complained of sore throats, hoarseness, and strained voices. Exposure to chlorine-based gas simulations (meant to prepare them for chemical warfare) left many of them speaking in a harsh, croaky tone for days afterward. Some soldiers jokingly referred to the condition as 'Duck Voice Syndrome,' because their raw, broken speech sounded oddly like Donald Duck himself. Here's where the legend takes a strange turn: rumors claim that sketches, notes, or even voice recordings from military training camps were sent to the Disney studios, either as a joke or for creative reference. And then, as if by magic, Donald's voice and mannerisms intensified. His rage-filled rants, throaty squawks, and aggravated stutters became more pronounced. All of this, within a year of the earliest reports of Duck Voice Syndrome.

Coincidence? Maybe. But some believe it's a wartime echo, a subliminal imprint of war seeping into pop culture.

The Reality Behind the Voice

In truth, Donald Duck's voice was created by Clarence 'Ducky' Nash, a Disney voice actor who began performing the character as early as 1934. Nash used a unique technique called buccal speech, forcing air through his cheek pockets to create the duck-like tone. He voiced Donald for over 50 years, and while there's no official confirmation that he drew inspiration from soldiers or wartime gas drills, the timing of Donald's popularity boom, and the sharpness of his voice during the war years,

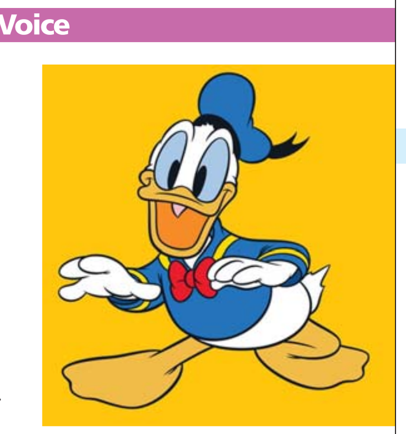

gives the legend just enough smoke to raise eyebrows.

Fact or Fiction? Why the Legend Persists

- **Psychological mirror:** Donald's angry outbursts, frustration, and near-incoherent speech may have resonated deeply with the emotional strain of wartime soldiers.
- **Wartime crossover:** It's not unusual for media and military culture to influence each other, especially during national crises.
- **Moral coping:** Humor, even from a cartoon duck, gave people a way to deal with fear, trauma, and uncertainty.

The idea that Donald's voice was influenced by real suffering gives him an unexpected human depth, a reminder that even cartoons are products of their time.

More Than Just a Cartoon

Whether the tale of Duck Voice Syndrome is truth, myth, or a bit of both, it adds a haunting layer to Donald Duck's legacy. It's a reminder that even our most innocent childhood characters may carry echoes of history, forged in the crucible of war. Donald may be a duck, but during WWII, he was also a soldier, a symbol, and, perhaps, a survivor of something much more real than animation.

#PHRASES

From Peeping Toms to Honeymoons

Strange Origins Of Everyday Phrases We Use Today

Language is full of curious expressions that we use without thinking, but their backstories often reveal surprising twists of history, myth, and culture. Take 'the whole nine yards,' for instance. Though commonly used to mean giving something your all, its origin remains a mystery. Theories abound, ranging from the length of WWII machine gun ammo belts to the amount of fabric used in tailoring, but no definitive source has ever been confirmed. It remains one of English's most debated phrases.

The word 'honeymoon' may sound sweet, but its roots are tinged with cynicism. In 16th-century English, it referred not to romantic getaways, but to the brief period of marital bliss expected to fade as quickly as the moon's cycle. Some believe the term also comes from the tradition of drinking honey-based mead for a month after marriage to promote fertility and happiness.

Then, there's the playful but slightly sinister phrase 'cat got your tongue,' used when someone is unusually quiet. While there's no clear historical event tied to it, possible origins include the use of the

cat-o'-nine-tails whip in the navy, or Victorian-era slang for teasing silent children. Despite various theories, the phrase likely emerged as whimsical English without a dark origin.

'Peeping Tom' is more directly linked to a story, specifically, the legend of Lady Godiva. As she rode naked through Coventry to protest unfair taxation, the townspeople respectfully turned away, except for one man named Tom, who peeked and was struck blind or dead, depending on the version. His name lived on, and today a 'Peeping Tom'

refers to any creepy voyeur who invades others' privacy. Lastly, 'hit the ground running' evokes action and purpose. It's believed to come from WWII military slang, describing paratroopers who had to land and move quickly in combat. Over time, it entered business and politics, used to describe a strong, fast start to any endeavor. Each of these phrases, whether mysterious, mythological, or militaristic, carries a slice of history in its words. They remind us that even the most casual expressions can have roots in war, love, punishment, or legend.

THE WALL

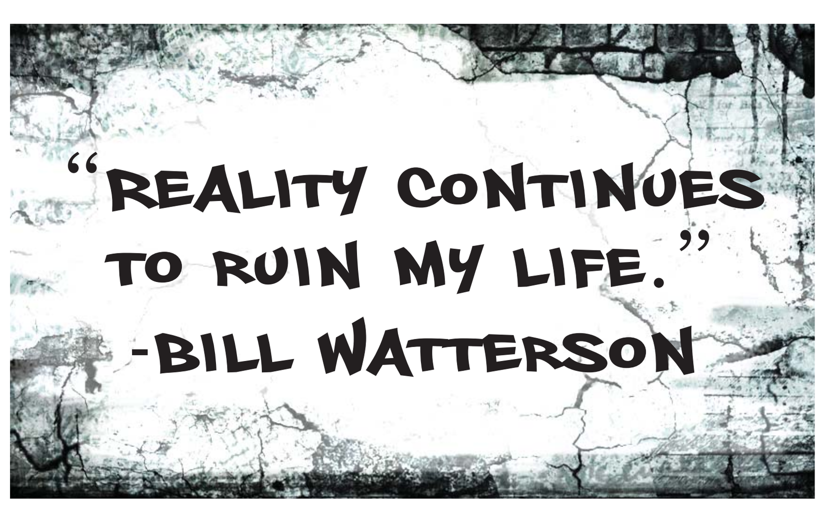

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

बनास नदी में हो रहे अवैध बजरी खनन को लेकर किसानों का प्रदर्शन

- हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ किसान भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा
- ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी के ब्लॉक नंबर 7 में 8 से 10 मीटर गहरा खनन किया जा रहा है, जबकि अनुमति केवल 0.5 मीटर की है

प्रभावित किसानों ने हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कई इलाकों से गुजर रही बनास नदी को अवैध बजरी खनन से जुड़े माफियाओं ने छलनी करके रख दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर के नेतृत्व में प्रभावित किसानों ने हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंच प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि उच्च न्यायालय जयपुर की ओर से सिविल पिटिशन 4250/2012 में खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद लीजधारक महादेव इन्क्लेव प्रा. लि. खुलेआम इनका इस्तेमाल कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी के ब्लॉक नंबर 7 में 8 से 10 मीटर गहरा खनन किया जा रहा है, जबकि अनुमति केवल 0.5 मीटर की है। इससे सरकार को प्रतिदिन करोड़ों रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है। लीजधारक कंपनी द्वारा चरागाह भूमि पर रास्ते बना दिए गए पेड़ों को काट दिया गया। नदी के बहाव क्षेत्र को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे चरागाह की घास नष्ट हो गई और मवेशी भूखे मरने की स्थिति में हैं। कंपनी ने न तो पर्यावरण स्वीकृति के तहत पेड़ लगाए और न ही सीमा निर्धारण के पिलर लगाए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और माइनिंग विभाग पर लीजधारक से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा भी किया।

आरोप है कि पुलिस द्वारा डंपर की सुरक्षा में बजरी निकाली जा रही है और विरोध करने पर ग्रामीणों को डराया धमकाया जा रहा है। ठेकेदार के कुछ कर्मचारियों पर अवैध हथियार रखने और हिस्ट्रीशीटर होने के आरोप भी लगाए गए। राष्ट्रीय सचिव गुर्जर ने कहा कि अगर अवैध खनन नहीं रुका तो बनास की गहराई कुओं से अधिक हो जाएगी जिससे सिंचाई और पेयजल संकट खड़ा होगा, किसानों और मवेशियों का जीवन खतरे में आ जाएगा। ब्लॉक नंबर 7 की लीज तुरंत निरस्त करने, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की सख्ती से पालना करने, अवैध मशीनों और डंपरों पर कार्रवाई करने, माइनिंग विभाग और लीजधारक के बीच की मिलीभगत की जांच की करने और पर्यावरण और चरागाह भूमि की बहाली की व्यवस्था की सहित हाथ से बजरी निकालने की मांग की है।

बिजली कंपनी एमडी ने दो इंजीनियर सहित तीन को सस्पेंड किया

नोखा के काकड़ा गांव में बिजली चोरी मामले में कार्रवाई नहीं करने पर कार्रवाई की

बीकानेर, (निसं)। जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने बुधवार को जिला वृत्त अधिकारियों की बैठक के दौरान दो इंजीनियर सहित तीन को सस्पेंड कर दिया। नोखा के काकड़ा गांव में बिजली चोरी मामले में कार्रवाई नहीं करने पर ये कार्रवाई की गई।

तीन इंजीनियर को चार्जशीट जारी करने के आदेश दिए। जोनल चीफ इंजीनियर ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ये कार्रवाई की। नोखा के काकड़ा गांव में एक साथ 8 अवैध ट्रांसफार्मर से बिजली चोरी पर हुई कार्रवाई की जानकारी दी गई। बिजली चोरी के प्रति लापरवाही पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रबंध निदेशक ने क्षेत्र के जूनियर इंजीनियर अजयपाल सिंह व तकनीकी कर्मचारी राजेंद्र कुमार के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही की गई। इसके साथ लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं करने वाले असिस्टेंट इंजीनियर नापासर, सहायक अभियंता (ग्रामीण) नोखा, जूनियर इंजीनियर भामटसर के खिलाफ चार्जशीट के निर्देश निदेशक (तकनीकी) को दिए गए। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को टारगेट पूरे करने के आदेश दिए। फील्ड स्तर पर टीम भावना से काम करने और नियमित मॉनिटरिंग के आदेश दिए। उन्होंने कृषि कनेक्शन शीघ्र जारी करने के आदेश दिए। कृषि कनेक्शनों में लापरवाही पर असंतोष जताया। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को रबी सीजन से पूर्व सभी लंबित कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। विजिलेंस लक्ष्यों की पूर्ति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विजिलेंस टीम बनाकर उपभोक्ताओं से बकाया वसूली की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग कनेक्शनों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में निदेशक (तकनीकी) वी के छंगाणी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मुख्यालय) अशोक गोयल, अधीक्षण अभियंता जिला वृत्त भूपेंद्र भारद्वाज एवं जिले के समस्त अधिशासी एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे।

आपसी कहासुनी में दो जनों को चाकू मारा

भीलवाड़ा, (निसं)। छोटी-छोटी बातों को लेकर पड़ोसियों के बीच कभी-कभी जुबानी जंग हमले में बदल जाती है। इसका नतीजा बड़ी वारदात के रूप में भी कभी-कभी सामने आता है। ऐसा ही मामला पुर के चौबे मोहल्ले से सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसारयहां एक व्यक्ति के मकान का काम चल रहा था तो पड़ोस के ही प्रकाश, सुनील और अनुराग गहलोत ने आपत्ति की। यहां तक कि गाली देने लगे और उनको गिरा दिया।

इस बीच अनुराग अंदर से चाकू लेकर आया। हाल यह रहा कि दो व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। दीपक पाठक ने बताया कि घायलों को एमजी अस्पताल के ट्रोमा वार्ड में भर्ती करना पड़ा। इधर आरोपी के खिलाफ पुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही पुलिस ने एमजी अस्पताल पहुंचकर घायलों और पीड़ितों से भी बयान लिए हैं। आगे की कार्रवाई जारी है।

जेजेटी यूनिवर्सिटी की नर्सिंग पीएचडी डिग्रियों की वैधता पर संदेह!

- 400 से अधिक नर्सिंग पीएचडी डिग्रियां जारी, आरटीआई में भारतीय नर्सिंग काउंसिल का मान्यता से इनकार

झुंझुनूं, (निसं)। चुड़ैला स्थित श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला (जेजेटी) विश्वविद्यालय ने अब तक 4000 से अधिक पीएचडी डिग्रियां जारी की हैं, जिनमें नर्सिंग विषय की 400 से अधिक डिग्रियां भी शामिल हैं, लेकिन हाल ही में डॉ. सागरसिंह कछावा के आरटीआई के जवाब में भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी) ने स्पष्ट कर दिया है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नर्सिंग पीएचडी कार्यक्रम को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है।

भारतीय नर्सिंग परिषद के अनुसार यह डिग्री भारतीय नर्सिंग काउंसिल अधिनियम, 1947 की धारा 10 के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है। यानी इस विश्वविद्यालय से प्राप्त नर्सिंग पीएचडी डिग्री को मान्यता नहीं मिली है, जिसने हजारों छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। अभ्यर्थियों ने अपनी डिग्री की वैधता और कॅरियर विकल्पों को लेकर चिंता व्यक्त की है। क्योंकि मान्यता न मिलने की स्थिति में वे सरकारी सेवाओं, शैक्षणिक कार्य या शोध कार्यों में समस्या का सामना कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की डिग्रियां शिक्षा क्षेत्र की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं। इस मामले में विश्वविद्यालय और संबंधित उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं से इस स्थिति की जांच कर उचित कदम उठाने की मांग की जा रही है। साथ ही, नर्सिंग और अन्य विषयों में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों से सतर्क रहने और मान्यता सत्यापित करने की अपील की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा भी इस संबंध में निगरानी बढ़ाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके और छात्रों के हितों की रक्षा की जा सके। यह मामला न केवल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है बल्कि पूरे शैक्षणिक तंत्र में विश्वास के मुद्दे को भी उजागर करता है, जिसके लिए ठोस और पारदर्शी कार्रवाई आवश्यक है।

महाजन फायरिंग रेंज में भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास "इंद्रा" शुरू

भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 2003 से हुई थी

- इंद्रा एक्सरसाइज का उद्देश्य, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई सहित दोनों देशों की सेनाओं के बीच समन्वय और सामंजस्य बढ़ाना है

बीकानेर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और रूस के बीच युद्धाभ्यास "इंद्रा" शुरू हो गया। 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस युद्धाभ्यास के उद्घाटन समारोह में रूसी सेना के मेजर जनरल आंद्रे कोजलोव और भारतीय सेना की गांडीव डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल संजय चंद्र कांडपाल सहित दोनों देशों की सैन्य टुकड़ी शामिल हुई।

गौरतलब है कि भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 2003 से हुई थी। साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से इंद्रा एक्सरसाइज को रोक दिया गया था। इंद्रा एक्सरसाइज का उद्देश्य, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई सहित दोनों देशों की सेनाओं के बीच समन्वय और सामंजस्य बढ़ाना है। एक्सरसाइज के जरिए दोनों देशों की सेनाएं, आतंकवाद रोधी अभियानों की रणनीति में सुधार करना भी शामिल है। एक्सरसाइज के जरिए दोनों देशों की सेनाएं परिचालन क्षमता बढ़ाने और आधुनिक युद्ध के संदर्भ में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने पर विशेष ध्यान देंगी। साथ ही अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करना और साझा सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त क्षमता विकसित करना है। एक्सरसाइज के जरिए भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

नवजात बच्चों को फैंकने की घटनाओं पर रालसा ने संज्ञान लिया

- पालना गृह के सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने निरीक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। पिछले दिनों भीलवाड़ा के बिजौलियां में 15 दिन के शिशु को मुंह में पत्थर ठूस फेंकने के मामले ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। ऐसी घटनाओं की पुनरावर्ती रोकने के लिए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,जयपुर (राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर) द्वारा ऐसी घटनाओं पर संज्ञान लिया गया एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को जिलों में स्थित पालना गृहों के निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,जयपुर के निर्देशों की पालना में बुधवार को विशाल भार्गव (अपर जिला न्यायाधीश) सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा द्वारा भीलवाड़ा जिले में स्थापित दो पालना गृह, महात्मा गांधी चिकित्सालय ,भीलवाड़ा एवं राजकीय दत्तक ग्रहण ऐजेंसी, राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह पालड़ी का निरीक्षण किया एवं उपस्थित अधिकारी से पालना गृहों का निर्धारित मानकों के अनुसार संचालन किया जा रहा है, उपलब्ध सुविधाओं, स्वास्थ्य तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिये। विशाल भार्गव ने तालुका स्तर पर भी पालना गृह स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर व निदेशक समाज कल्याण विभाग को पत्र प्रेषित किया।

बंदी फरार

बीकानेर, (निसं)। यहां खुली जेल में बंद सजायाफ्ता बंदी बीती शाम फरार हो गया। अपने बेहतर आचरण के चलते उसे खुली जेल में रखा गया था, जहां से वो मंगलवार की शाम फरार हो गया। जेल प्रशासन ने अब बीछवाल पुलिस थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महाराष्ट्र के मुरैना का रहने वाला रूप सिंह मंगलवार को सुबह खुली जेल में था। वो दिनभर वहां काम करता और शाम को भी खुली जेल में सोता था। यहां के सभी बंदियों की सुबह और शाम हाजिरी होती है। मंगलवार शाम करीब सात बजे हाजिरी ली गई तो उसमें रूप सिंह नहीं था। खुली जेल में सभी जगह रूप सिंह की तलाश की गई, लेकिन वो नहीं मिला।उसके गायब होने से बंदीगृह के सुरक्षाकर्मियों के होश उड़ गए। तुरंत इधर-उधर ढूंढा गया लेकिन रूप सिंह नहीं मिला। बुधवार को भी उसकी तलाश की गई लेकिन वो फरार ही रहा। अब बीछवाल पुलिस ने उसके घर के साथ ही परिचितों के यहां भी जांच बढ़ा दी है। बीछवाल थाने में बीएनएस की धारा 262 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

सड़क हादसे में एक की मौत

निवाई, (निसं)। मंगलवार की रात में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरथल तिराहे के समीप एक अज्ञात वाहन ने एक कार के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कार में सवार तीन जने घायल हो गए जिनमें से उपचार के दौरान जयपुर में एक की मौत हो गई। बरोनी थाना प्रभारी बृजेंद्रसिंह ने बताया कि मंगलवार की रात को अज्ञात वाहन ने एक कार के टक्कर मार दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बृजेश पुत्र भंवरलाल सैन निवासी बूंदी गोठड़ा थाना डबलाना, जिला बूंदी, भरत सिंह पुत्र राम सिंह निवासी सरसोवा, जिला बूंदी व सीताराम पुत्र कल्याणमल चंदेल निवासी डबलाना को घायलावस्था में निवाई अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से चिंताजनक हालत में तीनों को जयपुर रैफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान जयपुर में बृजेश की मौत हो गई।

चोरी करने वाली अंतर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

- फ्लिपकार्ट कंपनी के ट्रक से 226 मोबाइल फोन व अन्य सामान चुराया था

पुलिस ने सामान चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अलवर, (निसं)। अपराधी इतने शातिर हो चुके हैं कि दूसरे के कागज लगा कर ट्रक ड्राइवर की नौकरी हासिल करते और रास्ते में ही लाखों के सामान को पार कर लेते। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन, ओएलएक्स, म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम आदि फ्रॉड के विरुद्ध नेकीराम पुलिस निरीक्षक, पुलिस थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए फ्लिपकार्ट कम्पनी के ट्रक में से कीमती मोबाइल फोन व अन्य कीमती सामान चोरी करने वाली अन्तर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए चोरी किये गये एपल कम्पनी के 27 मोबाइल फोन सहित तीन आरोपी गिरफ्तार किये गये।

घटना अनुसार परिवादी लखनपाल सिंह निवासी भोराकला बिलासपुर थाना बिलासपुर जिला गुड़गांव हरियाणा ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश कि की मेरी ट्रांसपोर्ट कम्पनी अमृतसिंह मोटर के वाहन को फर्जी दस्तावेज पेश कर प्राप्त कर भिवण्डी महाराष्ट्र में फ्लिपकार्ट वेयर हाउस से माल भरकर लाया गया और उक्त वाहन में से 234 आईटम गायब हुए हैं, जिनमें 221 आईफोन, 16, वीवो फोन, 1 सेमसंग गेलेक्सी, 2 रेडमी फोन, 1 हैड फोन आदि सामान था। इस तरह दोनों ड्राइवर नासिर खान व चाहत खान ने लोड वाहन ट्रक में से मुम्बई व दिल्ली के बीच पहुंचने वाले रास्ते में 234 आइटम चुरा लिये। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि नासिर खान व चाहत खान नाम के व्यक्तियों ने अपने फर्जी दस्तावेज पेश किये थे और नासिर खान व चाहत खान नाम के दोनों व्यक्ति इस नाम के ना होकर क्रमशः अफजल व असलम निवासी गोठड़ीगुर्र के हैं।

इस पर मुकदमा दर्ज कर जांच की। जांच के दौरान अफजल निवासी गोठड़ीगुर थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर, असलम निवासी गोठड़ीगुर थाना लक्ष्मणगढ जिला अलवर, सुधीर यादव निवासी असलीमपुर की ढाँणी तिजारा थाना तिजारा जिला खैरथल तिजारा को गिरफ्तार किया गया व 27 एप्पल कम्पनी के मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं।

शोभायात्रा के साथ दो दिवसीय "थार महोत्सव" शुरू

विभिन्न प्रतियोगताएं आकर्षण का केन्द्र रही, नक्षत्री थार सुन्दरी और धमेन्द्र डाबी थारश्री बने

- दादा-पोता दौड़ में 67 साल के मूलाराम और 14 साल के पोते महिपाल ने रेस जीती
- दंपती दौड़ में सरकारी अध्यापक सवाईराम अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर दौड़े और रेस जीती

थार महोत्सव का जिला कलेक्टर टीना डाबी ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर आगाज किया।

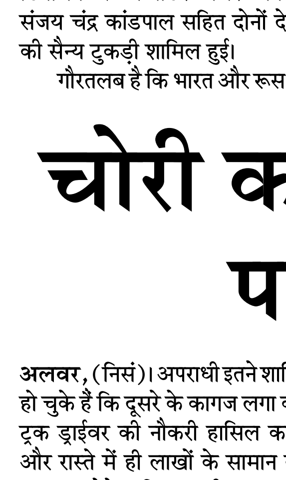

थारश्री बने धर्मेन्द्र डाबी।

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाड़मेर जिला मुख्यालय पर राजस्थानी कला, संस्कृति, लोक गायकी और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय थार महोत्सव का आगाज जिला कलेक्टर टीना डाबी ने गांधी चौक पर शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया। यह भव्य शोभायात्रा मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, नेहरू नगर होते हुए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर तय करते हुए आदर्श स्टेडियम पहुंची।

इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लिए गांधी चौक से रवाना हुईं। शाही लवाजमे के साथ निकली शोभायात्रा में विभिन्न क्षेत्रों से आए दलों ने प्रस्तुतियां दी। ऊंट, घोड़े, ऊंट गाड़ी पर सवार लोक कलाकारों ने गीतों की प्रस्तुतियां दी। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इस बार महोत्सव में कार्यक्रमों की थीम रंग रंगिस्तान पर रखी गई है। शोभायात्रा के आदर्श स्टेडियम पहुंचने पर थार महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यहां गेर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। यहां जिला कलक्टर टीना डाबी, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर, आईएएस छाया सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने हाइड्रोजन बैलून छोड़कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान समाजसेवी दीपक कड़वासरा, रमेशसिंह इंदा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसाराम बोस समेत विभिन्न विभागीय अधिकारी, कार्मिक, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस दौरान थार श्री एवं थार सुन्दरी प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से निर्णायक मंडल ने मुंबई के सोफिया कॉलेज में पढ़ने वाली नक्षत्री को थार सुन्दरी चुना। वहीं बाड़मेर में मैकेनिक का काम करने वाले धर्मेन्द्र डाबी ने परंपरागत पोषाक, आभूषण, व्यक्तित्व के आधार पर थारश्री का खिताब जीता। घुड़सवारी प्रतियोगिता में बाड़मेर शहर निवासी रूपसिंह अपने घोड़े श्याम को लेकर पहुंचे। इस दौरान दादा-पोता दौड़ में 67 साल के मूलाराम और 14 साल के पोते महिपाल ने रेस जीती। इसी तरह दंपती दौड़ में सरकारी अध्यापक सवाईराम अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर दौड़े और रेस जीती। वहीं महिलाओं ने सिर पर मटका लेकर दौड़ लगाई। इस मटका दौड़ में बिशाला की रतनी विजेता रही। इस दौरान साफा बांधने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान प्रशासन और मीडिया के बीच रस्साकस्सी का रोचक मुकाबला हुआ, जिसमें जिला प्रशासन की टीम विजेता रही और मीडिया टीम उप विजेता रही। इन टीमों को जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार और बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर ने ट्रॉफी प्रदान की।

थार महोत्सव के प्रथम दिन आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में ढोल वादन में सैफ अली खान विजेता, पनिहारी मटका दौड़ रतनी, परमेश्वरी, सुशीला, मेहंदी प्रतियोगिता में प्रियंका, लक्ष्मी, गंगा, रंगीली में सुनील, मनु, संतोष विजेता रहे। बास्केटबाल प्रतियोगिता शहीद उगमसिंह क्लब एवं मल्लीनाथ क्लब के मध्य हुआ। इसमें 41-55 से मल्लीनाथ क्लब से मुकाबला जीता। दादा पोता दौड़ में विजेता मूलाराम-महिपाल, रस्सा कस्सी महिला में ग्रामीण महिला विजेता, सुंदर मूंछ प्रतियोगिता में खेताराम, साफा बांधो प्रतियोगिता में दीपसिंह भाटी, सुंदर साफा में अशोक शेरा, दंपति दौड़ में सवाईराम एवं लता विजयी रहे।

श्रीगंगानगर में छाई धुंध, विजिबिलिटी 100 मीटर

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने के साथ ही सर्दी का असर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री तक गिरावट रिकॉर्ड की गई है। सुबह-शाम सर्दी बढ़ने लगी है और बारिश के बाद मौसम ठंडा होने लगा है। बुधवार को ग्रामीण इलाकों में धुंध के कारण विजिबिलिटी 100 मीटर रही। कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर बुधवार सुबह का न्यूनतम पारा 19.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 20.2 और अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री व अधिकतम तापमान 37 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले 4 से 5 दिन जिले में मौसम ड्राइ रहेगा और धूप रहेगी। किसानों ने बताया कि खेतों में मूंग की फसल पकने को है, जबकि नरमा और कपास की चुगाई का काम शुरू हो चुका है। आंधी और बारिश के कारण इन फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है।

दो कारों से शराब जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटनाक्रम के अनुसार मुखबिर के जरिये मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने थाने के बाहर नाकेबंदी के दौरान शराब से भरी दो लग्जरी कारों को रोका और उनकी तलाशी लेने पर दोनों कारों के बोनट में छिपाकर रखी शराब की 140 बोतल जब्त की है। वहीं, तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर के जरिए सागवाड़ा से सीमलवाड़ा होकर गुजरात शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर थाने के बाहर नाकेबंदी की गई। इस दौरान दो कारें आगे पीछे आते हुए दिखाई दी। पुलिस ने दोनों कारों को रुकवाकर तलाशी ली। इस दौरान दोनों कारों के बोनट में शराब छिपाकर रखी हुई थी। जिस पर पुलिस ने दोनों कारों को जब्त किया। एक कार से शराब की 69 बोतल व दूसरी कार से 71 बोतल शराब बरामद की। पुलिस ने उदयपुर निवासी विजय सिंह, डूंगरपुर जिले के आंदेला निवासी सुभाष चंद्र लबाना और डूंगरपुर के निठाउवा निवासी दिलीप लबाना को गिरफ्तार किया है।

बैठक में पेयजल, बिजली, सड़क, कृषि सहित जनहित के विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

साधारण सभा की बैठक में उपस्थित जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, सीईओ नरेन्द्र मीणा।

दौसा। जिला परिषद साधारण सभा की बैठक बुधवार को जिला परिषद के सभागार में जिला प्रमुख हीरालाल सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें पेयजल, बिजली, सड़क, चिकित्सा, कृषि सहित जनहित के विभिन्न मुद्दों छाये रहें।

जिला प्रमुख हीरालाल सैनी ने कहा

- **विभागीय अधिकारी गंभीरता से त्वरित कार्यवाही करें, ताकि जनसमस्याओं का हो निराकरण और गांवों के विकास को मिले गति : जिला प्रमुख**

कि सदस्यों की ओर से उठाए मुद्दों पर संबंधित अधिकारी गंभीरता से त्वरित कार्यवाही करें, ताकि आमजन की समस्याओं का निराकरण हो और गांवों के विकास को गति मिले। जिला परिषद साधारण सभा के आरंभ में गत बैठक की पालना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिस पर कई सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उसके बाद सबसे पहले जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यों पर चर्चा करते हुए सदस्यों ने हर व्यक्ति को पेयजल उपलब्ध कराने और पेयजल पाइप लाइन डालने के दौरान टूटी सड़कें ठीक कराने पर चर्चा की।

अधीक्षण अभियंता ने सदस्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के दौरान टूटी सड़कों के संबंध में समिति का गठन कर कार्यवाही की गई है। नियमानुसार कार्य करवाकर सड़कों को वाहन चलने योग्य बनाया गया है। उन्होंने सिकराय में सड़क ठीक कराने के संबंध में कहा कि वहां अधिशासी अभियंता ने जनप्रतिनिधियों के साथ संयुक्त निरीक्षण कर सड़कों की मरम्मत करवा दी है। इसी प्रकार इसरदा परियोजना के अधिकारियों ने बताया कि जैसे-जैसे पाइप लाइन डालने का कार्य हो रहा है, वैसे ही सड़कों की मरम्मत करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए 164 किलोमीटर सड़क प्रभावित हुई है, जिसमें लगभग 20 किलोमीटर सड़क की मरम्मत करवाना शेष है। जिले में यूरिया एवं डीएपी वितरण पर चर्चा के दौरान कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि डीएपी का वितरण विभागीय मॉनिटरिंग में करवाया जा रहा है। हर दुकान पर विभागीय कार्मिक की ड्यूटी लगाई हुई है।

इसके बावजूद भी अगर कहीं से कोई शिकायत मिलती है तो उचित कार्यवाही की जा रही है। जिला परिषद सदस्यों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के मसलों पर चर्चा करते हुए विभिन्न गांवों में नई सड़कों की जरूरत, स्वीकृत एवं निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति, क्षितग्रस्त सड़कों की मरम्मत सहित विभिन्न मुद्दे उठाते हुए सुझाव रखे। बिजली पर चर्चा करते हुए सदस्यों ने ट्रांसफार्मर, बिजली लाइन शिफ्टिंग जैसी समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर अधीक्षण अभियंता ने सदस्यों सकारात्मक कार्यवाही कर समस्याओं के निस्तारण के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, रसद विभाग, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, प्रारंभिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, कृषि विभाग, उद्यान, पशुपालन, जल संसाधन विभाग, मत्स्य पालन, श्रम विभाग, सहकारिता विभाग, आबकारी विभाग, मनरेगा योजना

विद्यार्थियों ने तिरंगा रैली निकालकर देश प्रेम की भावना जगाई

तिरंगा रैली का कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया

चाकसू। कस्बे के कस्तूरी देवी कॉलेज के तत्वावधान में विशाल तिरंगा रैली का हुआ। उपखण्ड अधिकारी निधि मीना, समाजसेवी नन्दकिशोर शर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष कृष्णा सैनी, चन्दन गुर्जर, महेश संस्था अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, सह. संस्थापक सत्यनारायण शर्मा, उपाध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा एवं निदेशक राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, सह निदेशक सुमित शर्मा, प्राचार्य डॉ. सुरेश शर्मा, मंन्जू शर्मा मैं तिरंगा रैली को कॉलेज प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो कस्बे के मुख्य बाजारों से होते हुए कॉलेज प्रांगण में पहुंची। तिरंगा रैली में क्षेत्र के गणमान्य लोग, समाज सेवी, आम जन, कॉलेज व्याख्याता, कर्मचारी एवं कॉलेज के विद्यार्थियों एवं युवा मण्डलों के सदस्य भागीदार बनें। राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने अपने उद्बोधन के माध्यम से छात्र छात्राओं को भारतीय संस्कृति सभ्यता के महत्व को बताते हुये राष्ट्र भक्ति का संन्देश दिया। उन्होने राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों के महत्व एवं उनके सम्मान के बारे समझाया।

मुख्य ध्वज लेकर छात्र विशाल बैरवा ने तिरंगा रैली का नेतृत्व किया। तिरंगा रैली में विद्यार्थियों ने भारत माता, रानी लक्ष्मी बाई, भगत सिंह, चन्द्र शेखर आजाद, महात्मा गांधी व अन्य देश के नायको की वेशभूषा में झांकिया प्रर्दशित की। इस तिरंगा रैली का कई स्थानों पर शहरवासियों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा देश भक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने बताया की तिरंगा रैली का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों व युवाओं को इस देश को प्राप्त आजादी के महत्व को समझाया।

'अज्ञानता और लालची प्रवृत्ति के कारण हम साईबर अपराधों का शिकार होते है'

- **राष्ट्रीय साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों ईकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय साईबर अपराध समन्वय केंद्र 14 सी नई दिल्ली एवं आयुक्तालय के आदेशानुसार राष्ट्रीय साईबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना जिला समन्वयक प्रो. अशोक सिंह ने अतिथियों एवं कार्यक्रम की जानकारी प्रस्तुत की। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मोबाईल व इंटरनेट पर कम से कम समय खर्च करने की सलाह दी और अपने कैरियर पर फोकस करने को कहा। मुख्य वक्ता जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने विद्यार्थियों को साईबर क्राईम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को सोशियल मीडिया के नशे से दूर रहने की राय दी। सोशियल मीडिया के युग में हमारी निजता और डेटा सुरक्षित नहीं है। अपनी सारी जानकारी सोशियल मीडिया पर शेयर करं हम डिजिटल फुट प्रिंट को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने फिशिंग, क्रिप्टो जैकिंग, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाईन बैंकिंग ठगी, साईबर ट्रेडिंग आदि की विस्तृत जानकारी दी।

एसपी बिश्नोई ने कहा कि हमें अनजान कॉल, मैसेज और लिंक से नहीं जुड़ना है संचालन कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संदीप कुमार आर्य ने किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. शुभलता यादव ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान एनसीसी प्रभारी प्रो. बाबूलाल मीणा, प्रो. नीरू. प्रो. मालीराम मीणा, प्रो. हरिराम धनेटिया, प्रो. बरखा, प्रो. माधुरी गंगावत, प्रो. कृष्ण पोसवाल समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स व विद्यार्थी मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि

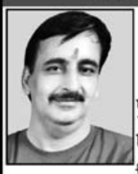

श्री संजय कुमार एलानी पुत्र श्री ओमप्रकाश जी एलानी के आकस्मिक निधन पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते है और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवे एवं उनके परिवारजन को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

श्रद्धावनत- संजय मालपानी (मालपानी पब्लिसिटी) एवं समस्त स्टॉफगण, गणगौरी बाजार, जयपुर-9414063040

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

करवा चौथ पर्व पर महिलाए कर रही जमकर खरीदारी

पावटा। कस्बे के बाजारों में करवा चौथ पर्व को लेकर पूरी तैयारी दिख रही है। महिलाओं द्वारा इस पर्व के लिए जोर-शोर से खरीदारी की जा रही है, जिससे बाजारों में भारी भीड़ देखी जा रही है। करवा चौथ की तैयारी में महिलाए सजावट के सामान, कपड़े, गहने, और विशेष करवे (पूजा के बर्तन) की जमकर खरीदारी कर रही है। दुकानदारों ने भी इस पर्व को ध्यान में रखते हुए स्टॉक को नयी-नयी वस्तुओं के साथ भर दिया है।

बाजार में साड़ियां, डिजाइनर लहंगे, पूजा की थालियां, करवे, श्रृंगार की वस्तुएं और विशेष चूड़ियों की भारी मांग देखी जा रही है। कई दुकानदारों ने विशेष करवा चौथ ऑफर और डिस्काउंट भी पेश किए हैं, जिससे महिलाओं का उत्साह और बढ़ गया है। करवाचौथ व्रत पर श्रृंगार, मेहंदी, पूजा व व्रत से जुड़ी सामग्री की खरीददारी के लिए बुधवार को उपखंड पावटा के सभी बाजार ग्राहकों से गुलजार रहे।

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या ई-16, अभिनव विहार विस्तार योजना का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र कहीं गुम हो गए है मिलने पर सम्पर्क करें। चैना राम चौधरी फोन नंबर-9116534524

मेरे भूखण्ड संख्या ई-43, अभिनव विहार विस्तार योजना का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र कहीं गुम हो गए है मिलने पर सम्पर्क करें। महेन्द्र पाल सिंह फोन नंबर-98872 09290

मेरा मकान सं. 29/एस-6 धरौंदा, प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र भौतिक कब्जा पत्र, जमा रसीदें, कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सम्पर्क करें। विजयलता जैन-8619746748

भारत भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की आवासीय योजना-आनन्द निकेतन, जयपुर के पुराना भूखण्ड सं. 259 नया भूखण्ड सं. 251 का सोसायटी द्वारा जारी मूल आवंटन रसीद, साईट प्लान व रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। विभा सुराणा-मोबाईल नम्बर 9820595850

भारत भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की आवासीय योजना-आनन्द निकेतन, जयपुर के पुराना भूखण्ड सं. 273 नया भूखण्ड सं. 264 का सोसायटी द्वारा जारी मूल आवंटन रसीद व साईट प्लान कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। विभा सुराणा-मोबाईल नम्बर 9820595850

भारत भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की आवासीय योजना-आनन्द निकेतन, जयपुर के पुराना भूखण्ड सं. 258 नया भूखण्ड सं. 250 का सोसायटी द्वारा जारी मूल आवंटन रसीद, साईट प्लान व रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। विभा सुराणा-मोबाईल नम्बर 9820595850

मेरे भूखण्ड सं. A21(NEW),11(OLD) म्यूच्यूअल हाउसिंग को-आपरेटिव सोसाइटी लि. की योजना तारा नगर 1ST-A झोटवाडा जयपुर का सोसाइटी से जारी मूल सोसाइटी रसीद कहीं गुम हो गयी है सूचित करें-मोहन लाल वर्मा मो. -9887197160

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेंरे अभिभाष्य श्री गणेश दास वैष्णव पुत्र श्री राधेश्याम वैष्णव निवासी- डी/264, रामेश्वर नगर, बासनी फर्स्ट, फेस, जोधपुर राजस्थान-342005 हाल निवासी-प्लॉट नंबर-65, स्कीम-2, सिंधी कॉलोनी, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर 302012 का भाई राजू दास वैष्णव पुत्र श्री राधेश्याम वैष्णव मेरे अभिभाष्य व उसके परिवार के कहने में नही है मेरे अभिभाष्य ने कई बार समझाने की नाकाम कोशिश की उसके बावजूद भी मेरे अभिभाष्य का कहना नही मानते है इसलिए मेरे अभिभाष्य ने अपने भाई से सभी रिश्ते, नाते, खत्म कर दिये है तथा पूर्व में भी स्वयं के समाज के समक्ष भी मेरे अभिभाष्य ने संपूर्ण रिश्तो को समाप्त किया था भविष्य मे कोई भी व्यक्ति, संस्था मेरे अभिभाष्य के भाई राजू दास वैष्णव से किसी भी प्रकार का कोई लेन देन व संव्यवहार करते है तो इसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी। मेरे अभिभाष्य व उसके परिजन जिम्मेदार नही होंगे। सूचित रहे।

दि. 08.10.2025 किशोर गोपालानी (एडवोकेट) 9829980040

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

क्रमांक : DHC-II/1098 **जाहिर आम सूचना** दिनांक : 07.10.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा फ्लैट संख्या 141/सी-902, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 51.33 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री राजकुमार परनामी पुत्र स्व. श्री गोकुल चंद एवं श्रीमती सीमा तनेजा पुत्री श्री राज कुमार परनामी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1820 दिनांक 31.12.2015 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 11.05.2016 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 35 दिनांक 11.04.2016 के द्वारा श्री राजकुमार परनामी पुत्र स्व. श्री गोकुल चंद एवं श्रीमती सीमा तनेजा पुत्री श्री राज कुमार परनामी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात संयुक्त क्रेता श्री राजकुमार परनामी की मृत्यु दिनांक 18.10.2018 को हो जाने के कारण इनकी पुत्री श्रीमती सीमा तनेजा पुत्री स्व. श्री राजकुमार परनामी ने 1/2, अविभाजित हिस्से का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत वसीयतनामा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को अपने नाम हस्तानान्तरण हेतु निवेदन किया है। अत: उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति / आवेदक श्रीमती सीमा तनेजा पुत्री स्व. श्री राजकुमार परनामी के पक्ष में उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबंधक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना

आवास संख्या 1/516, एन.ई.बी.विस्तार योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री मोहन सिंह पुत्र स्व. श्री सरदार सिंह को आवंटन पत्रांक 528 दिनांक 06.05.2010 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 2730 दिनांक 31.08.2010 को श्री मोहन सिंह के नाम जारी कर दिया गया था। श्री मोहन सिंह द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से उपपंजीयक कार्यालय, अलवर में दिनांक 24.01.2011 को पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री मोहन सिंह द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 29.07.2013 को श्रीमती सुनीता शर्मा पत्नी श्री राकेश कुमार शर्मा को कर दिया गया। मण्डल द्वारा आवास का नाम लीज हस्तांतरण कार्यालय आदेश क्रमांक 1615 दिनांक 23.06.2015 को श्रीमती सुनीता शर्मा के नाम जारी कर दिया गया। श्रीमती सुनीता शर्मा द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 09.09.2024 को श्रीमती सपना शर्मा पत्नी श्री ऋषभ कुमार को कर दिया गया। श्रीमती सपना शर्मा द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु दस्तावेज एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त मूलतः आवास संख्या 1/516, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती सपना शर्मा पत्नी श्री ऋषभ कुमार के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत अलवर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना

आवास संख्या 2/373, एम.डब्ल्यू.बी. योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री एम.एन. पारीक पुत्र श्री पन्ना लाल पारीक को आवंटन पत्रांक 6714 दिनांक 21.11.1987 एवं संशोधित आवंटन पत्रांक 7463 दिनांक 01.12.1987 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 559 दिनांक 14.05.1990 को श्री एम.एन. पारीक के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्री एम.एन. पारीक द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 29.05.1990 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री एम.एन. पारीक द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 20.12.1990 को श्री टीकाराम पुत्र श्री गोविन्दराम को कर दिया गया। श्री टीकाराम द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 20.09.1996 को श्री मुशील कुमार माथुर पुत्र श्री शान्तिप्रसाद माथुर को कर दिया गया। श्री मुशील कुमार माथुर की मृत्यु दिनांक 25.10.2020 को हो जाने के उपरान्त उनके उत्तराधिकारी पुत्र द्वारा मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत आवश्यक दस्तावेजों एवं पंजीकृत रिलीजडीड (हकत्याग पत्र) दिनांक 20.10.2021 के आधार पर मण्डल के कार्यालय आदेश पत्रांक 2236 दिनांक 10.02.2022 के द्वारा आवास का नाम प्रतिस्थापन हस्तांतरण श्री मुकेश माथुर पुत्र स्व. श्री मुशील कुमार माथुर के पक्ष में जारी कर दिया गया। श्री मुकेश माथुर द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 01.07.2022 को श्रीमती स्नेहलता महेश्वरी पत्नी श्री श्याम लाल महेश्वरी को कर दिया गया। श्रीमती स्नेहलता महेश्वरी द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 29.07.2024 को श्रीमती भागवन्ती देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश अरोड़ा एवं श्रीमती सुधा जैन पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार जैन को संयुक्त रूप से कर दिया गया। श्रीमती भागवन्ती देवी व श्रीमती सुधा जैन द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार संयुक्त रूप में लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु दस्तावेज एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 2/373, एम.डब्ल्यू.बी. योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती भागवन्ती देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश अरोड़ा एवं श्रीमती सुधा जैन पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार जैन के पक्ष में आवास के संयुक्त नाम से लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत अलवर

कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पास)

क्रमांक: एफ 13()उपा.लैण्ड/ननिज./2025/723 दिनांक 07/10/025

सार्वजनिक सूचना

मूल भूखण्ड संख्या 322, आदर्श नगर, जयपुर का पट्टा श्री हरवन्स सिंह पुत्र श्री दीवान सिंह को दिनांक 23.12.1971 को 492.72 वर्ग गज का जारी किया गया था। श्री दीपक परनामी पुत्र स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार परनामी भूसं. 322, आदर्श नगर, जयपुर का पूर्वी भाग क्षेत्रफल 246.36 व.ग. एवं श्री आशीष परनामी पुत्र स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार परनामी भूखण्ड संख्या 322, आदर्श नगर, जयपुर का पश्चिमी भाग क्षेत्रफल 246.36 व.ग. का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति एवं अण्डरटेकिंग के आधार पर एवं अन्य दस्तावेजो के आधार पर आवेदन प्रस्तुत कर उप विभाजन / नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड शाखा) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार उप विभाजन/नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 275/2024

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री महावीर प्रसाद जैन निवासी 65-66 जैन मौहल्ला, सीटीएस बस स्टेण्ड के पास, सांगानेर बाजार सांगानेर जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघी जी प्रबंध समिति सांगानेर जिला जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 01.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 04.12.2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं कोइला पत्नी श्री राज कुमार निवासी धौरहरा, पिपरागौतम, उत्तरप्रदेश। मुझे मेरे पुत्र चन्दन की मार्कशीट में मेरा नाम अंजलि देवी के स्थान पर नया नाम कोइला (KOILA) करवाना है। भविष्य में मुझे कोइला (KOILA) नाम ही रखना है।

मैं कु. गौरवी वर्मा पत्नी सेना नं. 15212946-P हवलदार (टी ए) सत्यदेव गांव रूसिया, पोस्ट डिघरूवा, तहसील बिन्दकी, जिला फतेहपुर राज्य उत्तर प्रदेश पिन 212657 मेरे पति के सेवा अभिलेख में मेरा नाम गौरवी वर्मा (GAURAVI VERMA) दर्ज है जबकि मेरा सही नाम कु. गौरवी वर्मा (KM. GAURVI VERMA) है।

I have changed my name from Divyapreet Kaur Walia (d/o Jatinder Singh Walia) to Divyapreet Kaur for all purpose R/o Flat G-2, D-148 Durga Marg, Paradise Apartment Banipark Jaipur-302016

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/753

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री अक्षिता शर्मा राबडो की ढाणी, वाटिका जयपुर राजस्थान 303905 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास धर्म अस्तित्व फाउंडेशन, राबडो की ढाणी, वाटिका जयपुर राजस्थान 303905 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 01.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 11.12.2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

स्वच्छ फुलेरा-स्वस्थ फुलेरा

प्ररूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)

लोक सूचना

क्रमांक/न.पा.फु./2025-26/1820 दिनांक-07.10.2025

श्रीमती सुरज्ञान देवी पत्नि श्री मानाराम निवासी ग्राम पोस्ट श्रीरामपुरा वाया नरायना, तहसील फुलेरा जिला जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर- कृषिक प्रयोजन के उपयोग (भू-रूपान्तरण) हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
जिला जयपुर जयपुर तहसील फुलेरा	फुलेरा	खसरा नम्बर 341/2 रकबा 2.0232 हैक्टेयर, किस्म बारानी 2 कुल खसरा 01 कुल रकबा 2.0232 हैक्टेयर भूमि में से 2 हैक्टेयर अर्थात 20000 वर्गमीटर भूमि,	2.0232 हैक्टेयर भूमि में से 2 हैक्टेयर अर्थात 20000 वर्गमीटर भूमि

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज ..... को जारी की गयी।

(सूर्यकान्त शर्मा) प्राधिकृत अधिकारी, नगर पालिका मण्डल फुलेरा

कार्यालय नगरपालिका पावटा- प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड)
नवोदय स्कूल के पास पावटा-303106 राज.

फोन 01421-294619 Email.Id: Nagarpalikapragpura@gmail.com

क्रमांक-न.पा.पाव.प्रा./2025-26/भूमि/838 दिनांक- 08.10.2025

आपत्ती आमंत्रण सूचना

निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में 69-क/स्टेट ग्रांट/कृषि भूमि नियमन पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा संख्या	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजननार्थ
1	श्रीमती मेवा देवी पत्नी श्री मूल चन्द गिठाला	630	किराडोद	499.11	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा

JAIPUR METRO RAIL CORPORATION LIMITED
1st Floor, Admin building, Metro Depot, Bhrigu Path, Mansarovar, Jaipur-302020
Tel. No. 0141-2822111; E-mail: gmtem@jaipurmetrorail.in

No. :- JMRC/O&S/EL/2025-26/NIB/014

NOTICE INVITING BID

JMRC invites bids from the eligible contractors/suppliers for **"Procurement of Bomb Blanket and Bulletproof Morcha's for Jaipur Metro Police in JMRC."** With estimated cost ₹ 45,49,265 incl. all taxes. Scheduled Last Date and Time for Submission of Bids is 27.10.2025 by 15:00 Hrs. Please visit JMRC website **https://transport.rajasthan.gov.in/jmrc**, SPPP Portal **https://sppp.rajasthan.gov.in** or **https://eproc.rajasthan.gov.in** for all Corrigendum/clarification/addendum. **(UBN No. JMR2526GLOB00094)**

Raj.Samwad/C/25/11676 **ED (Traction and E&M)**

प्रदूषण रहित, सस्ता, सुरक्षित एवं आरामदायक सफर - जयपुर मेट्रो

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-चिड़ावा

क्रमांक- दिनांक-

निविदा सूचना संख्या- 11 वर्ष 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन और सड़क निर्माण/मरम्मत कार्य की मुहरबंद निविदाएं सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में समक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की प्रति अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 09.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक बेची जाकर पूर्णरूप से भरी हुई निविदाएं उसी दिन दोपहर 2.00 बजे तक जमा करवाई जा सकेगी जो उसी दिन दोपहर 04.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा की अन्य शर्ते एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्ते व विवरण इस कार्यालय में व डीआईपीआर की वेबसाइट http://sppp.rajasthan.nic.in एवं www.dipr.rajathan.gov.in पर कभी भी देखी जा सकती है।

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड, चिड़ावा

कार्यालय नगर पालिका दूदू, जिला जयपुर

क्रमांक-न.पा.दु./2025-26/465 दिनांक-08.10.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका में निम्नानुसार आवेदकों ने अपने स्वामित्व दस्तावेजों के साथ आबादी भूमि नियमन हेतु आवेदन किया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	पता	नाप (वर्गमीटर में)
1	श्री मुल चन्द कुमावत पुत्र श्री रामसहाय	प्लाट नं. 18 प्रेम नगर द्वितीय मालपुरा रोड,दूदू	125.41
2	श्री मात दान बारेठ पुत्र श्री पाबूदान	डाक बंगले के पास, कृषि मंडी रोड, अजमेर रोड,दूदू	138.98
3	श्रीमति माया देवी पत्नी श्री गिरधारी सोनी	रॉयल सिटी कॉलोनी, नरैना रोड, दूदू	96.27
4	श्री गोपाल लाल कुमावत पुत्र श्री रामचन्द्र कुमावत	शिवाजी नगर नरैना रोड, दूदू	125.41

अतः उपयुक्त आवेदकों के पक्ष में आबादी भूमि नियमन जारी करने बाबत किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज इस सूचना के जारी होने से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दें बाद मियाद प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। सूचना में अंकित अवधि पश्चात पत्रावलियों के निस्तारण की कार्यवाही की जावेगी। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधिन आज दिनांक 08.10.2025 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका दूदू जिला जयपुर

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला -अजमेर (राज)

क्रमांक : न.प.कि./नक्शा प्रोजेक्ट/2025/29 दिनांक : 06.10.2025

-:: ई - निविदा सूचना संख्या 07 व 08/2025 - 2026 ::-

नगर परिषद किशनगढ की और से नगर परिषद किशनगढ एवं राजकीय विभाग में अनुसार निर्धारिणी श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से नगर परिषद किशनगढ में नक्शा पायलेट परियोजना के अन्तर्गत सर्वेक्षण कार्य (20 सर्वेक्षण दल) हेतु सर्वेयर, हेल्पर एवं वाहन मय चालक उपलब्ध करवानें सम्बन्धित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जानें की दिनांक 07.10.25 को प्रातः 9:00 बजें से तथा प्राप्त करनें की दिनांक 11.10.25 को दोपहर 12:00 बजें तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. DLB2526A6833, DLB2526A6834

राज.संवाद/सी/25/11646

आयुक्त
नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद, टोंक

कमांक :- एमसीटी/2025-26/8917 दिनांक :- 03.10.2025

इश्तेहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नाकिंत व्यक्ति द्वारा पटटा बनवाने हेतु पत्रावली प्रस्तुत की गई है।

क0 सं0	नाम पिता/पति	कॉलोनी	साईज	भूखण्ड संख्या	पट्टे की श्रेणी
1.	बद्री लाल/छीतर लाल	भरत नगर	178.33 वर्गगज	08	कृषि भूमि
2.	मानदाता जाट/रामदयाल जाट	भरत नगर	133.33 वर्गगज	62	कृषि भूमि
3.	कमलेश यादव/सीताराम यादव	भरत नगर	102.22 वर्गगज	49	कृषि भूमि
4.	फय्याज खांन/मोहम्मद इल्याज़	भरत नगर	144.44 वर्गगज	74	कृषि भूमि
5.	कालूराम सैनी/नारायण सैनी	भरत नगर	133.33 वर्गगज	27	कृषि भूमि
6.	राम पाल साहू/बद्री लाल साहू	भरत नगर	133.33 वर्गगज	11	कृषि भूमि
7.	बरजी देवी/श्योजी राम गुर्जर	भरत नगर	133.33 वर्गगज	10	कृषि भूमि
8.	हनूमान चौधरी/कैलाशचन्द	भरत नगर	133.33 वर्गगज	37	कृषि भूमि
9.	कुलदीप चौधरी/शंकर चौधरी	भरत नगर	111.11 वर्गगज	66	कृषि भूमि
10.	फूल कंवर/रूपनारायण शर्मा	भरत नगर	111.11 वर्गगज	19	कृषि भूमि
11.	शिमला देवी/दिनेश कुमार भानू	भरत नगर	117.77 वर्गगज	1 और 1-बी	कृषि भूमि
12.	शिवराज गुर्जर/प्रहलाद गुर्जर	भरत नगर	120 वर्गगज	25	कृषि भूमि
13.	दुर्गेश गुर्जर/देवकरण गुर्जर	भरत नगर	111.11 वर्गगज	26	कृषि भूमि
14.	राजाराम गुर्जर/रामदेव गुर्जर	भरत नगर	133.88 वर्गगज	72	कृषि भूमि
15.	जितेन्द्र कुमार गुर्जर/रामजस गुर्जर	भरत नगर	111.11 वर्गगज	18	कृषि भूमि
16.	रामेश्वर लाल यादव/कन्हैया लाल यादव	भरत नगर	111.11 वर्गगज	60	कृषि भूमि
17.	मीरा देवी/पप्पु लाल	भरत नगर	22.22 वर्गगज	01-ए	कृषि भूमि
18.	शिमला/राजाराम शर्मा	संतोष विहार	150 वर्गगज	11	कृषि भूमि
19.	राधा देवी/बृजमोहन शर्मा	संतोष विहार बी	150 वर्गगज	32	कृषि भूमि
20.	लाड देवी/हरिनारायण	टीचर्स कॉलोनी	133.33 वर्गगज	191	कृषि भूमि
21.	नीमलाल गुर्जर/केसर लाल गुर्जर	मूलचन्द कॉलोनी	44.44 वर्गगज	82 व 83	कृषि भूमि
22.	अनिता गुर्जर/रामस्वरूप गुर्जर	अम्बिका कॉलोनी	66.66 वर्गगज	46	कृषि भूमि
23.	मतीन मियां/रोशन अली	संतोष नगर ब्लॉक-बी	311.11 वर्गगज	466 467	कृषि भूमि
24.	मतीन मियां/रोशन अली	वैशाली नगर	216.66 वर्गगज	1-ए	कृषि भूमि
25.	निशात खांन/शहाबुद्दीन खांन	कमला विहार-ई	102.22 वर्गगज	26, 27	कृषि भूमि
26.	अनीता गोड़/हरिराम गोड़	ताज कॉलोनी	72.66 वर्गगज	185	कृषि भूमि
27.	सोहनी देवी/नीमलाल गुर्जर	मूलचन्द कॉलोनी	90 वर्गगज	82	कृषि भूमि
28.	अशोक कुमार यादव/कल्याणमल यादव	दीप नगर	100 वर्गगज	45,46	कृषि भूमि
29.	कृष्णा शर्मा/राजेश शर्मा	जयंती हाउसिंग योजना	66.66 वर्गगज	58-ए	कृषि भूमि
30.	कविता बैरवा/राजू लाल	गणेश वाटिका	133.33 वर्गगज	05	कृषि भूमि
31.	ईश्वर चावला/बुद्धि प्रकाश चावला	एन.एच. 12 जयपुर कोटा रोड़	177.77 वर्गगज	23	कृषि भूमि
32.	मनोहर लाल रेगर/छोटू लाल रेगर	रेगरों का मोहल्ला छावनी टोंक	96.44 वर्गगज	-	स्टेट ग्राण्ट

यदि इस कार्य से किसी आम, खास को उज्र/आपत्ति हो तो परिषद में प्रकरण सम्बन्धित दस्तावेजात सहित 07 दिवस के भीतर-भीतर अपनी आपत्ति मय प्रकरण से सम्बन्धित दस्तावेजात सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार चाहा गया पटटा जारी कर दिया जावेगा।

राज.संवाद/सी/25/11618 आयुक्त

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू, जिला-जयपुर ग्रामीण (राज.)

कमांक/न.पा.चा./2025/4928 दिनांक :- 03.10.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस नगर पालिका क्षेत्र में स्थित विभिन्न भूखण्डों की निम्नानुसार पत्रावली/ प्रार्थना पत्र मय साईट प्लान राजस्थान नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि के अकृषि उपयोग के अनुज्ञा एवं आवंटन नियम 2012 एवं धारा 69ए के तहत् निस्तारण हेतु विचाराधीन है :-

क.सं.	नाम	पिता/पति का नाम	पता	एरिया	विषय
1.	उर्मिला गुप्ता	सतीश चन्द्र गुप्ता	भू.सं. 19, संजय कॉलोनी, वार्ड नं. 19 नया 32, चाकसू	200 वर्गगज	नियमन
2.	उमेश कुमार जैन	विमल चन्द जैन	भू.सं. 10, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	123.64 वर्गमीटर	नियमन
3.	शंकर लाल शर्मा	रामसहाय शर्मा	भू.सं. 9, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	123.12 वर्गमीटर	नियमन
4.	राजू लाल गुर्जर	छोटू राम गुर्जर	भू.सं. 7, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	117.05 वर्गमीटर	नियमन
5.	अनन्त राम चौधरी	रामकरण चौधरी	भू.सं. 12, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	197.48 वर्गमीटर	नियमन
6.	सीताराम मीना	मुकुट बिहार मीना	भू.सं. 6, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	118.49 वर्गमीटर	नियमन
7.	विजय लक्ष्मी जांगिड	छोटू राम जांगिड	भू.सं. 05, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	117.71 वर्गमीटर	नियमन
8.	राहुल चौधरी	रमेश चौधरी	भू.सं. 11, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	124.16 वर्गमीटर	नियमन
9.	गणेश चौधरी	हरी नारायण चौधरी	भू.सं. 04, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	116.66 वर्गमीटर	नियनम
10.	हनुमान चौधरी	अर्जुन लाल चौधरी	भू.सं. 03, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	115.01 वर्गमीटर	नियमन
11.	धर्म सिंह चौधरी	रामचंद्र चौधरी	भू.सं. 02, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	113.13 वर्गमीटर	नियमन
12.	गुडडी देवी सैनी	फूलचंद सैनी	भू.सं. 08, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	122.26 वर्गमीटर	नियमन
13.	लक्षिता चांदना	शत्रुघ्न सिंह गुर्जर	भू.सं. 01, श्री राम विहार, सुरज कुण्ड रोड, चाकसू	274.54 वर्गमीटर	नियमन
14.	राधा देवी गुर्जर	कैलाश गुर्जर	भू.सं. 15, शान्ति नगर, टिगरिया रोड, चाकसू	171.74 वर्गमीटर	नियमन
15.	लाला राम माली	टोलू राम माली	वार्ड नं. 1, डाला वाली ढाणी, कस्बा चाकसू, जिला जयपुर	270.48 वर्गगज	69क पट्टा
16.	विनोद कुमार राजोरिया	फूलचन्द राजोरिया	भूखण्ड सं. 1, वार्ड नं. 11 नया 06, गोदामों के पास, कस्बा चाकसू, जिला-जयपुर	99.50 वर्गगज	69क व्यावसायिक पट्टा
17.	कमली	कालूराम	वार्ड नं. 18, नया वार्ड नं. 21, कोलियों का मोहल्ला, चाकसू, जयपुर	79.75 वर्गमीटर	69क पट्टा
18.	कन्हैया लाल सैनी	स्व. श्री बद्री नारायण माली	वार्ड नं. 18, नया 21, मौहल्ला मोडापाडा, चाकसू, जिला जयपुर	31.91 वर्गमीटर	69क पट्टा
19.	विमला देवी	राम गोपाल शर्मा	वार्ड नं. 10 नया 19 सरकारी अस्पताल के पास चाकसू, जयपुर	109.15 वर्गमीटर	पट्टा नवीनीकरण
20.	मैना देवी	राम प्रसाद सैनी	भू.सं. 36, कुंज विहार-ए, चाकसू	150 वर्गगज	नियमन
21.	नेहा देवी	हेमन दास	वार्ड नं. 11, कुम्हारान का मोहल्ला, चाकसू	107.86 वर्गमीटर	69क पट्टा
22.	पांची देवी	रामफूल चौधरी	वार्ड नं. 13 किसान धर्म कांटा के सामने टोंक रोड चाकसू, जिला जयपुर	55.54 वर्गगज	उपविभाजन /पुनर्गठन
23.	धापू देवी	नानग राम	भू.सं. 70, आदर्श देव बक्स कॉलोनी, चाकसू	185.87 वर्गमीटर	नियमन
24.	पूरण मल सैनी	लक्ष्मण लाल	वार्ड नं. 3, पीपली वाली ढाणी, चाकसू, जयपुर	119.14 वर्गमीटर	पट्टा नवीनीकरण
25.	मैना देवी	राम प्रसाद सैनी	भू.सं. 37, कुंज विहार ए, चाकसू	192.50 वर्गगज	नियमन
26.	ऐजाद अली	स्व. चान्द खां	मोहल्ला करारखानियान, वार्ड नं. 4, चाकसू, जिला जयपुर	42.43 वर्गमीटर	69क पट्टा
27.	देव नारायण बैरवा	लादू राम बैरवा	भू.सं. 181, ज्ञान कुंज विहार सी व सी स्कीम चाकसू	250 वर्गगज	नियमन
28.	बीना देवी	नन्द किशोर	कोलिया का मोहल्ला वार्ड नं. 21 चाकसू	53.66 वर्गगज	नियमन
29.	मीनू अर्णव कुमार सुधीर कुमार हितेश कुमार	जय प्रकाश	दुकान नं. 1 जे.पी. कॉलोनी, कृषि उपज मंडी, कोटखावदा, चाकसू	27.77 वर्गगज	उपविभाजन /पुनर्गठन
30.	लाला राम सैनी	रामस्वरूप सैनी	भू.सं. 36, कृष्णा सरोवर, टोंक रोड, चाकसू	37.46 वर्गमीटर	नियमन
31.	पारा देवी	प्रहलाद गुर्जर	भू.सं. 10, कृष्णा सरोवर, टोंक रोड, चाकसू	41.80 वर्गमीटर	नियमन
32.	घनश्याम सैनी	रामस्वरूप सैनी	भू.सं. 35, कृष्णा सरोवर, टोंक रोड, चाकसू	106.06 वर्गमीटर	नियमन
33.	भोजराज गुर्जर	माधोराम गुर्जर	भू.सं. 116, कृष्णा सरोवर, चाकसू	41.80 वर्गमीटर	नियमन
34.	सुनिता देवी	शंकर लाल	भू.सं. 96, कृष्णा सरोवर, चाकसू	41.80 वर्गमीटर	नियमन
35.	गौरव विजयवर्गीय	रामचरण विजयवर्गीय	भू.सं. 5, रावत विहार, वार्ड नं. 14, चाकसू	184.96 वर्गमीटर	नियमन
36..	गिरीश विजय वर्गीय	रामचरण विजय वर्गीय	भू.सं. 18, गोवर्धन नगर, चाकसू	183.33 वर्गगज	नियमन

उक्त भूमि के नियमन के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति है तो वह आपत्ति को लिखित में इस सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के अंदर-2 इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति अंगीकार नहीं की जावेगी एवं तदानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा।

उक्त सूचना आज दिनांक 03.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मुहर द्वारा प्रसारित किया गया।

राज.संवाद/सी/25/11717 अधिशाषी अधिकारी

संक्षिप्त

सांभर में संतों का मिलेगा सानिध्य

सांभरझील। सांभर में नवनिर्मित भव्य श्री श्याम बाबा के मंदिर के निर्माण के पश्चात मंदिर में स्थापित होने वाली मूर्तियों की 12 नवंबर से प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आगाज होगा। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन 16 नवंबर तक होगा। इस दौरान श्याम बाबा मंदिर में पधार रहे अनेक संतों का सानिध्य प्राप्त होने का सौभाग्य भी मिलेगा। धार्मिक समारोह में श्याम रंगीला परिवार के सदस्यों ने महामंडलेश्वर महंत श्री श्री 1008 नारायण दास महात्यागी जी महाराज, स्थान नागदा (मध्य प्रदेश) की चरण वंदना कर उन्हें आमंत्रित किया। बताया गया कि हाथोज धाम के पीठाधीश्वर श्री बालमुकुंद आचार्य की ओर से भी समारोह में उपस्थित होने के लिए सहर्ष अपनी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस मौके पर संत से आशीर्वाद प्राप्त करते श्याम रंगीला परिवार के सदस्य पंकज सिंघानिया नवनिर्मित श्याम मंदिर की विस्तृत जानकारी दी।

तृतीय करवा चौथ महोत्सव आज

मनोहरपुर । कस्बे के गांधी चौक स्थित अग्रवाल धर्मशाला में अग्रवाल महिला मंडल की ओर से गुरुवार 9 अक्टूबर को करवा चौथ की पूर्व संध्या पर तृतीय करवा चौथ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सुहागनों के पावन पर्व करवा चौथ को समर्पित विविध रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। मेहंदी प्रतियोगिता, नृत्य-गान, गेम्स सहित कई मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आयोजन स्थल को विशेष रूप से सजाया जाएगा और सभी प्रतिभागियों के लिए नाश्ता व भोजन की व्यवस्था रहेगी। महोत्सव को लेकर अग्रवाल समाज की महिलाओं में जबरदस्त उत्साह है। महिलाएं पिछले कई दिनों से कार्यक्रम की तैयारियों में जुटी हुई हैं। मंडल की पदाधिकारी महिलाओं ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज की एकता, संस्कृति और पारंपरिक पर्वों को सशक्त बनाना है।

3 दिवसीय वार्षिक उर्स आज से

मनोहरपुर। जयपुर के शास्त्री नगर पुलिस थाने के पास वाले मुस्लिम कब्रस्तान में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक हजरत मद्रासी बाबा रहमतुल्ला अलेह का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स 09 अक्टूबर 2025 गुरुवार से शुरु होगा जो कि 11 अक्टूबर 2025 शनिवार को कूल की रस्म के साथ में विधिवत संपन्न होगा! मुतवली व सज्जादा नशीन खलीफा मोहम्मद सलीम ने बताया कि 09 अक्टूबर गुरुवार को सुबह 9 बजे कुरानख्वानी होगी रात्रि 9 बजे बाद में मिलादुन्नबी कमेटी द्वारा मिलाद शरीफ की जाएगी जिसमें खुदा के हुकम व मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही जाएगी! ईसी प्रकार सोमवार 10 अक्टूबर शुक्रवार की शाम को चादर पेश की जाएगी रात्रि 9 बजे बाद में राजस्थानी प्रसिद्ध कव्वाल पार्टी द्वारा बाबा की मान मनुहार की जाएगी! शनिवार 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे रंग व कूल 10 बजे फातेहा, लंगर व दुआ होगी।

शिक्षक स्नेह मिलन समारोह आज

निवाई। बावड़ी वाले बालाजी के मंदिर में गुरुवार को द्वितीय शिक्षक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। शिक्षक नेता अजय चौधरी ने बताया कि द्वितीय शिक्षक स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल, जिला शिक्षा अधिकारी सुशीला करनानी, डीईओ माध्यमिक टोंक राजेशकुमार शर्मा, डीईओ प्रारंभिक शिक्षा टोंक भंवरलाल कुम्हार व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि भाग लेंगे।

आरोपी गिरफ्तार

निवाई। निवाई सदर थाना पुलिस ने एमएमडीआर एक्ट में दर्ज प्रकरण में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि अवैध बजरी परिवहन के मामले में फरार चल रहे एलपी डंपर के मलिक मोहनलाल पुत्र सोहनलाल निवासी पटेल नगर तुंगा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

बैठक संपन्न

निवाई। अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वावधान में आयोजित छठा जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को लेकर कन्हैयालाल प्यावडी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। महासभा के जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल राहोली व जिला महामंत्री रामभज वर्मा बगड़ी ने बताया कि रैगर महासभा के तत्वावधान में 28 दिसम्बर को जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया जाएगा।

भारत को तीसरी आर्थिक ताकत बनाना पीएम मोदी का सपना है : डॉ. किरोड़ी लाल

दौसा। प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. करोड़ी लाल मीणा ने कहा कि भारत को विश्व की तीसरी आर्थिक ताकत बनाने का प्रधानमंत्री मोदी का सपना है। अमेरिका जैसे देश ने 25 फ़ीसदी ट्रैरिफ को 50 प्रतिशत कर दिया। देश की आर्थिक स्थिति को डामाडोल करने की कोशिश की है। लेकिन भारत पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा।

कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा बुधवार को भाजपा कार्यालय में आत्म निर्भर भारत को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होने कहा कि जीएसटी के दो स्लैब एक पांच परसेंट का एक 18 परसेंट का, उपभोक्ता के काम आने वाली वस्तुओं पर जीएसटी घटाई है। हमारे विरोधी जीएसटी लगने से कमर टूटना बता रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहते थे लेकिन आज सभी टैक्स को एक जगह कर इंस्पेक्टर राज को खत्म कर दिया गया और समान रूप से जीएसटी में लाई गई। प्रधानमंत्री ने लोकल फोर वोकल का नारा देकर स्वदेशी को बढ़ावा दिया है। उन्होने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर होता जा रहा है। किसानों के उत्थान के लिए डीएपी का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्लांट बढ़ाए जा रहे हैं। राजस्थान में जिप्सम के बड़े भंडार है प्रधानमंत्री ने कृषि मंत्री से कहा है राजस्थान के भंडार को देखते हुए उत्तम क्वालिटी का फर्टिलाइजर कर सकते हैं। इससे आधा देश आत्मनिर्भर हो जाएगा। विकसित भारत का एकमात्र मार्ग अधिक से अधिक भारतीय उत्पादों का उपयोग करें

प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुये कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला।

■ आत्म निर्भर भारत को लेकर प्रेसवार्ता में बोले किरोडी

डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि विकसित भारत का एकमात्र मार्ग है आत्मनिर्भर भारत इसके लिए हम घर की रसोई से शुरूआत करेंगे। कपड़ों, बर्तनों, सजावट, त्योहारों, सबमें भारतीय उत्पादों का उपयोग करेंगे। यही सच्ची देशभक्ति है। उन्होने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान समस्त विश्व ने भारत की आत्मनिर्भरता को महसूस किया है। पाकिस्तान ने हजारों ड्रोन दागे, लेकिन हमारे आकाश मिसाइल सिस्टम और आकाशतीर ने उन्हें हवा में ही खत्म कर दिया। अब हम खुद रक्षा उपकरण बनाकर निर्यात कर रहे हैं।

आज देश में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, सोलर पैनल, और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय उद्योग लग रहे हैं। इस से हमारे आयात घट रहे है व निर्यात में बढ़ावा देखने को मिल रहा है। स्वदेशी अपनाने से आत्मनिर्भर भारत बनेगा और उसी से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। मैं प्रदेशवासियो विशेषकर दौसावासियों से आवहन करता हूं कि स्वदेशी अपनाएं और देश को सशक्त बनाएं। जब हम हमारे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान एक ऐसा अभियान है जो केवल कार्यक्रम नहीं बल्कि भारत के नवजागरण का यज्ञ है।

बिल्डिंग की लेब में लगी आग

टोंक। मुख्यालय स्थित बस स्टेण्ड के पास एक बिल्डिग अचानक आग लगने से हडकम्प मच गया तथा कलर लैब में रखी हुई बैटरी में जोरदार विस्फोट के साथ आग की लपटे निकलने लग गई, जिससे लैब में रखे हुए सामान जलकर खाक हो गए। घटना में लैब संचालक को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। बाद में सूचना पर पंहुची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को शहर के बस स्टैंड स्थित एक किराए के मकान में चल रही पूजा कलर लैब में अचानक बैटरी में अचानक ब्लास्ट के साथ आग की लपटे उठने लगी, आग की लपटों ने कलर लैब की मशीनों को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही देर में मशीन जलकर राख हो गई। जिससे लाखो रूपये के उपकरण जलकर राख हो गये। बताया गया है कि कलर लैब की दीवार के दूसरी तरफ एक कोचिंग सेंटर भी संचालित है, लेकिन समय रहते आग पर काबू पाने से बडा हादसा होने से टल गया।

प्रशिक्षणार्थियों का दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह

अलवर । भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज बेराबास में 24वें एसओ कन्डेन्स कोर्स एवं 172वें नॉन (जीडी) आधार प्रशिक्षण बैच के प्रशिक्षणार्थियों का दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें उप महानिरीक्षक के संजय कुमार कोठारी ने परेड का निरीक्षण कर प्रशिक्षण के दौरान सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

आईटीबीपी के उप महानिरीक्षक के संजय कुमार कोठारी ने बताया कि 24वें एसओ कन्डेन्स कोर्स के 6 हिमवीर एवं 1 हिमवीरांगना तथा 172वें नॉन (जीडी) आधार प्रशिक्षण बैच के 26 हिमवीर एवं 3 हिमवीरांगनाओं को आधार प्रशिक्षण पूर्ण करने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी अपनी

■ प्रशिक्षण के दौरान सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया

बेसिक ट्रेनिंग पूर्ण करने के उपरांत इस बल में एक प्रशिक्षित सदरू के रूप में शामिल हो गए हैं तथा जो प्रशिक्षण ग्रहण किया है वह देश की सेवा में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान 4 वीरांगना महिलाओं ने प्रशिक्षण किया है यह महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय ध्वज एवं बल ध्वज के समक्ष देशसेवा एवं कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई।

उन्होंने बताया कि शारीरिक, मानसिक एवं व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से इन हिमवीर एवं हिमवीरांगनाओं को 24 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण के दौरान इन्हें शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रील, हथियार, सिखलाई, फायरिंग, जूडो कराटे, युद्ध कौशल, काउंटर इंसरजेंसी, आंतरिक सुरक्षा और आईटीबीपी बल नियम अधिनियम आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया जिससे प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी आने वाली चुनौतियों का सामना आसानी से कर सके और देश की सेवा के साथ-साथ अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को भी निभा सके। इस दौरान 24वें एसओ कन्डेन्स कोर्स में ओवर ऑल बेस्ट प्रशिक्षणार्थी की ट्रॉफी सहायक उप निरीक्षक/स्टेनो विकास कुमार एवं 172 वे नॉन (जीडी) आधार प्रशिक्षण में कांस्टेबल (कोबलर) नंदन कुमार को प्रदान की गई।

विकसित भारत युवा संसद का आयोजन

दौसा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल मेरा युवा भारत के तहत स्व. पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम के आयोजन के लिए नोडल कॉलेज के रूप में चुना गया है। यह घोषणा जिले के युवाओं में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर जागरूकता और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

जिला युवा अधिकारी पूनम कुमारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दौसा जिले के युवाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वह देश के विकास और राष्ट्र निर्माण में अपने विचारों का योगदान दे सकें और उन्हें विकसित भारत की संकल्पना से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम में युवा आपातकाल के 50 वर्षः भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक जैसे समसामयिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।

प्रजापति समाज विकास एवं विवाह समिति की बैठक आयोजित

सांभरझील। भन्दे बालाजी परिसर स्थित श्री ब्रह्मा प्रजापति धर्मशाला में प्रजापति समाज विकास एवं विवाह समिति की आवश्यक बैठक का आयोजन समिति अध्यक्ष हूक्माराम दम्बीवाल की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। वहीं धर्मशाला भवन पर हो रहे हॉल के निर्माण कार्य

■ धर्मशाला भवन पर हो रहे हॉल के निर्माण कार्य को अन्तिम रूप दिया

को अन्तिम रूप दिया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए समिति के कोषाध्यक्ष बाबूलाल होदकास्या ने बताया कि समिति के तत्वाधान में आयोजित होने वाले समाज के 11 वें विवाह सम्मेलन की विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें सम्मेलन में आगामी विवाह सम्मेलन में कुल 51 जोड़ों का लक्ष्य रखा गया। इसके चलते समिति द्वारा अब तक 10 जोड़े का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। इसके साथ ही जोड़ों के ज्यादा से ज्यादा

बैठक का आयोजन अध्यक्ष हूक्माराम की अध्यक्षता में किया।

रजिस्ट्रेशन पर भी जोर दिया गया।

साथ ही सम्मेलन के पूर्व धर्मशाला में रंग रोशन के लिए चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया साथ ही धर्मशाला में मरम्मत कार्य के लिए टेण्डर किया गया। इसके बाद कोषाध्यक्ष बाबूलाल प्रजापति ने समिति के द्वारा किये गये हॉल निर्माण के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। वहीं रामस्वरूप प्रजापति बांसा ने समिति के द्वारा किये जा रहे कार्य की सराहना करते हुए अपने विचार रखे।

इसके साथ ही मूल चन्द खटोड़ ने सम्मेलन में वधू को दी जाने वाली ज्वैलरी को लेकर विचार रखे। बैठक के दौरान समाज के भामाशाहों ने आगामी सम्मेलन के लिए अपनी ओर से विभिन्न घोषणाएं की। इसके बाद बैठक के अन्तिम चरण में सभी आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही 26 अक्टूबर को आगामी मिटिंग की घोषणा की गई।

इस अवसर पर समिति के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल मारवाल, सूरजमल मारवाल, गोपाल लाल दम्बीवाल, माल चन्द कुकडवाल, राधेश्याम नागा, रामेश्वर लाल मारवाल, सुभाष चन्द बागरानिया, रामेश्वर प्रसाद गोयल, राजेन्द्र प्रजापति, गुल्लाराम, महेश कुमार, मोगाराम, पवन कुमार, शंकर लाल, जगदीश नारायण, रामनारायण, बंशी लाल, कैलाश चन्द सहित समाज के अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

उपभोक्ताओं के अधिकार, प्लास्टिक के दुष्परिणाम से बचाव पर जानकारी दी

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर जिला अध्यक्ष अजित कुमार हींगर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशानुसार पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने श्रीराम पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल शाहपुरा में नालसा योजना 2015 के अंतर्गत उपभोक्ताओं के अधिकार, प्लास्टिक के दुष्परिणाम से बचाव, पर विद्यार्थियों का शिविर आयोजित किया।

इस शिविर की अध्यक्षता प्रधानाचार्य हंसा जाट के द्वारा की गई। इस अवसर पर महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष हेमलता शर्मा उपस्थित रही। पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि आप किसी भी वस्तु की खरीदारी करते समय खरीदी गई वस्तुओं का बिल अवश्य लेवे, जिससे दुकानदारो द्वारा की चोरी रोकी जा सके। के द्वारा काटी गई रकम से राष्ट्र के विकास कोर्यो को बढ़ाया जा सके। अगर किसी भी मेडिकल स्टोर्स से खरीदी गई दवाई टेबलेट, इंजेक्शन का बिल आपने लिया है तो अगर उन दवाईयों के रिएक्शन होने पर आपको उसकी शिकायत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हेल्पलाइन नंबर 15100 नम्बरों पर सूचना देवे। अदालत के केस दर्ज कराने पर आपको उसके दुष्परिणाम पर क्षितपूर्ति राशि न्यायालय के आदेश पर मिल सकेगी। दवा निर्माण कर्ता पर कानूनी कार्रवाई की जा सके। आजकल खांसी की दवा के इस्तेमाल से से कई लोगों की आकस्मिक मृत्यु के समाचार आ रहे है। चिकित्सा विभाग द्वारा उसकी जॉच की जा रही है।

उपभोक्ताओं द्वारा खरीदें गए आइटम का बिल लेना आवश्यक है। इसी क्रम में पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने प्लास्टिक के दुष्परिणाम के बारे मे बताया कि आजकल जैमेटो, डीमार्ट एमेजोन जैसी कम्पनियां आनलाइन मार्केटिंग के क्षैत्र में प्लास्टिक वेस्ट द्वारा उत्पादित काले पैकेजिंग के डिब्बों का प्रयोग कर रही है। टेलीविजन, कम्प्यूटर, कैमिकल्स के प्लास्टिक कार्टुन, प्लास्टिक की थैलियों के अवशेषों के संयुक्त रूप से इन्हें गलाया जाने के बाद मोल्डिंग मशीन द्वारा अलग-अलग आकार के पैकेजिंग के वारदानो का प्रयोग किया जाता है। इन्हीं वेस्ट प्लास्टिक के डिब्बों का प्रयोग आपके घरों में खाद्य सामग्री में भोजन के पैकेट के रूप में आने लगा है।

'सरकार की मंशा अनुरुप अधिकारी आमजन से जुड़े कामों को प्राथमिकता से करें'

टोंक। जिला कलेक्टर ने बुधवार को डीओआईटी के भारत निर्माण सेवा केन्द्र में वीसी के जरिए सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े कामों को लेकर उच्च स्तर पर निरन्तर मॉनिटरिंग की जा रही है, इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों व कार्मिकों पर

■ फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए

सख्त कार्यवाही की जायेगी। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अनुरुप अधिकारी आमजन से जुड़े कामों को प्राथमिकता से कर उन्हें राहत पहुंचाए। जिला कलेक्टर ने पीएम एवं सीएम स्वनिधि योजना, ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर, सीएम जन सुनवाई के लम्बित प्रकरण, बाढ़ राहत कार्य,

जिला कलेक्टर ने वीसी के जरिए सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों का बैठक ली।

सम्पर्क पेंडेंसी, फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने पीएम स्वनिधि में आए आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता से करने पर जोर दिया। इसके लिए बैंकों से समन्वय स्थापित कर लाभार्थी को योजना का लाभ दिलाया जाए। जिला कलेक्टर ने ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों की समीक्षा कर सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी के प्रकरणों को निस्तारण शीघ्र करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री में जिले की प्रगति कम रहने पर नाराजगी जाहिर करते हुए इसे आगामी 7 दिन में बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास अधिकारियों को पेंशन सत्यापन के पेडिंग प्रकरणों को शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने पर जोर दिया। जिला कलेक्टर ने मानसून के दौरान हुई अतिवृष्टि के कारण जन एवं पशु हानि, क्षतिग्रस्त कच्चे व पक्के मकानों से संबंधित सहायता प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया।

इस दौरान सीईओ परशुराम धानका, एडीएम रामरतन सोंकरिया, एडीएम मालपुरा विनोद कुमार मीना, जिले के सभी एसडीओ, बीडीओ, तहसीलदार एवं अधिशाषी अधिकारी मौजूद रहें।

राशन की दुकान से 90 गेहूं के बैगों की चोरी

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भांकरी में राशन की दुकान मे चोरों के द्वारा लगभग 44- 45 क्विंटल गेहू चोरी कर लिया गया है। प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाते हुए उचित मूल्य दुकान डीलर धोलाराम पुत्र साधुराम निवासी दादाकाबास तन भांकरी ने बताया है कि ग्राम भांकरी श्याम मंदिर के पास उचित मूल्य दुकान है।

30 सितंबर मंगलवार को सितंबर माह के खाली बारदाने का बेचान कर दुकान बंद कर गया था। मेरी दुकान में अक्टूबर माह का राशन गेहूं करीब 131.85 क्विटंल माल भरा हुआ था। रविवार 5 अक्टूबर शाम 5 बजे के करीब पड़ोसी दुकानदार ने दुकान का ताला टूटा होने की जानकारी दी। जिस पर में दुकान पर पहुंचा व दुकान के अंदर का माल संभाला तो उसमें से 90 गेहूं के बैग गायब मिले।

जिसकी सूचना प्रागपुरा थाना पुलिस को दी गई। प्रागपुरा थाना पुलिस ने मौके पर आकर मौका मुवायना किया व आस पास लोगों से पूछताछ व जांच पड़ताल में जुट गई है।

सार-समाचार

गुमशुदा व चोरी हुये मोबाईल फोन बरामद कर पीड़ितों को किये सुपुर्द

सांभरझील। सांभर थाना पुलिस ने गुम व चोरी हुए मोबाइलों को उनके वास्तविक हकदारों को लौटाया तो सभी के चेहरे पर खुशी की लहर छा गई।राशि डोगरा डूडी पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया कि है कि गुमशुदा व चोरी हुये मोबाईल फोनों की बरामदगी कर परिवादियों को लौटाने के संबंध में जिले के समस्त अधिकारियों को अभियान चलाकर अधिक से अधिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व पुलिस उप अधीक्षक सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में थानाधिकारी सांभरलेक राजेन्द्र कुमार पुलिस निरीक्षक द्वारा 5 गुमशुदा/चोरी हुये मोबाईलो के संबंध मे सीईआईआर पोर्टल से जानकारी जुटा कर जयपुर, उदयपुर, हनुमानगढ व कस्बा सांभरलेक से 5 मोबाइल फोन को बरामद किया जाकर मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किये गये हैं। मोबाइल प्राप्त कर सभी पीड़ितों के चेहरे पर खुशी की लहर छा गई। पुलिस विभाग द्वारा गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस आउट कर बरामद करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आमजन से जयपुर ग्रामीण पुलिस की अपील है कि मोबाइल फोन को ट्रेस आउट करने के लिए सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं तथा जब भी नया या पुराना मोबाइल फोन खरीदें, तो उसकी पूरी जानकारी लें।

एक दिवसीय शिविर आयोजित

बौंली- बामनवास। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत बुधवार को सौगानी महाविद्यालय निवाई रोड रवासा, बौंली के प्रांगण में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया।शिविर का शुभारंभ शिविर में भाग ले रहे महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र, -छात्राओं ने ईश वंदना से की।प्रथम सत्र में स्वयं सेवकों ने योग व व्यायाम आदि का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम प्रभारी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला।द्वितीय सत्र में महाविद्यालय में श्रमदान किया गया, जिसमें सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में अलग-अलग भागों में साफ सफाई की, श्रमदान सत्र के दौरान कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र कुमार खाती के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ियां, पत्थर, कचरा आदि हटाकर एक स्थान पर एकत्रित किया। सेवा शिविर में मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राम गोपाल सिंह ने उपस्थित स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन कर प्रेरणादाई उद्बोधन दिया।सेवा शिविर में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सहित सभी ने श्रमदान कर स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन किया।

योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन

राजगढ़। लायंस क्लब राजगढ़ द्वारा गायत्री शक्तिपीठ परिसर में योग एवं ध्यान से तनाव मुक्ति पर गोष्ठी एवं अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक लायन खेम सिंह आर्य ने बताया कि इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में हार्टफुलनेस केंद्र राजगढ़ के जगदीश प्रसाद द्वारा विभिन्न प्रकार के आसन एवं प्राणायाम द्वारा स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रहने के टिप्स बताए गए। हीरालाल की ओर से ध्यान के माध्यम से मन को केंद्रित करने के बारे में बताया ताकि किसी प्रकार के नकारात्मक विचारों का प्रवेश न हो। लायन एन एल वर्मा ने योग पर आधारित चित्तवृत्ति,चित्तभूमि एवं योगाभ्यास के आठ योगांगो के अभ्यास की विस्तृत जानकारी दी । इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन प्रदीप गुप्ता,सचिव लायन एडवोकेट भूपेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष रामनिवास मीणा, वीरेंद्र शर्मा, संजय राजस्थानी, रामावतार बंसल, अजय यादव, शारदा शर्मा, सुमन यादव, गायत्री शक्तिपीठ की मुख्य ट्रस्टी मीना खंडेलवाल, प्रीति विजय, रश्मि विजय, मीतू सिंह आर्य, पदमा गोयल,गिर्राज प्रजापत सहित सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष उपस्थित रहे।क्लब अध्यक्ष लायन प्रदीप गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन लायन खेम सिंह आर्य ने किया।

अवैध पार्किंग से आवागमन में परेशानी

फुलेरा। जोबनेर रोड स्थित उपजिला चिकित्सालय के मुख्य द्वार के सामने अवैध पार्किंग से इलाज के लिए आने वाले रोगीयो व उनके परिजनों को भारी असुविधा उठानी पड रही है। यह नहीं है कि इस चिकित्सालय परिसर मे पार्किंग सुविधा नही है, यहाँ पर आने वाले प्रति दुपहिया वाहन के लिए मात्र दस रूपये निर्धारित है। लेकिन अधिकांश वाहन चालक को दस रूपये की राशि जेब पर भारी लगती है। वह दस रूपये बचाने के लिए अपना वाहन अस्पताल के मुख्य द्वारा के सामने खडा करके चले जाते है। इससे आपातकाल के लिए आने वाली एम्बुलेंस तो क्या पैदल चलने वालो तक के लिए रास्ता नहीं रहता है। वहीं पार्किंग व्यवस्था मे लगे ठेकेदार का कर्मचारी का कहना है कि वह प्रत्येक वाहन की पुरी सर्तकता चोकीदारी करने के बावजूद भी अपने पैसे बचाने के चक्कर में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने वाहनों को खड़ा कर देते हैं, जिसके कारण अस्पताल में आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। चिकित्सालय परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार व बाहर हो रही अवैध पार्किंग के कारण अस्पताल में वाहनों को आने जाने में समस्या हो रही है, उक्त समस्या को लेकर हमने नगरपालिका व स्थानीय पुलिस प्रशासन को अवगत करवा दिया है।

महिला हॉकी प्रतियोगिता 12 को

भरतपुर। सॉफ्ट हॉकी संघ, जिला भरतपुर के तत्वावधान में आगामी 12 अक्टूबर को सेक्टर 3 के ग्राउंड पर महिला हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में भरतपुर जिले की बालिकाएं भाग लेंगी, जिनका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे से होगा। प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे तथा विजेता टीम को शील्ड देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिला संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल की अध्यक्षता में सचिव संजय सिंह, खेल प्रभारी प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष योगेश दीक्षित, कोषाध्यक्ष सौरभ शर्मा, तथा सदस्य राजेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंघल, गोविंद शर्मा एवं रवि मित्तल को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह आयोजन सॉफ्ट हॉकी संघ, जिला भरतपुर के द्वारा सेक्टर 3 स्थित में किया जाएगा, जिसका उद्देश्य महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

हस्ताक्षर अभियान चलाया

भरतपुर। भरतपुर में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका लांबा व राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की महासचिव रिक्की सिंह हंतरा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दौरान भरतपुर में चांदपोल गेट, नमक कटरा और कई क्षेत्रों में सैकड़ो महिला कार्यकर्ताओं ने हस्ताक्षर अभियान में भागीदारी की व राहुल गांधी द्वारा चलाए जा रहे अभियान वोट चोर गद्दी छोड़ मुहिम को आगे बढ़ाते हुए उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए। प्रदेश महासचिव रिक्की सिंह ने इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभाई। इस अभियान की सबसे बड़ी चुनौती है जनता तक सही जानकारी पहुँचाना और उन्हें इस मुद्दे की गंभीरता से अवगत कराना। घर-घर जाकर के जनता को सच्चाई से अवगत कराया। इस अवसर पर परवीन, लक्ष्मी, कमलेश, पुष्पा, आशा देवी, सद्दाम, सबीना, आदि महिला कार्यकर्ता साथ रही।

ऑनलाइन आवेदन शुरू

दौसा। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय संस्थानों के माध्यम से मार्जिन मनी एवं ब्याज अनुदान युक्त ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। गत 3 सितम्बर को योजना अधिसूचित की गई है, जो 31 मार्च 2029 तक प्रभावी रहेगी। राज्य सरकार द्वारा योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन के लिए पोर्टल 6 अक्टूबर से प्रारम्भ कर दिया गया है।उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत वित्तीय संस्थानों के माध्यम से विनिर्माण एवं सेवा आधारित नवीन उद्यम की स्थापना तथा पूर्व में स्थापित उद्यम के विस्तार, विविधीकरण एवं आधुनिकीकरण के लिए अधिकतम 2 करोड़ रूपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में 'साहसी मानसिकता' को बढ़ावा दिया है, जिसमें ''हार का कोई विकल्प नहीं होता''। उन्होंने लगभग तीन साल टीम से बाहर रहने के बाद अपनी अंतर्राष्ट्रीय वापसी का श्रेय गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी दिया। **- वरुण चक्रवर्ती**

भारतीय गेंदबाज, कोच गौतम गंभीर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ब्रायन लारा

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने टीम की हालिया गिरावट के लिए धन और तकनीक की कमी को ज़िम्मेदार ठहराया, लेकिन साथ ही खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन के लिए और ज़्यादा जुनून दिखाने का आह्वान भी किया। अहमदाबाद में पहले टेस्ट में भारत से वेस्टइंडीज की करारी हार के बाद, टेस्ट कप्तान रॉस्टन चेज ने कैरेबियाई टीम में 'बुनियादी ढांचे की समस्याओं' और 'वित्तीय संघर्ष' की निरंतर समस्या पर प्रकाश डाला। क्रिकेट वेस्टइंडीज की क्रिकेट रणनीति से संबंधित समिति, जिसके लारा और चेज दोनों सदस्य हैं, ने इस पर चर्चा की थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और वेस्टइंडीज एक दूसरे से 142 मैचों में भिड़ीं। भारत ने 72 मैच जीते जबकि वेस्टइंडीज 64 मैचों में विजयी हुई 4 मैचों में कोई नतीजा नहीं निकला 2 मैचों बराबरी पर छूटे।

बेथ मूनी के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रनों से हराया

कोलम्बो, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में बुधवार को पाकिस्तान पर 107 रन की जीत दर्ज की। यह ऑस्ट्रेलिया की इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 222 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 36.3 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। सिद्रा अमीन ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। किम गर्थ को 3 विकेट मिले। मेगन शूट और एनाबेल सदरलैंड को 2 विकेट मिले। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही ऑस्ट्रेलिया ने 76 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में बेथ मूनी ने शतकीय पारी खेलकर 50 ओवर में टीम स्कोर 221/9 पहुंचा दिया। बेथ मूनी ने 114 बॉल पर 109 रन की पारी खेली। इस पारी में 11 चौके शामिल रहे। मूनी ने अलाना किंग के साथ 9वें विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी की। यह विमेंस वनडे क्रिकेट के इतिहास में 9वें नंबर की सबसे बड़ी साझेदारी है। पाकिस्तानी स्पिनर नाशरा संधू ने 3 विकेट झटके। कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2 विकेट लिए।

भारतीय रेसलर अमन सेहरावत पर लगा एक साल का बैन, एशियन गेम्स से भी रहेंगे बाहर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक 2024 ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सेहरावत मुश्किल में आ गए हैं। उनके ऊपर भारतीय कुश्ती महासंघ ने एक साल का बैन लगाया है। दरअसल, हाल ही में क्रोएशिया के जाग्रेब में आयोजित सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह डिस्क्वालीफाई कर दिए गए थे। उन्हें 57 किलोग्राम वर्ग में वजन सीमा से 1.7 किलो ज्यादा पाया गया था। इसी कारण उनके ऊपर नियम तोड़ने का आरोप लगा। अब उनके ऊपर एक साल के लिए बैन लगा दिया गया है।अमन अगले साल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वह अब भारतीय खेल इतिहास के पहले ऐसे एथलीट बन गए हैं जिनके ऊपर ओलंपिक मेडल जीतने के बाद भी होम फेडरेशन ने बैन लगाया है। उनका ये बैन 23 सितंबर 2025 से 22 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। ओलंपिक पदक विजेता और दो बार के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अमन सेहरावत के लिए ये एक बड़ा झटका है। वहीं अमन के बैन पर कुश्ती महासंघ ने एक पत्र में कहा कि, आपको कारण बताओ नोटिस की तिथि से एक साल की अवधि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती से जुड़ी सभी गतिविधियों से निलंबित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि ये निर्णय अंतिम है।

राजस्थान अंडर-23 टीम घोषित रोहन राजभर को टीम की कप्तानी व राज उपकप्तान

जयपुर 8 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं, चैलेंजर ट्रॉफी व प्रैक्टिस मैचों में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया। राजस्थान अंडर 23 टीम के चयनित खिलाडी :-सचिन यादव, धर्मवीर सैनी, रोहन राजभर (कप्तान), राज शर्मा (उपकप्तान), करण लाम्बा, दर्शन जैन, अनिरुद्ध सिंह चौहान, मोहित छांगरा, चेतन शर्मा, दीपेंद्रसिंह, गणेश सुथार, शोभित मिश्रा, भगवान सिंह, आयुष अमेरिया, सर्वज्ञ पानेरी, मिनाफशेख।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर होंगे जसप्रीत बुमराह-साई सुदर्शन, टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 10 अक्तूबर से दिल्ली में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। अब 10 अक्तूबर से दिल्ली में होने वाले सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में भारत 1-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। कप्तान शुभमन गिल की नजरें जहां होंगी बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीतने पर। वहीं प्लेइंग 11 में भी कुछ बदलाव इस मुकाबले में नजर आ सकते हैं। दो खिलाड़ी जिनको बाहर करने की संभावना है वो हैं जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन। वहीं देवदत्त पडिक्कल की एंट्री हो सकती है अगर सुदर्शन को प्लेइंग 11 से बाहर किया गया।

दरअसल, जसप्रीत बुमराह की बात करें तो एशिया कप2025 का फाइनल उन्होंने 28 सितंबर को खेला था। इसके बाद वह सीधे टीम के साथ अहमदाबाद पहुंच गए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने शानदार गेंदबाजी भी की थी। अब दिल्ली टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से भी वह बाहर हैं और 29 अक्तूबर से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में मैदान पर उतरेंगे। अभी ऑस्ट्रेलिया के कठि दौरे से पहले उनको आराम देकर प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया जा सकता है। बुधवार को अभ्यास सत्र में भी कृष्णा ने लंबे समय तक बुमराह, सिराज और रेड्डी के साथ गेंदबाजी की।

साई सुदर्शन ने जरूर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर कि चिंता बढ़ा रखी होगी। उन्होंने अपनी 7 टेस्ट पारियों में सिर्फ 147 रन ही बनाए हैं। अहमदाबाद टेस्ट में भी वह फ्लॉप रहे थे। ऐसे में अब दिल्ली टेस्ट में उनको आखिरी मौका मिलेगा। या फिर कप्तान व कोच देवदत्त पडिक्कल को आजमाना चाहेंगे। पडिक्कल की बात करें तो वह हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनाधिकारिक टेस्ट मैच में 150 रन की पारी खेलकर आए हैं। इसके अलावा उन्होंने तीन टेस्ट पारियों में भारत के खिलाफ एक अर्धशतक भी लगाया है। जबकि सुदर्शन सात पारिया खेलकर सिर्फ एक पचासा लगा पाए हैं।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल/साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह/प्रसिद्ध कृष्णा/ अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

ओडिशा ने महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ को 3-0 से हराया

नारायणपुर, 8 अक्टूबर। 30वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप (राजमाता जिजाबाई ट्रॉफी) के फाइनल राउंड में ओडिशा ने छत्तीसगढ़ को 3-0 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। ओडिशा की टीम ने मंगलवार शाम खेले गए इस मैच में शुरू से ही आक्रामक फुटबॉल खेलकर दबदबा कायम रखा। पहले हाफ में ओडिशा ने दो गोलों की बढ़त बना ली। 23वें मिनट में जसोदा मुंडा ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि 42वें मिनट में सुमित्रा हेंब्रम ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में छत्तीसगढ़ की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। खिलाड़ी जनवी साहू, मसिपोगु पुष्पा और कप्तान प्रियंका कश्यप ने कुछ बेहतरीन मूव बनाए, लेकिन ओडिशा की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर सस्मिता परिदा के शानदार प्रदर्शन के आगे वे गोल नहीं कर सकीं।

गोल्फ खेलने उतरे विंडीज के दिग्गज क्रिकेटर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। खेल के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक, क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सप्ताह आईजीपीएल द्वारा संचालित एक विशेष क्रिकेट वेस्टइंडीज गोल्फ डे के साथ अपनी विरासत को सीमाओं से परे ले जाने का काम किया।
वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ियों सर विवियन रिचड्र्स, ब्रायन लारा और सर रिची रिचर्डसन के साथ-साथ वर्तमान सितारे शाई होप और रोस्टन चेज की उपस्थिति में, यह अपनी तरह का पहला नेटवर्किंग अनुभव था जो क्रिकेट के दिग्गजों, वैश्विक व्यावसायिक नेताओं और खेल जगत की हस्तियों को एक मंच पर एक साथ लाया। सीडब्ल्यूआई के दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार, टीसीएम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने खेल की कुछ दुर्जेय ताकतों - जिन्होंने खेल को आकार देने में मदद की - की संगति में वेस्टइंडीज क्रिकेट के उत्सव को चिह्नित किया।

30 साल बाद विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव की भिड़ंत

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव 30 साल बाद एक बार फिर शतरंज के मैदान में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए दिखेंगे। बुधवार से अमेरिका के सेंट लुई में क्लच शतरंज द लीजेंड्स टूर्नामेंट में आमने-सामने होंगे।इस 12 बाजी वाले शतरंज मुकाबले की कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर होगी। वहीं इसका आयोजन नवीनीकृत सेंट लुई शतरंज क्लब में किया जाएगा।

साल 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर क्लासिकल वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद खेल के ये दो दिग्गज रैपिड एंव ब्लिट्ज प्रारूप में एक बार फिर आमने-सामने होंगे जिसे हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज नाम दिया गया है।

बता दें कि, गैरी कास्परोव ने आनंद के खिलाफ उस मुकाबले में दबदबा बनाया था और 20 बाजी का मुकाबला 10.5-7.5 से जीता था। 2004 में संन्यास लेने के बाद से कास्परोव केवल प्रदर्शनी या ब्लिट्ज प्रतियोगिताओं में ही खेले हैं जबकि आनंद अब कभी कभार टॉप प्रतियोगिताओं में

हिस्सा लेते हैं। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रतिदिन चार बाजी होंगी जिसमें दो रैपिड और दो ब्लिट्ज बाजी होंगी। पहले दिन जहां चार अंक दांव पर होंगे तो वहीं दूसरे दिन ये दोगुने हो जाएंगे। प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलेंगे। तीसरे दिन प्रत्येक बाजी जीतने पर तीन अंक मिलेंगे।

वहीं विजेता को 70,000 डॉलर यानी लगभग 62 लाख रुपये मिलेंगे जबकि हारने वाले को 50,000 डॉलर यानी लगभग 44 लाख रुपये मिलेंगे। अगर 12 बाजी के बाद मैच बराबरी पर रहता है तो इनामी राशि आधी-आधी बांटी जाएगी जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 60,000 डॉलर यानी करीब 35 लाख रुपये मिलेंगे। साथ ही 12 बाजी के लिए 24,000 डॉलर यानी करीब 12 लाख रुपये की बोनस राशि भी मिलेगी।

संजू को सिएट पुरुष टी-20 बल्लेबाज का पुरस्कार

मुंबई, 8 अक्टूबर।भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मंगलवार शाम सिएट क्रिकेट अवाड्र्स 2025 में सिएट पुरुष टी20आई बल्लेबाज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मिलाने पर सैमसन ने कहा,मैं यह पुरस्कार अपनी पत्नी चारु को समर्पित करना चाहूंगा, जो मेरे जैसे ही सफर पर है। मैं यह पुरस्कार दुनिया भर के उन सभी उत्साही क्रिकेट प्रशंसकों को भी समर्पित करना चाहूंगा जिनकी वजह से हम जहाँ भी जाएँ, सुपरस्टार की तरह व्यवहार कर पाते हैं और उनके बिना यह शो चलाना नामुमकिन है। उन्होंने कहा, मैं इस अवसर पर सिएट को इतने शानदार आयोजन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा जहां हम अपने व्यस्त कार्यक्रम से एक रात के लिए रुकते हैं, और हम क्रिकेटरों को मैदान पर उनकी उपलब्धियों के लिए सराहा जाता है। सैमसन ने कहा, इस समय, मैं खुद की भी सराहना करना चाहूंगा। मेरे जैसा एक व्यक्ति जो चुपचाप, धैर्यपूर्वक काम करता रहा और अपने सामने आने वाली सभी चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद मानसिक और शारीरिक रूप से मेहनत करता रहा। लेकिन हमेशा प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया और बाहरी शोर पर ध्यान देने के बजाय हमेशा अपने अंतर्मन पर ध्यान केंद्रित किया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सिराज और रवीन्द्र जडेजा ने किया कमाल, कुलदीप-राहुल ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। आईसीसी ने बुधवार को टेस्ट प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में कमाल की उठापटक देखने को मिली। भारत के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने नया कारनामा अंजाम दिया है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद इस अपने करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की है। सिराज के खाते में फिलहाल 718 रेटिंग अंक हैं। वहीं वह तीन पायदान के फायदे से 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वहीं कुलदीप यादव ने सात स्थानों की छलांग लगाई है। वह अब संयुक्त रूप से 21वें पायदान पर आ गए हैं। उनके और पाकिस्तान के स्पिनर साजिद खान के 644-644 अंक हैं। कुलदीप ने अहमदाबाद टेस्ट में चार विकेट अपने नाम किए। मैच में तीन विकेट लेने वाले स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह टॉप पर बरकरार हैं। उनके 885 अंक हैं। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा 851 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि न्यूजीलैंड के मैट हनरी 846 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। उनके 644 अंक हैं। वह 6 स्थान की छलांग लगाकर 25वें पर पहुंच गए हैं। 36 वर्षीय जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद शतक जड़ने के अलावा चार विकेट लिए थे। वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दाएं हाथ के बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शतक जमाया था और वह टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान चढ़कर 35वें स्थान पर चले गए हैं। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट की बादशाहत कायम है। वह 908 अंकों के साथ टॉप पर हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंडर-19 चार दिवसीय सीरीज 2-0 से जीती

मैकाय, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 और भारत अंडर 19 के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच में शुरू से अंत तक तेज गेंदबाज़ों और स्पिनरों दोनों का दबदबा रहा। यह मैच महज दो दिनों के अंदर ही समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने इस मुक़ाबले में जबरदस्त जीत हासिल की है। पहले मैच में ब्रिस्बेन की परिचित परिस्थितियों में भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी इकाई ने ख़ास प्रदर्शन नहीं किया था। उस मैच में उन्होंने पहली पारी में 243 और फिर 127 रन बनाए थे। उस मैच में मेजबान टीम को एक पारी और 58 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि उस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कई मौक़ों पर वापसी का अच्छा प्रयास किया था। हालांकि दूसरे मैच में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला। सिर्फ़ विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एलेक्स ली यंग ही बल्ले से अपनी क्लास दिखा पाए, लेकिन उन्हें अन्य किसी खिलाड़ी का साथ नहीं मिला।

भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार

विशाखापत्तनम, 8 अक्टूबर। क्रिकेट प्रेमियों के लिए कल एक शानदार मौका है जब भारतीय महिला टीम डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी महिला विश्व कप के एक अहम मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं से भिड़ेगी। मैच दोपहर 3 बजे शुरू होगा और देखने से लग रहा है कि पहला गेंद फेंके जाने से काफी पहले ही ड्रामा शुरू हो जाएगा।

भारत की उम्मीदें स्मृति मंधाना पर टिकी हैं, जो एक ऐसी बल्लेबाज हैं जो इतनी शानदार बल्लेबाजी करती हैं कि कम ही लोग उनकी बराबरी कर पाते हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में 54 की औसत और तीन शतकों और पांच

अर्धशतकों के साथ मंधाना न सिर्फ फॉर्म में हैं, बल्कि पूरी तरह से नियंत्रण में भी हैं। प्रतीका रावल शीर्ष क्रम में उनका साथ देंगी और टीम को मजबूती प्रदान करेंगी, जबकि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली हरलीन देओल तीसरे स्थान पर रहेंगी।

हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष का मध्यक्रम पलक झपकते ही मैच पलटने की ताकत रखता है, लेकिन उन्हें प्रोटियाज की फॉर्म में चल रही गेंदबाजी का धैर्य और संयम से सामना करना होगा। फॉर्म की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका की कमान अजेय ताजमिन ब्रिट्स के हाथों में होगी। अपनी पिछली पांच विश्व कप पारियों में चार शतक- जी हाँ, चार!

ब्रिट्स क्रीज पर तूफानी रही हैं, और भारतीय गेंदबाजों को उनकी लय को थामने के लिए कुछ खास करना होगा। लॉरा वोल्वार्ट और सुने लुस लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, जबकि मारिज़ैन काप का ऑलराउंड प्रदर्शन और नॉनकुलुलेको म्लाबा की सटीकता प्रोटियाज को संतुलन प्रदान करती है। वीडीसीए की पिच सभी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करती है। बल्लेबाजों को अपने स्ट्रोक्स का शुरुआती फायदा मिलता है। लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, सतह धीमी होती जाती है, जिससे स्पिनरों को ज़्यादा मदद मिलती है। इतिहास गवाह है कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को बढ़त हासिल होती है-यहां पंद्रह में से दस वनडे मैच दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम के खाते में गए हैं।

जयपुर की जीत के हीरो रहे पद्मनाभ सिंह

जयपुर, 8 अक्टूबर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर पहला मैच डायनामिक अचीवर्स ओर सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें डायनामिक अचीवर्स ने सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम को 3 के मुकाबले 6 गोल से हराया।सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने 2 गोल ओरलियोरेट ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। डायनामिक अचीवर्स की ओर से सवीर मेहराज ने 2 गोल, डेनियल ओटमेडी ने 3 गोल किए जबकि शमशीर अली ने अपनी टीम के लिए 1 गोल कर जीत पक्की कर दी। रामबाग पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो ओर कानोता पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने कानोता पोलो टीम को 2 के मुकाबले 8 गोलों से हराया। जबकि कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह ओर डीनो धनखड़ ने 1-1 गोल किए। जयपुर पोलो टीम की ओर सेदेवरथ सिंह ओर लांस वाटसन ने 1-1 गोल, महाराज पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 6 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

श्री गुर इकबाल स्मृति पुरुष एवं (स्व.) नरेन्द्र कौर भुल्लर स्मृति (महिला) सिक्स-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता आरंभ

जयपुर, 8 अक्टूबर। एस. एम.एस स्टेडियम जयपुर पर खेली जा रही इन प्रतियोगिताओं में महिला वर्ग का पहला मैच रैड रेन्जर बनास पिंकसिटी क्लब के मध्य खेला गया, मैच नो गोल रहित रहा। पुरुष वर्ग का पहला मुकाबला प्रताप क्लब बनाम वीर शिवा क्लब का था। तेजगति से खेला गया यह मुकाबला भी गोलरहित रहा।

पुरुष वर्ग का दूसरा मुकाबला रायल क्लब डस्टार क्लब के बीच खेला गया। खेल के तीसरे मिनट में स्टार क्लब ने गोल कर 1-0 से बढ़त बनाली। चौथे मिनट मे रायल क्लब ने गोल बराबर कर स्कोर 1-1 बराबर कर लिया। स्टार क्लब खिलाड़ी तीसरा गोल कर स्कोर 2-1 कर लिया। स्टार क्लब ने 12वे व 16वे मिनट में गोल कर स्टार क्लब: 5 व रायल क्लब 2 परिणाम रहा।

इस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 8 टीमें जबकि महीला बर्ग में 6 टीमें भाग ले रही है। इन टीमों को प्रत्येक वर्ग मे पुलों में बांटा गया है। प्रत्येक वर्ग (पुरुष व महिला) में दोनो पुलों की विजेता टीमों के मध्य फाइनल मुकाबला खेला जायेगा।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन मेजर जनरल (रिटा)संजय गुप्ता द्वारा किया गया तथा स्व- गुर इकबाल सिंह भुल्लर एवं स्वं मरेन्द्र कौर भुल्लर के चित्रों पर पुष्पास्नान अर्पित की गई। आयेजन सचिव एवं पूर्व अन्तराष्ट्रीय हॉकीखिलाडी दलजीत सिंह ने समस्त खिलाडियों एवं आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया गया।

बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को हराया

राजस्थान की जीत में सुमित्रा जाट चमकी

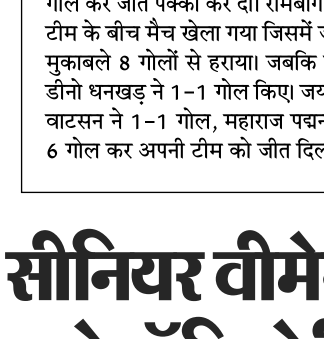

जयपुर, 8 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आज नागपुर में खेले गए बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी20 ट्रॉफी मैच में राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को 8 विकेट से हराया। राजस्थान की जीत में सुमित्रा जाट का शानदार प्रदर्शन।

उत्तराखंड पारी 97/5, टीम के लिए सालोंकार नाबाद 44 व दिव्या 18 रन - राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 15 /2 , अक्षिता माहेश्वरी , सुमन मीणा व शानू प्रत्येक 1-1 विकेट। राजस्थान पारी 99/2, टीम के लिए सुमित्रा जाट नाबाद 43, आयुषी गर्ग 26 व डिम्पल कँवर नाबाद 18 रन। उत्तराखंड की गेंदबाज अमृता 21/1 विकेट। राजस्थान - उत्तराखंड अंडर 19 वीमेन प्रैक्टिस मैच :- आरसीए अकादमी - राजस्थान - उत्तराखंड अंडर 19 वीमेन अभ्यास मैच (उत्तराखंड जीती), उत्तराखंड पारी152/2, टीम के लिए दृति आनंद नाबाद 63, सोना 35 व तन्वी 32 रन, राजस्थान की गेंदबाज प्रीत व निष्ठा 1-1 विकेट। राजस्थान पारी145/5, राजस्थान के लिए धृति माथुर नाबाद 55 , प्रतीक्षा 25 रन। उत्तराखंड के गेंदबाज तन्वीतोमर, प्रिया 2 - 2 विकेट।

अंडर 16 प्रतियोगिता (आज खेल गए मैच) जीआरग्राउंड बूंदी -राजसमंद (राजसमंद 11 रन से जीती), राजसमंद पारी 72 आल आउट। टीम के लिए प्रियवंश राजपुरोहित 20 रन। बूंदी के गेंदबाज समीर चौधरी 15/5 व भव्य माहेश्वरी 21/4 विकेट। बूंदी पारी 61 आल आउट। टीम के लिए समीर चौधरी 17 रन, राजसमंद के गेंदबाज दिलेक भटनागर 16/4, भरत साल्वी 10/3 व भीष्म 1 /2 विकेट।

अरावली ग्राउंड टोंक - जालोर (टोंक 139 रन से जीती) - टोंक पारी 255 आल आउट, टीम के लिए सईद अजीन 46, अभिनव शर्मा 34, आर्यन 32 व यश शर्मा 22 रन, जालोर के गेंदबाज सुमित 31/3, अक्षय 40/2 विकेट। जालोर पारी 116 आल आउट, टीम के लिए भूरा राम 39, अक्षय वैषणव 22 रन, टोंक के गेंदबाज आरव चोपड़ा 28/4, आर्यन सिंह 0/3 विकेट।

जोकोविच शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

शंघाई, 8 अक्टूबर। नोवाक जोकोविच ने अपने बाएँ टखने के दर्द, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती को पार करते हुए 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट तक चले मुकाबले के दौरान सर्बियाई खिलाड़ी को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट मिले और मंगलवार को 82 प्रतिशत से ज़्यादा उमस के साथ, उन्होंने मैच बदलने के दौरान बार-बार अपने सिर पर बर्फ़ का तौलिया रखा।

राज्य सब जूनियर हैंडबॉल में जयपुर की लड़कियां चैम्पियन

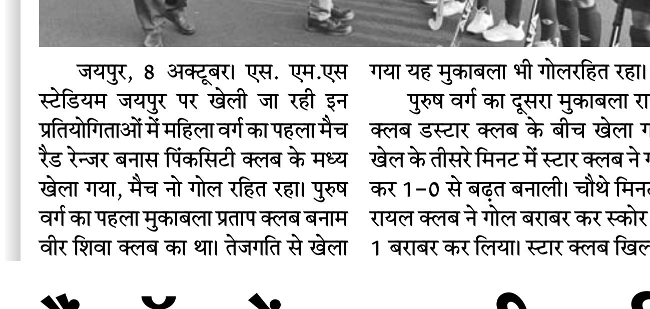

जयपुर, 8 अक्टूबर। जयपुर की लड़कियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को हनुमानगढ़ में संपन्न हुई 30वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में मेजबान हनुमानगढ़ को 26-21 से हराकर ख़िताब जीता। मध्यांतर तक विजेता टीम 11-08 से बढ़त बनाये हुए थी। वही जयपुर के बालको ने तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में सीकर को 17-13 (8-9) से हराया।

बालक वर्ग के फाइनल में बीकानेर ने गंगानगर को 25-22 (14-12) से हराया। बालिका वर्ग में तीसरे टोंक रही। जिसने भीलवाड़ा को 7-0 (01-00) से हराया। जयपुर की कप्तान एकता कंवर बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तथा बालक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बीकानेर का गोविंद रहा। दोनों खिलाड़ियों को स्वर्गीय अमृत कुमार नाटा एवं स्वर्गीय इरफ़ान अली गौड़ की स्मृति में राज्य हैंडबॉल संघ द्वारा 2100-2100 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल, मानद सचिव अरुण प्रताप सिंह सहित समस्त कार्यकारिणी ने बालिका एवं बालक टीम की उपलब्धि की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाइयाँ दी है।

जयपुर की टीमे:- बालक वर्ग:- नाहर सिंह (कप्तान), यश यादव, रोशन यादव, हनुमान मीना,यश कुमार मीना, रुद्राक्ष प्रताप सिंह, राहुल कुमार, ब्रज मोहन, दिव्य शर्मा, रवि चौधरी, सुरेश कुमार व तनीश सैनी।

बालिका वर्ग:- एकता कंवर (कप्तान), काजल गुर्जर, वर्षा जाखड़, विशाखा जाट, अन्नू कंवर, अस्मिता गुर्जर, भव्या राजावत, अक्षरा चौहान, भावना, अनंता सिंह, जीविका दास व ऋग्वेदिका प्रधान।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सूरत में प्रवासी राजस्थानियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग की

मीटिंग में उद्यमियों ने विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों व निवेश के प्रति उत्साह दिखाया

सूरत/जयपुर, 8 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गुजरात के सूरत में "प्रवासी राजस्थानी मीट" के तहत आयोजित सेक्टोरल राउंड टेबल मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने टेक्सटाइल,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों को भीलवाड़ा, जयपुर, बाँसवाड़ा, भिवाड़ी, नीमराना, अलवर तथा अन्य क्षेत्रों में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सूरत में "प्रवासी राजस्थानी मीट" के तहत आयोजित सेक्टोरल राउंड टेबल मीटिंग में उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश को लेकर चर्चा की।

सिरेमिक, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और रत्न एवं आभूषण उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश को लेकर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान के मजबूत औद्योगिक आधार, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे, सुविधाएं और निवेशक-अनुकूल नीतियां प्रदेश को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाती हैं। शर्मा ने टेक्सटाइल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भारत के वस्त्र निर्यात में राजस्थान 10 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने उद्यिमयों को भीलवाड़ा, जयपुर और बांसवाड़ा सहित राजस्थान के कपड़ा समूहों के साथ कार्य करने के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भिवाड़ी, नीमराना और अलवर के फार्मा क्लस्टर, समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के जरिए निर्बाध कनेक्टिविटी से मजबूत हुए हैं। साथ ही, उन्होंने पचपदरा रिफाइनरी और राजस्थान पेट्रो जोन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश रसायन और पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने जयपुर के बुनियादी निर्यात ढांचे और सीतापुरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) पर भी प्रकाश डाला और उद्यमियों को रत्न और आभूषण उद्योग के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा ने सूरत के उद्यिमयों से "राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स)-2024" सहित राज्य की निवेशक-अनुकूल नीतियों के तहत, निवेश की संभावनाओं को तलाशने का आ ान किया। साथ ही, राउंड टेबल मीटिंग के दौरान, उद्योग प्रतिनिधियों ने भी प्रदेश के विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों और निवेश के अवसरों पर उत्साह प्रकट किया।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की एसएलपी पर 24 सितंबर के आदेश से हाईकोर्ट की खंडपीठ के 8 सितंबर के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं खंडपीठ को कहा था कि वह इस मामले में दायर अपीलों का निपटारा तीन महीने में करे। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया था कि खंडपीठ के समक्ष मूल अपीलों में अंतिम फैसला नहीं होने तक किसी भी चयनित अभ्यर्थी को ट्रेनिंग नहीं दी जाए।

जैसे-जैसे चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। कई वर्षों के प्रयासों के बावजूद, भाजपा के कड़े विरोध के कारण टीएमसी त्रिपुरा में अपनी मजबूत पकड़ नहीं बना सकी।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने इस समय चुनाव आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य की स्थिति पर निशाना साध रहे हैं और इन घटनाओं से निपटने के लिए "विशेष कदम" उठाने की बात कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि गृह मंत्री 2025 के चुनावों में व्यापक चुनावी जोड़-तोड़ के जरिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने अमित शाह की तुलना "आधुनिक मीर जाफर" से की।

हाल के दिनों में अमित शाह लगातार हमलावर रुख में हैं। ममता बनर्जी को आशंका है कि अगर केन्द्र सरकार के प्रस्ताव मान लिए गए, तो उनका जनाधार प्रभावित हो सकता है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका में अधिवक्ता सुमन शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को राजस्थान विश्वविद्यालय का कर्मचारी होने के आधार पर विवि प्रशासन ने एक साल के लिए आवास आवंटित किया था। एक साल की अवधि पूरी होने के बाद उसे आवास खाली करने का नोटिस दिया गया और उस पर करीब डेढ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि विवि प्रशासन की ओर से उसके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

अमित शाह ने स्वदेशी ईमेल का उपयोग शुरू किया

नयी दिल्ली, 08 अक्टूबर। गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक तौर पर अपने ईमेल संचार के लिए स्वदेशी ई मेल सॉफ्टवेयर सेवा ज़ोहो मेल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

शाह ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में ज़ोहो मेल पर अपना नया ईमेल पता साझा किया और अनुरोध किया कि भविष्य में सभी पत्राचार इसी ई मेल पर किये जाएं।

- **वे ज़ोहो मेल का उपयोग कर रहे हैं।**

उन्होंने कहा, "सभी को नमस्कार मैंने ज़ोहो मेल का उपयोग शुरू कर दिया है। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें। मेरा नया ईमेल पता अमितशाह.बीजेपीजोहोमल.इन है।

उल्लेखनीय है कि ज़ोहो एक भारतीय बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी है जो क्लाउड-आधारित व्यावसायिक सॉफ़्टवेयर के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती है। इसकी शुरूआत 1996 में श्रीधर वेम्बू और टोनी थॉमस ने की थी। ज़ोहो के प्रमुख मैसेजिंग ऐप अराटाई पर पिछले तीन दिन में नए साइन-अप में भारी वृद्धि देखी गई है, जो प्रतिदिन 3,000 से बढ़ कर 3,50,000 हो गई है। इसने ऐप को सोशल नेटवर्किंग श्रेणी में भारत में एप्पल ऐप स्टोर के शीर्ष पर पहुंचा दिया है।

कितागावा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवधारणाओं का एक ढाँचा भी शामिल है, जिसने इस पूरे क्षेत्र की स्थापना को आगे बढ़ाया है।

रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा हर साल रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट खोजों के लिए दस दिसंबर को दिया जाता है। नोबेल प्राप्त करने वाले वैज्ञानिकों को इनाम के तौर पर कुल 11 मिलियन स्वीडिश क्राउन (साढ़े आठ करोड़ रुपये) की राशि सम्मान के रूप में दी जाती है। अगर एक जैसी खोज के लिए एक से अधिक वैज्ञानिकों को भागीदारी में नोबेल प्राइज मिलता है तो इस स्थिति में पुरस्कार राशि को उनमें वितरित कर दिया जाता है।

स्थानीय मान्यताएँ व इकोलॉजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाइपोथर्मिया के लक्षण दिखाई देने लगे।

अक्टूबर के चीनी त्योहारी मौसम के दौरान, भारी संख्या में पर्यटक हिमालय के पूर्वी ढलानों के ऊँचे हिस्सों में ट्रेकिंग करने निकले थे।

वहीं दूसरी तरफ, नेपाल में, बरसात शुरू होते ही पर्वतारोहण परमिट रोक दिया जाता है। नेपाल के लोग हिमालय के मौसम चक्र से परिचित हैं और सदियों पुरानी प्रथाओं का पालन करते हैं।

लेकिन चीनी अधिकारी हिमालय से अपरिचित हैं। बीजिंग से आए उच्च अधिकारी अपने एक समान विकास मॉडल को तिब्बत और पर्वतों पर भी लागू करने की कोशिश कर रहे थे और इसी के परिणामस्वरुप, यह विनाशकारी हादसा हुआ।

तिब्बत पर कब्जा करने और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में बड़ी संख्या में हान चीनी लोगों को लाने के बाद, चीनियों ने तिब्बत के नाज़ुक हिमालयी क्षेत्रों में भी उसी तरह का नासमझी भरा विकास करने की कोशिश की। मेनलैण्ड चीनी लोगों ने 16,000 फीट से ऊपर के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक पर्यटन सुविधाओं का निर्माण किया है।

नतीजा यह हुआ कि अनभिज्ञ लोग इन अति संवेदनशील और कठिन इलाक़ों में घुस गए, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। पर्वत इतने बड़े पैमाने पर पर्यटन का बोझ नहीं उठा पा रहे हैं, क्योंकि पर्यटक हर तरह की सुविधाओं की मांग करते हैं, ऐसे इलाके में, जहाँ पर वह सब उपलब्ध नहीं है।

हिमालय के ऊपरी हिस्से में वनस्पति नहीं है। यहाँ भारी बर्फ़बारी होती है और रात में तापमान माइनस 30 डिग्री तक गिर सकता है। तेज़ हवाएँ तापमान को और घटा देती हैं।

माउंट एवरेस्ट और हिमालय का मौसम चक्र अनोखा है। मानसून के महीनों में यहाँ बारिश होती है और मानसून के बादल भारतीय उपमहाद्वीप के कोने-कोने में छाए रहते हैं। मानसून हिमालय में बर्फीले तूफानों के रूप में फैलता है।

यह चेतावनी नई नहीं है। लगभग 100 साल पहले, 1920 के दशक में जब ब्रिटिश लोग एवरेस्ट पर चढ़ने की योजना बना रहे थे, तब भी विशेषज्ञों ने चिंता जताई थी कि इस क्षेत्र में बहुत अधिक लोग आने से खतरा बढ़ सकता है।

उस समय रॉयल जियोग्राफिकल सोसाइटी की टीमें एवरेस्ट पर चढ़ाई के मामले में बेहद सतर्क थीं।

बिहार चुनाव में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। लेकिन समानता यहीं तक सीमित है।

आप एक जन आंदोलन से पैदा हुई थी, जबकि जन सुराज पार्टी महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर आधारित एक दीर्घकालिक सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही है। जहाँ, केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद पाने की जल्दी थी, वहीं, प्रशांत किशोर लंबी राजनीतिक यात्रा के लिए तैयार दिखाई देते हैं। केजरीवाल ने भ्रष्ट नेताओं पर प्रहार करते हुये, 'भ्रष्टों की गैलरी' जारी करके भ्रष्ट नेताओं पर निशाना साधा था और अदालती मामलों के बाद उन्हें अपने आरोप वापस लेने पड़े थे। वहीं, प्रशांत किशोर ने भी भाजपा और जदयू नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर एवं सनसनीखेज आरोप लगाए हैं और अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेजी सबूत भी पेश किए हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव की आरजेडी ने भाजपा के खिलाफ आप के समर्थन में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लेकिन बिहार में आप ने आरजेडी के लिए वैसा ही सम्मान नहीं दिखाया है। हालांकि इससे न तो आरजेडी और महागठबंधन को कोई खास फर्क पड़ने की सम्भावना है, और न जन सुराज पार्टी को।

बार-बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चौधरी ने अदालत को बताया कि कमल सिंह चौधरी नवंबर, 1985 में उच्च शिक्षा में बतौर शिक्षक नियुक्त हुआ था। वहीं, जुलाई, 1992 में उसे इस पद पर नियमित किया गया। इस पर उसने यूजीसी के पे-स्केल के आधार पर वेतन देने के लिए एकलपीठ में याचिका पेश की। जिसे अदालत ने साल 2013 में स्वीकार करते हुए विभाग को प्रथम नियुक्ति तिथि से गणना कर यूजीसी का पे-स्केल देने को कहा। इस आदेश के खिलाफ दायर विभाग की अपील को भी हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जनवरी, 2016 में खारिज कर दिया था।

जुबीन का चचेरा भाई डीएसपी संदीपन गिरफ्तार

गुवाहाटी, 08 अक्टूबर। सिंगापुर में समुद्र में हुई एक दुर्घटना में असम के प्रतिभाशाली गायक जुबीन गर्ग की दुखद और रहस्यमयी मौत को बुधवार को 20 दिन पूरे हो गए। यह मामला अभी भी रहस्य में डूबा हुआ है। इस बीच बुधवार को असम पुलिस ने मामले में पांचवीं गिरफ्तारी की।

इसके अलावा, असम पुलिस की सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) सिंगापुर में रहने वाले सात गैर-निवासी असमियों को दूसरी बार नया समन जारी करने वाली है, जो नौका पार्टी के आयोजन में शामिल थे और ज़ुबीन की मौत के दौरान मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, बुधवार को गिरफ्तार किया गया शख्स संदीपन गर्ग है, जो ज़ुबीन गर्ग का चचेरा भाई है और असम पुलिस सेवा (एपीएस) में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर कार्यरत है। वह ज़ुबीन की मौत के समय उसके साथ था।

संदीपन गर्ग की गिरफ्तारी के साथ, ज़ुबीन गर्ग की मौत के समय उनके साथ मौजूद अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक और एसआईटी प्रमुख मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने मीडिया को बताया, कि संदीपन को अदालत में पेश किया और आगे की पूछताछ के लिए 14 दिनों की पुलिस हिरासत मांगी। लेकिन कामरूप सीजेएम कोर्ट ने एसआईटी को संदीपन गर्ग के लिए 14 दिनों के बजाय सात दिनों की पुलिस रिमांड दी।"

कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अयोग्य करार दिया गया और पिछले दिनों उनकी विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी थी। भाया गत विधानसभा चुनाव में मीणा से चुनाव हार गये थे। अब उपचुनाव में उन्हें फिर मौका दिया गया हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908